THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 279 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.1 2080 बुधवार, 27 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

5 दिन में 5 लाख की गारंटी

सिर्फ 5 दिन में 5 लाख बढ़ेंगे

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

88% SOLD OUT

12% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	जनवरी '24 की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज				
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	54 LACS	56.25 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60 LACS	62.50 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	66 LACS	68.75 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	72 LACS	75 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	84 LACS	87.50 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	120 LACS	125 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

भगवान राम मेरे दिल में, वो दिखावा करते हैं

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। इस भव्य कार्यक्रम को लेकर राम मंदिर समिति ने राजनेताओं से लेकर उद्योगपतियों, अभिनेताओं और खेल जगत समेत इसरो की बड़ी हस्तियों को निमंत्रण दिया है। समिति ने विपक्ष के नेताओं को भी न्यौता दिया है। अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम की भव्य तैयारियों के बीच राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता रहे कपिल सिब्बल फिर से चर्चाओं में हैं।

हाल ही में एक वायरल पोस्ट सामने आया था जिसमें दावा किया गया था कि कपिल सिब्बल ने कहा है कि अगर अयोध्या में राम मंदिर बनेगा तो वो सुसाइड कर लें। हालांकि वह उस बयान को झूठा कह चुके हैं। उन्होंने नया बयान दिया है कि वे राम मंदिर उद्घाटन के लिए अयोध्या जाएंगे या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर निर्माण का पूरा मुद्दा दिखावा है। कपिल सिब्बल ने एएनआई से बात करते हुए कहा, भगावन राम मेरे दिल में हैं। मुझे दिखावा करने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपसे जो कहता हूं वह मेरे दिल से है क्योंकि मुझे इन सब चीजों की परवाह नहीं है। अगर राम मेरे दिल में हैं और राम ने मेरी पूरी यात्रा में मेरा मार्गदर्शन किया है। इसका मतलब है कि मैंने कुछ सही किया है।" सिब्बल से सवाल किया गया था कि क्या वे राम मंदिर उद्घाटन के लिए अयोध्या जा रहे हैं?

राम मंदिर निर्माण का पूरा मुद्दा दिखावा

पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि राम मंदिर निर्माण का पूरा मुद्दा एक दिखावा है, क्योंकि सत्तारूढ़ दल का आचरण, चरित्र कहीं भी राम के समान नहीं है। उन्होंने कहा, यह पूरा मामला दिखावा है। वे (भाजपा) राम के बारे में बात करते हैं लेकिन उनका व्यवहार, उनका चरित्र कहीं भी राम के करीब नहीं है। सच्चाई, सहनशीलता, त्याग और दूसरों के प्रति सम्मान राम के कुछ लक्षण हैं लेकिन वे बिल्कुल इसके विपरीत ही करते हैं। वे कहते हैं कि वे राम मंदिर का निर्माण कर रहे हैं और राम का महिमामंडन कर रहे हैं।"

राम दिल में होना जरूरी

सिब्बल ने कहा कि हर किसी को भगवान राम के सिद्धांतों को अपने दिल में रखना होगा और उनके सिद्धांतों का पालन करते हुए संवैधानिक लक्ष्यों को पूरा करना चाहिए। कपिल सिब्बल ने कहा, जो आपके दिल में है वह राम नहीं है। आपको राम के सिद्धांतों को अपने दिल में रखना होगा और उनके सिद्धांतों का पालन करके संवैधानिक लक्ष्यों को पूरा करना होगा। संसद में हाल ही में पारित आपराधिक विधेयकों पर बोलते हुए सिब्बल ने कहा कि ये 'औपनिवेशिक' विधेयकों की तुलना में अधिक कठोर हैं और इनमें कोई 'भारतीयता' नहीं है। उन्होंने कहा, ये बिल 90 प्रतिशत और मौजूदा कानूनों का अनुवाद मात्र हैं और 'औपनिवेशिक' कानूनों की तुलना में अधिक कठोर हैं। उन्होंने कहा, मुझे उनमें कोई 'भारतीयता' नहीं दिखती।

गौरतलब है कि राज्यसभा ने 21 दिसंबर को तीन आपराधिक विधेयक पारित किए। जिसमें भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023, और भारतीय साक्ष्य (दूसरा) विधेयक, 2023 शामिल हैं। बिल पहले लोकसभा द्वारा पारित किए गए थे।

पाक से बात करो वरना

कश्मीर का होगा गाजा जैसा हाल; क्या बोल रहे फारूक अब्दुल्ला?

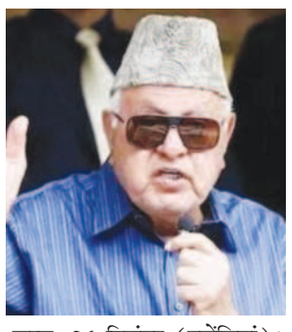

जम्मू, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद फारूक अब्दुल्ला ने एक बार फिर पाकिस्तान राग अलापा है। उन्होंने भारत सरकार पर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से बात करने की अपील की है। साथ ही में वार्ता में हो रही देरी को लेकर भी केंद्र पर सवाल उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने चेतावनी भी दे दी कि 'हमारा हाल भी गाजा जैसा हो जाएगा।' मंगलवार को अब्दुल्ला ने कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि दोस्त बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदले जा सकते। अगर हम हमारे पड़ोसियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखेंगे, तो दोनों प्रगति करेंगे। पीएम मोदी ने भी कहा था कि युद्ध अभी विकल्प नहीं है और मामला वार्ता के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।' \उन्होंने आगे कहा, 'वार्ता कहा है? नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन क्या कारण है कि हम बातचीत के लिए तैयार नहीं हैं? अगर हम वार्ता के जरिए समाधान नहीं निकालेंगे, तो हमारा हाल भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा होगा, जिसपर इजरायल बमबारी कर रहा है।।' खास बात है कि अब्दुल्ला की तरफ से बयान ऐसे समय पर आया है, जब हाल ही में पुंछ में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। इसके अलावा बारामूला में रिटायर हो चुके पुलिस अधिकारी को मस्जिद के अंदर ही गोली मार दी गई थी। इतना ही नहीं जवानों की तरफ से पूछताछ किए जाने के बाद तीन आम नागरिकों को भी मार दिया गया था। हाल ही में पाकिस्तान के चुनाव आयोग की तरफ से चुनाव कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है।

मुल्क में 8 फरवरी 2024 को चुनाव होने हैं। फिलहाल, ईपीसी उम्मीदवारों की तरफ से दाखिल नामांकन दस्तावेजों की जांच कर रही है। यह प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी। नामांकन दस्तावेजों पर दावे और आपत्तियां 3 जनवरी तक दर्ज कराए जा सकेंगे और 10 जनवरी तक इनपर फैसला आ जाएगा। आयोग 11 जनवरी को उम्मीदवारों की सूची जारी करने जा रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण करीब 30 उड़ानों में देरी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर मंगलवार सुबह घने कोहरे के कारण करीब 30 उड़ानों में देरी हुई है, जबकि दो उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुबह घने कोहरे के कारण करीब 30 उड़ानों में देरी हुई है, जबकि दो उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। इन उड़ानों को सुबह साढ़े आठ बजे से 10 बजे के बीच जयपुर भेजा गया है। इससे पहले इंडिगो और स्पाइसजेट एयरलाइंस की एक-एक उड़ान को जयपुर भेजा गया था आईजीआईए की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक आज सुबह करीब 30 उड़ानों में देरी हुई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने एक्स पोस्ट पर दी जानकारी में बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर आगमन और प्रस्थान जारी रहने के दौरान, सीएटी-3 के अनुरूप नहीं होने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। गौरतलब है कि सीएटी-3 दृश्यता बहुत कम होने पर उड़ानों के संचालन से संबंधित है।

भारतीय वायुसेना के पूर्व स्क्वाड्रन लीडर आय से ज्यादा संपत्ति जुटाने के मामले में दोषी करार

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने भारतीय वायुसेना के एक पूर्व स्क्वाड्रन लीडर को एक जमीन के सौदे के लिए कांग्रेस के पूर्व सांसद की तरफ से कथित तौर पर धन हस्तांतरित करने और 40.36 लाख रुपये की आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति जुटाने का दोषी करार दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे पूर्व स्क्वाड्रन लीडर पोलु श्रीधर को अदालत ने कोई रियायत नहीं दी।

अदालत ने उन्हें आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति जुटाने का दोषी ठहराया। अधिकारियों ने बताया कि विशेष अदालत अगले साल दो जनवरी से सजा पर बहस की सुनवाई शुरू करेगी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि एक जनवरी 2007 से 31 दिसंबर, 2010 तक पूर्व अधिकारी के एक्सिस बैंक के तीन खातों में 11.9 करोड़ रुपये जमा कराए गए थे।

बिहार के नियोजित शिक्षकों को नीतीश सरकार का तोहफा

अब मिला राज्यकर्मी का दर्जा, कैबिनेट से लगी मुहर

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इस वक्त बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल बिहार कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को बिहार के नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के एजेंडे पर मुहर लग गयी है। जानकारी के अनुसार बिहार कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को कुल 29 एजेंडों पर मुहर लगी है, जिसके तहत अब बिहार के नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा मिल गया है। वहीं कैबिनेट की बैठक में बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 को नीतीश सरकार ने स्वीकृति दे दी है। यानि की नए साल से पहले बिहार के पौने चार लाख नियोजित शिक्षकों को नीतीश कुमार की सरकार ने नए साल से पहले बड़ी खुशखबरी दी है। अब इसका पौने 4 लाख शिक्षकों को लाभ मिलेगा। वहीं विशिष्ट शिक्षक पद नाम में भी संशोधन किया गया है। अब नियोजित शिक्षक सहायक अध्यापक कहलाएंगे।

शिक्षकों को अब मिलेंगे ये लाभ

सूत्रों के अनुसार बिहार के शिक्षकों को अब नियोजित शिक्षकों का दर्जा तो मिलेगा ही। साथ ही बीपीएससी से पास वैसे नियोजित शिक्षकों को परीक्षा से मुक्ति मिलेगी जो मेरिट के साथ-साथ क्वालिफाइंग मार्क्स पूरा कर रहे हैं। वहीं नियम के अनुसार विशिष्ट शिक्षक पद नाम में भी संशोधन किया गया है। यानि कि अब नियोजित शिक्षक सहायक अध्यापक कहलाएंगे। बता दें, नियोजित शिक्षक राज्यकर्मी का दर्जा पाते ही ऐच्छिक स्थानांतरण, प्रोमोशन, वेतन बढ़ोतरी, डीए समेत सभी सुविधाओं का मिलेगा लाभ। शिक्षकों को इसके लिए महज मामूली रूप से इसके लिए सक्षमता परीक्षा देनी होगी।

राज्यकर्मी का दर्जा पाने के लिए लगातार प्रयासरत थे नियोजित शिक्षक

जानकारी के अनुसार बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को सक्षमता परीक्षा लेने की ज़िम्मेदारी दी जाएगी। बता दें, पिछले दो दशक से नियोजन इकाई से बहाल नियोजित शिक्षक राज्यकर्मी का दर्जा पाने के लिए लगातार प्रयासरत थे। सरकार के इस फैसले से बिहार के पौने चार लाख शिक्षकाओं और उनके परिवार वाले न सिर्फ राहत की सांस लेंगे बल्कि उनके नए साल का उत्साह भी परवान पर होगा

दिल्ली में 1500 रुपये को लेकर हुआ विवाद, शख्स ने पड़ोसी को उतार दिया मौत के घाट

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में 1500 रुपये को लेकर हुए विवाद के बाद एक शख्स ने अपने पड़ोसी की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में हत्या की ये वारदात हुई है। बकाया 1,500 रुपये को लेकर 29 साल के एक व्यक्ति ने चाकू मारकर पड़ोसी का कत्ल कर दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पीड़ित विनोद उर्फ विन्नू का शव 22 दिसंबर को मादीपुर जेजे क्लस्टर में उसके घर से बरामद किया गया था। उस पर चाकू से कई वार किए गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि विनोद का पास में ही रहने वाले इलेक्ट्रीशियन का काम करने वाले मोहम्मद अब्दुल्ला नाम के शख्स से झगड़ा हुआ था। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अब्दुल्ला की तलाश शुरू की और 25 दिसंबर को उसे इलाके से पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि घटना से एक दिन पहले विनोद और अब्दुल्ला के बीच पिछले बकाया 1,500 रुपये को लेकर बहस हुई थी। पुलिस के मुताबिक, विनोद अब्दुल्ला के घर गया था लेकिन वह वहां नहीं मिला। इससे उसे गुस्सा आ गया और उसने अब्दुल्ला के परिवार वालों पर चिल्लाना शुरू कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, अब्दुल्ला को विनोद के अपने परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार के बारे में पता चला।

रिहायशी इलाके के एक मकान में चल रहा था देह व्यापार का धंधा

आठ लड़कियां और एक दलाल गिरफ्तार

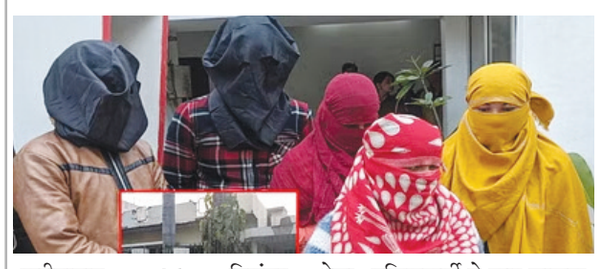

फरीदाबाद, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सेक्टर-21सी के एक मकान में देह व्यापार के आरोप में सूरजकुंड थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मौके से आठ युवतियां, एक दलाल और एक कार चालक को गिरफ्तार किया गया है। महिला थाना एनआइटी की टीम को सूचना मिली थी कि पार्क प्लाजा सेक्टर-21सी के पास एक कार विमल कुमार में युवक बैठा है। कार में पीछे तीन युवतियां बैठी हैं जो देह व्यापार करती हैं। आरोपितों को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया। इसमें पुलिसकर्मी को सादी वर्दी में ग्राहक बनाकर भेजा। पुलिसकर्मी ने कार चालक विमल कुमार ने एक युवती के बारे में बात की। उसने सौदा कर लिया। इसके बाद पुलिस टीम ने विमल को काबू किया। विमल ने बताया कि उसे युवतियां कार में बिठाकर इधर से उधर ले जाने के हर चक्कर पर 500 रुपये मिलते हैं। इसके बाद पुलिस टीम सेक्टर-21सी पहुंची। यहां एक मकान में महिला युवतियों से देह व्यापार कराती थी। पुलिस टीम ने मौके से एक युवक-युवती को कमरे के अंदर से पकड़ा। बाकी अन्य युवतियां वहां बैठी हुई थी। पुलिस के अनुसार यहां काफी समय से यह धंधा चल रहा था।

पति को नामर्द कहना

मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए मजबूर करना 'मानसिक क्रूरता': दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पति को नामर्द कहना, मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए मजबूर करना 'मानसिक क्रूरता' है। ये टिप्पणी दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक से जुड़े एक मामले में की। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की डिवीजन बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि पति पर एक्ट्रा मैरिटल अफेयर का झूठा आरोप लगाना, मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए मजबूर करना मानसिक क्रूरता है। कोर्ट ने कहा,मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए मजबूर किया गया जिसमें वो फिट पाया गया। स्पष्ट रूप से, किसी व्यक्ति की मर्दानगी के बारे में इस तरह के दावे और आरोप न केवल अवसादग्रस्त होंगे, बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए इसे स्वीकार करना मानसिक रूप से दर्दनाक भी होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि अपमानजनक और निराधार आरोप लगाना, जिसका सार्वजनिक रूप से पति की छवि खराब हो रही है तो ये अत्यधिक क्रूरता है। अदालत ने क्रूरता के आधार पर अपने पति को तलाक देने के आदेश को चुनौती देने वाली महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। क्या है पूरा मामला? साल 2000 में कपल ने शादी की थी। उनका एक बेटा भी है। शादी में शुरुआत से ही विवाद पैदा हो गए। पति का आरोप है कि पत्नी को उसे बुरा-भला कहने की आदत थी।

वो लोगों को बताती थी कि उसकी सास उसे पीटती है, पति का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है और ससुराल वाले ने दहेज लिया है। पति ने ये भी आरोप लगाया कि पत्नी उसकी मर्दानगी पर भी सवाल उठाती थी। मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए मजबूर किया गया। हालांकि टेस्ट में वो फिट पाया गया। महिला ने क्या आरोप लगाया? महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति इश्कबाज था और किसी भी महिला, चाहे वो 16 साल की हो या 60 साल की, जो अंग्रेजी बोल सके, उसके प्यार में पड़ जाता है।

आदिवासी नाबालिग छात्रा के साथ इंस्टाग्राम दोस्तों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, चार आरोपी गिरफ्तार

खंडवा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में कक्षा 11वीं की एक बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। नाबालिक बालिका के इंस्टाग्राम पर बने चार दोस्तों ने मिलकर हैवानियत की। यही नहीं, इसके बाद इनमें से एक आरोपी ने इस आदिवासी समुदाय की बालिका को महाराष्ट्र ले जाकर दो दिन तक अपने साथ भी रखा। पुलिस ने बालिका का बयान लिया तब घटना का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को खोज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

'कुछ भी अनाप-शनाप बोलते हैं उद्धव, सत्ता जाने के बाद से'

उद्धव ठाकरे पर कसा नारायण राणे ने तंज

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर राम मंदिर वाले बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे पाग़ल हो गए हैं वो कुछ भी अनाप शनाप बोलते हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए नारायण राणे ने कहा कि, 'उद्धव पागल हो गए हैं वो कुछ भी अनाप शनाप बोलते हैं। राम मंदिर का निर्माण किसने किया यह जनता को मालूम है। सत्ता गंवाने के बाद उद्धव ठाकरे पगला गए हैं।' दअरसल उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर के मुद्दे पर ट्वीट करते हुए लिखा था कि,'हमारे गृहमंत्री कहते है की, रामलला का दर्शन फ्री करा देंगे। क्या रामलला आपकी प्रॉपर्टी है? हमारा हिंदुत्व मुंह में राम हाथ को काम देनेवाला है। हमें गुजरात की मजबूती से परेशानी नहीं है। पर क्या सिर्फ गुजरात मजबूत होगा, तोही देश मजबूत होगा। बाकी राज्य मजबूत होंगे तो देश मजबूत नहीं होगा?'

कांग्रेस हारने के लिए तैयार

नारायण राणे यहीं नहीं रुके उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए ये कहा कि, 28 दिसंबर को नागपुर में कांग्रेस बड़ी रैली कर रही है और 2024 के चुनाव प्रचार का आगाज कर रही है । तैयार हैं हम का नारा दिया गया है। कांग्रेस हारने के लिए तैयार है और उनकी सभा से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं बचा है इस बार भी कांग्रेस को और उद्धव ठाकरे की शिवसेना को मुंह की खानी पड़ेगी।

केंद्रीय मंत्रियों के कार्यक्रम में उद्धव पर निशाना

दरअसल, भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित रंग शारदा ऑडिटोरियम में बीजेपी द्वारा अटल महाकुंभ का आयोजन था। इस अवसर पर मथुरा से बीजेपी सांसद हेमा मालिनी को अटल सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, नारायण राणे, मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार सहित मराठी और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकार मौजूद थे। इसी कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पर निशाना साधा।

पैसे देकर किए गये सर्वे पर नहीं करते विश्वास

इंडिया गठबंधन और सर्वे को लेकर नारायण राणे ने कहा कि, कौन इंडिया गठबंधन? हमारा भी सर्वे हुआ है। हम 100 फीसदी जीतने वाले है। पैसे देकर कराए गए सर्वे पर हमारा विश्वास नहीं है।

गुरुग्राम में पानी और दूध से ज्यादा बिक रही शराब, आबकारी विभाग ने आंकड़े रखे सामने

गुरूग्राम, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर सिटी गुरुग्राम को हरियाणा की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है तो यहां की गगनचुम्बी इमारत और फर्राटे भरती सडके इस शहर की पहचान है। लेकिन गुरुग्राम की एक सच्चाई यह भी है की गुरुग्राम में पानी से ज्यादा शराब बिकती है। यह तस्दीक आबकारी विभाग द्वारा जारी किए गए पिछले 6 महीने के आंकड़े करते हुए नजर आ रहे हैं। गुरुग्राम जिले में आबकारी विभाग के द्वारा 4 जॉन बनाए गए हैं जिसमें ईस्ट और वेस्ट जोन में शराब की सबसे अधिक बिक्री की जाती है। वर्ष 2022 से 23 के बीच की आंकड़ों की बात करें तो उसे करीबन 20% अधिक बिक्री में इजाफा वर्ष 2023 और 24 के बीच में देखने को मिला है।

संजय राउत बोले- 'राहुल गांधी, प्रियंका गांधी

इंडिया गठबंधन के पास कई चेहरे कोई भी पीएम बन जाएगा'

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उद्धव बाला साहब ठाकरे गुट के शिवसेना नेता संजय राउत ने पीएम मोदी समेत बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई तानाशाही के खिलाफ है। हमारे पास पीएम पद के लिए कई उम्मीदवार हैं चाहे राहुल गांधी हों प्रियंका गांधी हों, इंडिया गठबंधन के पास कई चेहरे हैं उनमें कोई भी पीएम बन जाएगा। वहीं इंडिया गठबंधन को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वह इस गठबंधन का संयोजक नहीं बनाए जाने को लेकर न ही निराश हैं और न ही मायूस हैं। मुख्यमंत्री ने चुप्पी तोड़ते हुये कहा, 'मुझे कोई मायूसी नहीं हुई, कोई नाराज़गी नहीं हुई।' दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर सोमवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान नीतीश ने कहा, 'बैठक में मुद्दा (एक नेता के नाम का) आया। मैंने शुरू में ही स्पष्ट कर दिया था कि हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं है। सबलोग साथ मिलकर चलें, यही हम चाहते हैं। फिर एक और नाम प्रस्तावित किया गया तो मैंने कहा कि यह सबके लिये ठीक है।' बीजेपी नेतृत्व वाले राजग में जदयू नेता के विरोधियों ने इस घटनाक्रम की आलोचना करते हुए दावा किया था कि आम आदमी पार्टी प्रमुख केजरीवाल और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो बनर्जी ने वास्तव में नीतीश की कथित प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षाओं को दरकिनार कर दिया है। विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को ठंडे बस्ते में रखने की इच्छा व्यक्त की थी और इस बात पर जोर दिया था कि 'इंडिया' गठबंधन को पहले पर्याप्त संख्या में लोकसभा सीटें जीतने की जरूरत है।

देश में नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार

24 घंटे में आए कोविड के 412 नए मामले

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के नए मामले आने का सिलसिला थम नहीं रहा है और हर रोज भारी संख्या में नए केस सामने आ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के 412 नए मामले सामने आए हैं, जिसमें ज्यादातर मामले कोविड-19 के सब वेरिएंट जे1 के हैं लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाना शुरू कर दें। अस्पतालों या भीड़भाड़ वाली जगहों से लौटने पर सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। कोशिश करें कि अपने साथ सैनिटाइजर रखें, ताकि लगातार हाथों को साफ किया जाता रहे। कोविड की पिछली दो लहरों में देश में काफी लोगों को जान गंवानी पड़ी।

लेकिन इस बार वैक्सीनेशन की दर ज्यादा होने की वजह से कोविड से ज्यादा खतरा भी नजर नहीं आ रहा है। कोरोना के साथ-साथ इसके नए सब वैरिएंट जेएन1 ने भी सरकार से लेकर आम लोगों तक की चिंता को बढ़ा दी है। भारत में कोरोना के नए सब वैरिएंट का पहला मरीज भी केरल में पाया गया था। इसके बाद देश के अन्य राज्यों में भी इसके मामले सामने आने लगे। कोरोना का ये नया स्वरूप भारत, अमेरिका, चीन, नीदरलैंड, ब्रिटेन समेत 40 देशों तक पहुंच चुका है।

फ्लाइट में महिला यात्री की गई जान, दरभंगा से मुंबई जा रहे विमान की वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग

दरभंगा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दरभंगा से मुंबई जा रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। कारण यह था कि विमान में एक बुजुर्ग महिला यात्री की तबीयत बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ते देख पायलट ने विमान को आपात स्थिति में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। इसके बाद आननफानन में महिला को अस्पातल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषितकर दिया बुजुर्ग महिला अपने पोते के साथ मुंबई जा रही थी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि दरभंगा एयरपोर्ट से मुम्बई जानेवाली एसजी116 विमान टेकऑफ के कुछ देर बाद महिला कलावती देवी की तबीयत बिगड़ने लगी है। तो चालक दल ने एटीसी से संपर्क साधकर विमान की आपात लैंडिंग कराने की अनुमति मांगी। अनुमति मिलते ही वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर महिला को उतार कर पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विमान के कुछ यात्रियों ने कहा कि हवाई मार्ग में ही बिहार निवासी कलावती देवी (85) की तबियत खराब हो गई। इमरजेंसी लैंडिंग के बावजूद उनकी जान नहीं बच पाई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 279 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.1 2080 बुधवार, 27 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में बोले मोदी

हमें अपनी विरासत पर गर्व है

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरु गोविंद सिंह जी के बेटों की शहादत को याद करने के लिए आज (26 दिसंबर) वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर दिल्ली के भारत मंडपम में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी पहुंचे।

इस दौरान मोदी ने कहा, आजादी के अमृतकाल में 'वीर बाल दिवस' के रूप में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। गुरु गोविंद सिंह और उनके चारों बेटों की वीरता हर भारतीय को ताकत देती है। ये दिवस उन वीरों के शौर्य की सच्ची श्रद्धांजलि है।

पीएम ने आगे कहा, हमने पिछले साल से ये दिवस मनाना शुरू किया था। इस साल कई देशों में यह कार्यक्रम मनाया गया। जब हम अपनी विरासत पर गर्व करना शुरू करते हैं तो दुनिया हमें अलग नजरिए से देखती है।

मोदी के भाषण की 5 अहम बातें ....

भारत के इतिहास पर : भारत वो देश है, जहां चंद्रगुप्त मौर्य जैसा युवा एक महान साम्राज्य बना लेता है।

भारत वो देश है, जहां बालक ध्रुव कठोर तपस्या करता है। भारत वो देश है, जहां एकलव्य जैसा वीर कठिन तपस्या करके दिखा देता है। भारत वो देश है, जहां खुदीराम बोस, बटुकेश्वर दत्त, रानी गाइडिल्यू जैसे क्रांतिकारियों ने अपने शौर्य से आदर्श पेश किया।

अर्थव्यवस्था पर : आज जब मैं भारत को तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने की बात करता हूं तो मेरे मन में युवा रहते हैं। 2047 का भारत कैसा होगा, इसकी तस्वीर युवाओं को ही बनानी है। सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, रोजगार मिले, सभी को मौके मिलें, हमारी सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। →

> अमित शाह पश्चिम बंगाल में गुरुद्वारा पहुंचे

गृह मंत्री अमित और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में वीर बाल दिवस मनाया। उन्होंने एक्स पर लिखा- वीर बाल दिवस पर मैं गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादे और माता गुजरी जी को नमन करता हूं। सर्वोच्च साहस के साथ वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ खड़े हुए थे। उन्होंने धर्म परिवर्तन के बजाय शहादत को चुना। उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

> अमेरिका में भी मनाया गया वीर बाल दिवस

अमेरिका के वॉशिंगटन में भी वीर बाल दिवस मनाया गया। सिख कम्युनिटी के लोगों ने इस दिवस को मनाने की शुरूआत करने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद किया। इंडियन माइनॉरिटीज फाउंडेशन के संयोजक सतनाम सिंह संधू ने कहा, इस दिवस के मनाने से लोगों को सिखों के इतिहास के बारे में जानने को मिल रहा है। इसके अलावा न्यूजीलैंड, ग्रीस और कनाडा में भी वीर बाल दिवस के मौके पर साहिबजादों को याद किया गया।

> क्यों मनाया जाता है वीर बाल दिवस?

गुरु गोविंद सिंह के तीन पत्नियों से चार बेटे थे, जिनका नाम अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह था। इन्हें साहिबजादे भी कहा जाता है। 26 दिसंबर 1705 को चारों बेटों की मुगल सेना ने हत्या कर दी थी। उनकी शहादत का सम्मान करने के लिए पीएम मोदी ने 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी। गुरु गोविंद सिंह जी के बेटों पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला गया था। इसके बजाय उन्होंने शहादत को चुना था।

विदेश भी फॉलो कर रहे : इस साल अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई और ग्रीस भी वीर बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। जब हम अपनी विरासत पर गर्व करना शुरू कर देते हैं तो दुनिया अलग नजरिए से हमें देखती है। आज भारत को अपने लोगों, उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है।

युवाओं पर : आज भारत, दुनिया के उन देशों में से है, जो देश सबसे ज्यादा युवा देश है। इतने युवा तो भारत की आजादी की लड़ाई के समय भी नहीं थे। उस युवाशक्ति ने देश को आजादी दिलाई तो आज की युवाशक्ति भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है, यह कल्पना से परे है। आने वाले 25 साल हमारी युवाशक्ति के लिए बहुत बड़ा अवसर लेकर आ रहे हैं।

सरकार की नीतियों पर : भारत का युवा किसी भी क्षेत्र में, समाज में पैदा हुआ हो, उसके सपने असीम हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोड मैप है, स्पष्ट विजन है, स्पष्ट नीति है और नीयत में कोई खोट नहीं है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

तेलंगाना को मिलने वाले फंड को लेकर की बातचीत

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज नईदिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य को मिलने वाले फंड को लेकर बातचीत की। नई दिल्ली से वापस लौटने के बाद हैदराबाद में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए रेवंत रेड्डी ने बताया कि उन्होंने पहली बार प्रधानमंत्री से मुलाकात की और राज्य की वर्तमान वित्तीय स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमने विभाजन अधिनियम के मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र से राज्य सरकार को जो धन मिलने थे, उसे पिछली सरकार लाने में पूरी तरह विफल रही। प्रधानमंत्री से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि तेलंगाना को जो देय है, वह शीघ्रता से दिया जाए। हमने स्टील प्लांट, रेलवे कोच फैक्ट्री और आईटीआईआर परियोजना तुरंत उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से इस बात का भी आग्रह किया गया कि पालमूरू-रंगारेड्डी परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा दिया जाए। इसके अलावा हैदराबाद को आईआईएम और सैनिक स्कूल देने की भी अपील की गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से पिछडे क्षेत्रों के विकास के लिए धनराशि आवंटित करने का भी अनुरोध किया है।

खड़गे ने सेल्फी प्वाइंट पर खर्च को लेकर की सरकार की आलोचना

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर सेल्फी प्वॉइंट के लिए किए गए खर्च को लेकर सरकार पर तंज करते हुए कहा कि आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से करदाताओं के पैसे को बर्बाद कर रहा है।

खड़गे ने एक्स पर लिखा, मोदी सरकार द्वारा आत्म-मुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है। रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करके करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी। उन्होंने कहा, इससे पहले, सशस्त्र बलों को मोदी जी के प्रमुख कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी-प्वॉइंट स्थापित करने का आदेश देकर हमारे बहादुर सैनिकों के खून और बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया था। जबकि मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत के लिए सहायता प्रदान नहीं की। विपक्ष शासित राज्यों के लिए मनरेगा फंड भी लंबित है। लेकिन सस्ते चुनावी स्टंटों पर उदारतापूर्वक सार्वजनिक धन खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कई प्रकार ए और सी स्टेशनों पर सेल्फी पॉइंट स्थापित करने के लिए मध्य रेलवे द्वारा किए गए खर्च पर अपने दावे के समर्थन में सूचना के अधिकार का जवाब भी संलग्न किया। कांग्रेस ने इससे पहले भारतीय सेना और अन्य सरकारी विभागों के सेल्फी प्वाइंट को लेकर सरकार पर निशाना साधा था।

सीताराम येचुरी ने राममंदिर उद्घाटन का निमंत्रण ठुकराया

कहा-धर्म निजी पसंद का मामला

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने का निमंत्रण ठुकरा दिया है। पार्टी ने मंगलवार 26 दिसंबर को जारी एक बयान में कहा कि धर्म एक व्यक्तिगत पसंद से जुड़ा मामला है। इसलिए निमंत्रण मिलने के बावजूद वह समारोह में शामिल नहीं होंगे।

सीपीआई-एम का आरोप-भाजपा ने धार्मिक आयोजन को सरकारी आयोजन में बदला

पार्टी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा- हमारी नीति धार्मिक मान्यताओं और हर व्यक्ति के विश्वास को आगे बढ़ाने के अधिकार का सम्मान करना है। धर्म निजी पसंद का मामला है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। पोस्ट में यह भी लिखा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा और आरएसएस ने एक धार्मिक समारोह को सरकारी कार्यक्रम में बदल दिया है, जिसमें सीधे प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाकी सरकारी पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। पार्टी ने लिखा है कि भारत में शासन का एक बुनियादी सिद्धांत है। संविधान के तहत भारत में शासन का कोई धार्मिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी इसका उल्लंघन कर रही है।

खाने में नहीं मिली मटन नल्ली तो लड़के वालों ने तोड़ी शादी

कहा-हमारा अपमान हुआ

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक शादी इसलिए टूट गई क्योंकि सगाई के बाद लड़के वालों को खाने में मटन की नल्ली नहीं मिली। उसे इन्होंने अपने सम्मान से जोड़कर देखा और शादी तोड़ दी।

दरअसल, सगाई के बाद खाने के मेनू में नॉनवेज भी शामिल थी। जिसमें मटन भी था। हालांकि जब लड़के वाले खाने गए तो देखा कि मटन की नल्ली नहीं थी। इसे देखकर लड़के वाले नाराज हो गए। इस बात को लेकर बहस हो गई जो देखते ही देखते लड़ाई में बदल गई। दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। बात इतनी बढ़ गई कि शादी टूट गई। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के बीच समझौता कराने की कोशिश की मगर लड़के वाले नहीं माने और शादी टूट गई।

सगाई के बाद टूटी शादी :

रिपोर्ट के अनुसार, दुल्हन निजामाबाद की रहने वाली है जबकि दूल्हा जगतियाल में रहता है। नवंबर में ही दुल्हन के घर पर दोनों की सगाई हुई थी लेकिन कुछ ही समय बाद शादी कैंसिल हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, दुल्हन के परिवार ने दूल्हे के रिश्तेदारों के लिए मांसाहारी भोजन की व्यवस्था की थी। सगाई समारोह के बाद जब मेहमानों ने बताया कि मटन की नल्ली नहीं परोसी जा रही है तो दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। इस पर दुल्हन के परिवार ने कहा कि खाने में मटन की नल्ली को शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद विवाद बढ़ गया। किसी ने मामले की जानकार पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने दूल्हे के परिवार को लड़ाई को सुलझाने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने।

उन्होंने कहा कि लड़की वालों ने उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि दुल्हन के परिवार ने जानबूझकर उनसे यह बात छिपाई की खाने के मेनू में मटन नल्ली नहीं है। आखिरकार लड़के के परिवार ने शादी कैंसिल कर रही। घनटा के बारे में जानने पर कई लोगों ने कहा कि यह घटना एक फेमस तेलुगु फिल्म की कहानी से मिलती जुलती है। मार्च में रिलीज़ हुई 'बालागम' में दिखाया गया था कि दो परिवारों के बीच मटन नल्ली को लेकर विवाद के बाद एक शादी कैंसिल कर दी गई थी।

फ्रांस में 4 दिन रोके गए 276 भारतीय मुंबई पहुंचे

एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने पूछताछ की

पेरिस/मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। मानव तस्करी के शक में फ्रांस में 4 दिन रोका गया प्लेन बाद मंगलवार सुबह मुंबई ले आया गया। इसने 25 दिसंबर की शाम पेरिस के वाट्री एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। यह मंगलवार सुबह 4 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड हुआ।

न्यूज एजेंसी ने सुबह करीब 4:30 बजे रिपोर्ट दी कि इस फ्लाइट से 276 लोग लौटे हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सीआईएसएफ ने इनसे पूछताछ की। वहीं, कई लोग मीडिया के सवालों का जवाब देने से बचने के लिए भागते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें ज्यादातर लोग पंजाब, गुजरात और दक्षिण भारत के हैं। पहले इस फ्लाइट के सोमवार दोपहर 2:20 बजे भारत आने की जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग देश वापसी नहीं करना चाहते थे। इस वजह से फ्लाइट के उड़ान भरने में देरी हो गई। इन लोगों ने फ्रांस में ही शरण देने की मांग की थी। दरअसल, 22 दिसंबर को दुबई से निकारागुआ जा रहे भारतीय नागरिकों वाला विमान वाट्री एयरपोर्ट पर ईंधन भरने के लिए उतरा था। इस दौरान फ्रांस के अधिकारियों को सूचना मिली कि इसमें मानव तस्करी के पीड़ितों को ले जाया जा रहा है, जिसके बाद फ्लाइट को उड़ान भरने से रोक दिया गया था। पहले खबर थी कि इस प्लेन से 300 यात्री भारत आ रहे हैं। इनमें से 25 भारतीयों ने फ्रांस में शरण मांगी है, इन्हें पेरिस के स्पेशल जोन 'चार्ल्स द गॉल' एयरपोर्ट पर उस जगह भेज दिया गया है, जहां शरण मांगने वालों को रखा जाता है।

2.5 करोड़ लोगों को रामलला के दर्शन कराएगी भाजपा

543 लोकसभा सीटों से 5-5 हजार लोगों को अयोध्या लाया जाएगा, सांसद-विधायकों को जिम्मेदारी

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद भाजपा लोगों को अयोध्या दर्शन कराएगी। देशभर की 543 लोकसभा सीटों और सभी विधानसभा क्षेत्रों से करीब 2.5 करोड़ लोग अयोध्या लाए जाएंगे। यहां रामलला के दर्शन और अयोध्या घूमने के बाद लोग अपने-अपने शहरों को लौटेंगे।

इस दौरान लोगों को बताया जाएगा कि कैसे भाजपा ने राममंदिर की लड़ाई लड़ी। पहले स्वरूप कैसा था, आज क्या है। इसका फायदा आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक आधारों पर क्या होने वाला है।

टारगेट यह है कि हर लोकसभा सीट से 5-5 हजार लोग, जबकि हर विधानसभा क्षेत्र से 2-2 हजार लोगों को यहां लाया जाएगा। जिन राज्यों में भाजपा का कोई सांसद या विधायक नहीं है, वहां का प्रतिनिधि 2-2 हजार लोगों की व्यवस्था करेगा। करीब 3 महीने

में 1 करोड़ लोगों को दर्शन-पूजन कराया जाना है। बचे 1.50 करोड़ लोगों को आने वाले महीनों में दर्शन कराया जाएगा।

सांसद-विधायक को लिस्ट तैयार कराने की जिम्मेदारी :

पार्टी के सीनियर नेता ने बताया, कोर कमेटी ने तय किया है कि मौजूदा सांसद-विधायक ऐसे लोगों की लिस्ट तैयार करा लें। जिन्हें अयोध्या लेकर आना है। 5-5 हजार लोगों के जत्थों को 23 जनवरी के बाद रामलला के दर्शन के लिए लेकर आना है। दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को ट्रेनों के जरिए अयोध्या लाया जाएगा। लोगों को लाने, ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था सांसद-विधायक अपने फंड से करेंगे। बता दें कि करीब 100 स्पेशल ट्रेन प्राण प्रतिष्ठा यानी 22 जनवरी के बाद अयोध्या के लिए पूरे देश के अलग-अलग राज्यों से चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें 22 जनवरी के बाद 100 दिन के अंतराल में चलेंगी।

लोगों तक पहुंचाएंगे अयोध्या का विकास :

यहां चुनावी एजेंडा यह है कि भाजपा के मंत्री, सांसद, विधायक और संगठन पदाधिकारी लोगों को बताएंगे कि 500 साल में जो नहीं हो सका, उसको भारतीय जनता पार्टी ने कर दिखाया। पॉलिटिकल माइलेज तब मिलेगा, जब यही लोग अपनी-अपनी लोकसभा क्षेत्र में लौटकर अयोध्या का डेवलपमेंट, राममंदिर और उससे जुड़े प्रयासों को लोगों तक पहुंचाएंगे।

15 जनवरी से पहले लोगों की लिस्ट होगी फाइनल :

यह प्रयास यूपी ही नहीं, देश के सभी हिंदू परिवार को राम नामी धागे में पिरोने की तैयारी है। सिलेक्ट लोगों की फाइनल लिस्ट 15 जनवरी तक पूरा करना है। लोगों से संपर्क करना शुरू भी हो चुका है। वहीं, अयोध्या के प्रशासन और रामजन्म भूमि ट्रस्ट को इस बाबत जानकारी भेज दी गई है, क्योंकि इन श्रद्धालुओं के रहने और भोजन की व्यवस्था अयोध्या में ही होनी है।

15 राज्यों में 30 दिसंबर तक घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 15 राज्य ठंड और घने कोहरे की चपेट में है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, उत्तराखंड, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक घना कोहरा छाया रहेगा। यहां विजिबिलिटी रेंज 50 मीटर तक रहने की आशंका है।

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के कुछ जगहों पर विजिबिलिटी जीरो हो गई है। उधर, दक्षिण भारत में 31 दिसंबर तक बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और लक्षद्वीप में आज से अगले 5 दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली के पालम में मंगलवार (26 दिसंबर) सुबह 5:30 बजे जीरो विजिबिलिटी दर्ज की गई। लो विजिबिलिटी के कारण पालम स्थित आईजीआई एयरपोर्ट पर दिल्ली में लगभग 30 फ्लाइट्स लेट हो गईं।

1978 में बगावत नहीं की थी : शरद पवार

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। एनसीपी चीफ शरद पवार ने 1978 में वसंतदादा पाटिल की सरकार गिराकर खुद मुख्यमंत्री बनने के कदम को सही बताया है। उन्होंने कहा- मैंने जो किया था, वह बगावत नहीं थी। आपसी सहमति से फैसला लिया था।

दरअसल, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने रविवार (24 दिसंबर) को बारामती में शरद पवार के 1978 में उठाए कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था, वसंतदादा एक अच्छे नेता थे, लेकिन उन्हें दरकिनार किया गया और जनता पार्टी के साथ हाथ मिला लिया। ऐसा नहीं है कि पहले किसी ने ऐसा कदम नहीं उठाया, जैसा मैंने उठाया। मैंने तो 60 साल की उम्र पार करने के बाद ऐसा फैसला लिया, इसलिए हर किसी को मेरे इस कदम को समझने की जरूरत है। शरद पवार ने जवाब देते हुए सोमवार 25 दिसंबर को कहा, मैंने कोई धोखा नहीं दिया था। सब लोगों ने बैठकर ये फैसला किया था। इसलिए शिकायत करने का कोई सवाल ही खड़ा नहीं होता। इंडिया से पीएम कैंडिडेट को लेकर पूछे सवाल पर शरद पवार ने कहा, 1977 में इमरजेंसी के बाद भी कोई पीएम का चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया गया था। चुनाव के बाद मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने थे। अगर लोगों का मूड बदलाव का है तो बदलाव होगा। सर्वे में महाविकास अघाड़ी सरकार को बढ़त होने पर उन्होंने कहा, सर्वे सिर्फ संकेत देते हैं। इसके आधार पर किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता।

साल 1977 में आपातकाल के बाद कांग्रेस दो गुटों इंदिरा की कांग्रेस (आई) और डी देवराज उर्स की कांग्रेस (यू) में बंट गई थी। शरद पवार कांग्रेस (यू) में शामिल हो गए थे। 1978 में जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हुए तो दोनों कांग्रेस अलग-अलग लड़ीं। जनता पार्टी कुल 288 में से 99 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से पीछे रह गई। कांग्रेस (आई) को 62 और कांग्रेस (यू) को 69 सीटें मिलीं।

चुनाव के बाद दोनों कांग्रेस ने साथ मिलकर सरकार बनाई और वसंतदादा पाटिल मुख्यमंत्री बने। सरकार बने हुए साढ़े चार महीने ही हुए थे कि शरद पवार ने 40 विधायकों के साथ बगावत कर दी। इससे गठबंधन सरकार गिर गई। शरद पवार ने 18 जुलाई 1978 में प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार बनाई और महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र (तब 38 साल) के मुख्यमंत्री बने। हालांकि, ये सरकार ज्यादा दिन नहीं चल सकी। जनता पार्टी में फूट पड़ गई। इंदिरा गांधी की सिफारिश पर डेढ़ साल बाद ही महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया और पवार की पहली सरकार को बर्खास्त कर दिया गया। जुलाई 2023 में अजित एनसीपी के 40 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे।

बिहार में बदलेगा मौसम का मिजाज कई हिस्सों में 3 दिन बारिश की संभावना

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में दिसंबर महीने में ठंड अपने सबाब नहीं पहुंचा, लेकिन आने वाले दिनों में एक बार फिर मौसम में बदलाव की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार नए साल के प्रारंभ में लोगों को कड़कड़ाती ठंड का एहसास होगा। इससे पहले 29 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ के कारण राज्य के कई हिस्सों में बादल छाये रहने की संभावना है। जबकि 2 से 4 जनवरी के बीच राज्य के कई इलाकों में बारिश की संभावना भी जताई गई है।

इसके साथ ही राज्य के कई जिलों में कुछ दिनों तक कोहरा भी छाया रह सकता है।

अगले 4 दिनों तक तापमान में बदलाव नहीं

मौसम विभाग के अनुसार 27 दिसंबर से 1 जनवरी तक उत्तर बिहार, पूर्वी और मध्य बिहार में तापमान में ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं है। मौसम विभाग की ओर से बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन सर्दी बढ़ने को लेकर फिलहाल कोई पूर्वानुमान जारी नहीं किया गया है। मध्य से लेकर उत्तर-पश्चिमी भारत तक जबर्दस्त मौसमी उतार-चढ़ाव चल रहा है। एंटी साइक्लोन के बाद उस क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जबकि बिहार अभी भी पुरवैया की चपेट में है, जिसके कारण तापमान में कमी नहीं हो रही है।

गया और सबौर में सबसे कम 10.5 डिग्री न्यूनतम तापमान

बिहार में पिछले 24 घंटे में सबसे कम गया और सबौर में सबसे कम 10.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। पटा का न्यूनतम तापमान 13.4, बक्सर का 12.7, कैमूर का 12.0, औरंगाबाद का 12.3, नवादा का 12।3, जमुई का 13.1, कटिहार का 14.6, बांका का 10.6, और भागलपुर का 14.7 डिग्री सेल्सियस रहा। बेगूसराय का 12.9, वैशाली का 13.9, मुजफ्फरपुर का 15.7, मोतिहारी का 12.8, सिवान का 13.2 , छपरा का 14.7, अररिया का 13 और सुपौल का 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बिहार में नए साल में बढ़ सकती है ठंड

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में भी बिहार के लोगों को हाड़ कंपाने वाली ठंड का सामना नहीं करना पड़ा। महीने और मौसम के हिसाब से अधिकतम और न्यूनतम तापमान औसत से ऊपर बना हुआ है। कोहरे का भी वैसा प्रकोप अब तक देखने को नहीं मिला है। लेकिन आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव से परिस्थितियां बदल सकती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा

यूपी पुलिस भर्ती में आयु सीमा का मामला

प्रयागराज, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आयु सीमा को लेकर मामला हाइकोर्ट पहुंच गया है। गौरतलब है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने पुलिस विभाग में कांस्टेबल के 60244 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था।

जिसके तहत बोर्ड ने सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 18-22 वर्ष आयु सीमा रखी है। वहीं अधिकतम आयु सीमा में महिलाओं को 3 वर्ष एवं एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को 5 वर्ष की छूट दी गई है। हांलाकि भर्ती में सामान्य वर्ग के उम्मीदवार भी आयु सीमा में छूट देने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रदेश में 5 साल बाद कांस्टेबल भर्ती निकली है, जिससे कई उम्मीदवार ओवरएज हो गए हैं, उन्हें भी इसमें शामिल होने का मौका दिया जाए।

कोर्ट पहुंचा मामला

इसे लेकर मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। याची सर्वेश पांडेय और 28 अन्य याचियों ने कोर्ट में अर्जी दाखिल की है कि उन्हें भी आयु सीमा में छूट दी जाए। याचिका में दलील दी गई है कि यूपी पुलिस में वर्ष 2018 के 5 साल बाद भर्ती आई है, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वर्ष 2017 में मनीष कुमार के मामले में एफिडेविट दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है कि 2017 से 2020 तक प्रत्येक वर्ष 30 हजार भर्ती अगस्त माह में निकालेंगे। एफिडेविट में यह भी कहा गया था कि समयबद्ध तरीके से भर्तियों को पूरा करेंगे, लेकिन 2018 में 41520 और 49568 की दो भर्तियों के बाद से अब तक कोई भर्ती नहीं आई है। अब हाईकोर्ट में शीतकालीन अवकाश के बाद याचिका पर सुनवाई होगी।

जेवर के गांवों में किसानों को जमीन बेचने के लिए

बाध्य करने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की रोक

प्रयागराज, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गौतमबुद्धनगर के जेवर तहसील के गांवों में रहने वाले किसानों की मर्जी के बगैर उन्हें अपनी जमीन बेचने के लिए बाध्य नहीं करने का निर्देश दिया है और कहा है कि सरकार को जमीन की जरूरत हो तो वह नियमानुसार जमीन का अधिग्रहण कर सकती है। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता तथा न्यायमूर्ति मनोज कुमार निगम की खंडपीठ ने महेंदर सिंह व 98 अन्य किसानों की याचिका निस्तारित करते हुए दिया है।

अधिवक्ता प्रेम कुमार चौरसिया ने याचीगण की तरफ से बहस की। कहा कि जेवर तहसील के गांव तइरथलई ,तिरथली खेड़ा ,राबूपुरा, कटौली बांगर, अकालपुर, कुरैब, चकबीरमपुर,व बीरमपुर के किसानों को भूमिधरी खेती की जमीन नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) द्वारा जबरन अपने पक्ष में बेचने के लिए बाध्य किया जा रहा है।

वह अपनी जमीन बेचना नहीं चाहते। प्राधिकरण के अधिवक्ता एबी सिंघल का कहना था कि प्राधिकरण ने किसानों को लोकहित के कार्य के लिए अपनी जमीन बेचने का प्रस्ताव दिया है। मर्जी के खिलाफ किसी को बाध्य नहीं किया जा रहा है, जो मुआवजा लेने के लिए तैयार होंगे उन्हीं की जमीन ली जाएगी। किसी की जमीन पर कब्जा नहीं करने जा रहे, जब तक वे मुआवजा लेने के लिए राजी नहीं हो जाते। इस पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है।

'सर्वे देखने के बाद गठबंधन पर सोचेंगी मायावती'

कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी का दावा

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को लेकर बयानबाजी लगातार जारी है। दूसरी ओर सी वोटर के जरिए कराए गए सर्वे के बाद बयानबाजी और तेज हो गई है। अब कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी का बयान आया है। उन्होंने बीएसपी चीफ मायावती के इंडिया गठबंधन में आने पर टिप्पणी की है। उन्होंने गठबंधन में पीएम उम्मीदवार को लेकर भी बयान दिया है। बीएसपी को इंडिया गठबंधन में शमिल करने के सवाल पर इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा, 'जिसको भी बाबा साहब का मिशन बचाना है, संविधान बचाना है उसे इंडिया में शामिल होना पड़ेगा। सर्वे देखने के बाद मायावती भी नए सिरे से सोचेंगी। सर्वे देखने के बाद बीजेपी के विरोधी दलों को साथ आना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैं पूरी गारंटी के साथ कह रहा हूं कि काठ की हांडी दो बार चढ़ चुकी है तीसरी बार नहीं चढ़ेगी।'

बिहार में गठबंधन को बढ़त

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'सर्वे देखने के बाद बीएसपी नए सिरे से सोचेगी। संविधान बचाने के लिए सभी दलों को इंडिया गठबंधन में आना चाहिए। फैसला मायावती को लेना है।' वहीं बिहार के आंकड़ों में महागठबंधन को बढ़त पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने इसे नीतीश के काम पर मुहर बताते हुए उन्हें सबसे सबसे चमकीला चेहरा बता दिया है। गौरतलब है कि बिहार में सी

वोटर के सर्वे में इंडिया गठबंधन को बढ़ मिलती नजर आ रही है। बिहार में इंडिया गठबंधन के आगे लेकिन देश में पीछे होने पर त्यागी ने कहा कि जब तक आर्थिक–सामाजिक सवालों पर प्रतिबद्धता नहीं होगी तब तक बेहतर नतीजे नहीं आएंगे। सी वोटर द्वारा कराए गए सर्वे में एनडीए को आगामी चुनाव में बहुमत मिलने का दावा किया गया है। जबकि यूपी में एनडीए को 73 से 75 सीट मिलने का दावा किया गया है। हालांकि सर्वे के दावे को सपा ने खारिज कर दिया है।

साइबर अपराधियों के पाकिस्तान से जुड़े तार

आतंकी गतिविधियों के लिए भेजते थे रुपये

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के विभिन्न जिलों से साइबर अपराध की ख़बरें सामने आ रही हैं। बिहार पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो कि लोगों से ठगी कर उनका बैंक अकाउंट खाली कर देते थे। ठगी के सारे रुपये पाकिस्तान भेजे जाते थे। पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। साइबर ठग लोगों को कॉल कर लॉटरी लगने की बात कह, दिए हुए लिंक को खोलने के लिए कहते थे। व्यक्ति जैसे ही लिंक पर ता है, उसका अकाउंट खाली हो जाता था। यह पूरा मामला जमुई ज़िले का है, जहां मंगरार (लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र) निवासी राजीव सिंह को गिरफ्तार किया है। मोहन सिंह के बेटे राजीव सिंह पर साइब आतंकवाद का आरोप है।

'हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं, ये एक धोखा है'

स्वामी प्रसाद मौर्य, अखिलेश यादव की चेतावनी का नहीं दिखा असर

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की चेतावनी के बाद भी स्वामी प्रसाद मौर्य की ज़ुबान पर लगाम नहीं लग पाई है। महाब्राह्मण सभा के महज 24 घटों के भीतर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर हिन्दू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया और कहा हिन्दू धर्म को एक धोखा बता दिया। उन्होंने कहा कि जब भी वो ये बात कहते हैं तो लोगों को भावनाएं आहत हो जाती है लेकिन जब मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कहते हैं तो किसी को कुछ नहीं होता। स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, हिन्दू धर्म एक धोखा है, वैसे भी 1995 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा

था कि हिन्दू कोई धर्म नहीं, ये लोगों के जीवन जीने की शैली है। यही नहीं जो सबसे बड़े धर्म के ठेकेदार बनते हैं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है एक नहीं दो-दो बार कहा कि हिन्दू नाम को कोई धर्म नहीं है बल्कि लोगों का जीवन जीने की एक कला है।

हिन्दू धर्म पर की विवादित टिप्पणी

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे कहा, देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा कि हिन्दू धर्म, धर्म नहीं है। लेकिन इन लोगों के कहने से किसी भावना आहत नहीं होती है अगर स्वामी प्रसाद मौर्य कह देते हैं कि हिन्दू धर्म, धर्म नहीं है बल्कि एक धोखा है और जिसे हम हिन्दू धर्म कहते हैं वो कुछ लोगों के लिए धंधा है। जब हम कहते हैं कि ये उन लोगों के लिए धंधा है तो पूरे देश में भूचाल मच जाता है। लेकिन वही चीज अगर मोहन भागवत कहते हैं, नरेंद्र मोदी जी कहते है और गडकरी जी कहते हैं तो इनकी भावनाएं आहत नहीं होती, लेकिन यही बात अगर स्वामी प्रसाद मौर्य कहते हैं तो लोगों की भावनाएं इतनी कमजोर होती है कि उनकी भावनाएं आहत हो जाती है।

स्वामी प्रसाद मौर्य का ये बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाब्राह्मण सभा में कहा था कि हिन्दू धर्म के खिलाफ टिप्पणियों पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने पार्टी के नेताओं के नसीहत दी थी कि वो किसी भी धर्म और जाति को लेकर कोई टिप्पणी न करें। इसके बाद लगा था कि स्वामी प्रसाद मौर्य हिन्दू धर्म के ख़िलाफ़ कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। लेकिन लगता है अखिलेश की चेतावनी का मौर्य पर कोई असर नहीं पड़ा है।

भाभी के साथ संदिग्ध हालत पर मिला पति

विरोध करने पर पत्नी को बेल्ट से पीटा; मौका मिलते ही जेठ ने भी धोया हाथ

मुजफ्फरपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पति को भाभी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद उसका विरोध करने पर महिला की पिटाई करने का मामला सामने आया है। घायल महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घायल महिला ने बताया कि उसका पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसे उसने भाभी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा। इसका विरोध करने पर उसके मुंह में दुपट्टा बांधकर पति ने पिटाई की। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई।महिला ने बताया कि दो साल पहले शादी हुई थी। पति ढंग से बात भी नहीं करते। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। दूसरे राज्य में रहते हैं। कभी-कभी घर आते हैं। पिछले एक सप्ताह से घर पर हैं। उसे शक था कि उसका भाभी के साथ संबंध है।

लखनऊ में तैनात आरपीएफ के डीआइजी संतोष कुमार दुबे को

हाई कोर्ट से राहत, वीआरएस पर रोक

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में तैनात आरपीएफ के डीआइजी संतोष कुमार दुबे की अनिवार्य सेवानिवृत्ति पर झारखंड हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा था, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं होने पर कोर्ट ने संतोष कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक को बरकरार रखा था। इस बीच उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्त दे दी गई। इसके बाद उनकी ओर से हाई कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर उक्त आदेश को चुनौती दी गई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से जवाब मांगते हुए अगली सुनवाई 12 फरवरी को निर्धारित की है।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

संतोष कुमार दुबे पहले झारखंड के चक्रधरपुर, धनबाद और रांची डिवीजन में पदस्थापित थे। तब उनके विरुद्ध 1.48 करोड़ रुपये आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था। सीबीआइ ने आय से अधिक संपत्ति मामले में 10 जुलाई 2013 को मामला दर्ज किया था। इसके बाद आरपीएफ ने उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही का आदेश दिया। सीबीआइ ने 28 जून 2022 को संतोष और उनकी झारखंड में एडीजीपी के पद पर तैनात उनकी आइपीएस पत्नी प्रिया दुबे समेत अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

चंद्रशेखर आजाद ने इंडिया अलायंस पर किया बड़ा दावा, सपा और कांग्रेस को दी सलाह

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बने इंडिया अलायंस पर आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर नेबड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि सिर्फ गठबंधन बनने से चुनाव नहीं जीत सकते हैं।

उसके लिए जमीन पर जाना पड़ता है। मेरी पार्टी नगीना लोकसभा सीट पर जमीन पर काम कर रही है। प्रत्याशियों का एलान पहले करना होता है और जातीय समीकरणों का भी ध्यान

रखना होता है। चंद्रशेखर ने कहा कि इस बार बीजेपी का दांत खट्टे होंगे।

चंद्रशेखर ने कहा कि अलायंस के लिए सबसे जरूरी यह है कि सिर्फ राजनीतिक दलों ही नहीं बल्कि जनता से भी गठबंधन हो। उन्होंने कहा कि साल 2024 के चुनाव में अगर बीजेपी को हराना है तो उसके लिए विकल्प अच्छा हो।

नगीना से चुनाव लड़ने के सवाल पर आजाद समाज पार्टी के नेता ने कहा कि मैं पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ूंगा।

जिताऊ प्रत्याशियों को दें टिकट- चंद्रशेखर

इंडिया अलायंस में शामिल होने के सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा कि मैं ये कह रहा हूं कि अलायंस अगर पार्टियों का होगा तो बात आगे नहीं बढ़ेगी। जनता से भी अलायंस जरूरी है। लोकसभा चुनाव 2019 के संदर्भ में बने गठबंधन पर चंद्रशेखर ने कहा कि एक विकल्प पिछली बार भी बना था मगर उसका परिणाम नहीं आया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बीजेपी जमीन पर है, उसके मुकाबले कांग्रेस और सपा जमीनी स्तर पर एक्टिव नहीं है। इंडिया अलायंस में प्रत्याशियों के चयन का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट दिए जाने चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो हम लोकतंत्र बचाने की लड़ाई जीत नहीं पाएंगे। एएसपी नेता ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की नीतियां ठीक नहीं हैं और नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक आजादी छीनी जा रही है।

यूपी में एक साथ 74 हिस्ट्रीशीटर ने छोड़ी अपराध की दुनिया

हरदोई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर पुलिस का खौफ हावी हो रहा है। प्रदेश के हरदोई के अतरौली थाने में 74 हिस्ट्रीशीटर ने अपराध का रास्ता छोड़ दिया है। ये अपने हाथों में तख्ती लेकर थाना पहुंचे। इन हिस्ट्रीशीटर ने थाना प्रभारी के सामने शपथ ली कि अब भविष्य में कभी भी अपराध नहीं करेंगे। यहीं नहीं, इन्होंने अपराध नहीं करने की कसम खाने के साथ ही ये भी कसम खाई कि इनके आस-पास के इलाके में कोई अपराध होता है, तो उसकी सूचना पुलिस को देंगे और क्राइम रोकने में पुलिस की मदद करेंगे। दरअसल, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते 74 हिस्ट्रीशीटर अतरौली थाने पहुंचे और अपराध नहीं करने की कसम खाई। तस्वीरें जनपद हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र की हैं। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण हेतु अभियान चलाया जा रहा है, जिसके थाना इंचार्ज की ओर से इलाके के समस्त हिस्ट्रीशीटर को थाने बुलाया गया था। उनमें से 74 हिस्ट्रीशीटर थाने पहुंचे और 10 जेल में पाए गए। लगभग 38 हिस्ट्रीशीटर अनुपस्थित पाए गए,

क्या ओम प्रकाश राजभर को मिला है राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण? सुभासपा प्रमुख ने दिया ये जवाब

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मेहमानों को न्योता भेजा जा रहा है। इस बीत जब राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर सुभासपा नेता ओम प्रकाश राजभर से बात की गई तो उन्होंने इस पर खुलकर बात की, सुभासपा नेता ने ये भी बताया कि उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता मिला है या नहीं। सुभासपा प्रमुख और एनडीए के सहयोगी ओम प्रकाश राजभर से जब ये सवाल किया गया कि क्या उन्हें राम मंदिर के समारोह का न्योता मिला है तो उन्होंने कहा कि न्योता हमारे दफ्तर में आ गया होगा, सूचना हमें मिली थी, वहीं विपक्षी दलों द्वारा न्योते का इंतजार किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के जो नेता निमंत्रण का इंतज़ार कर रहे हैं उन्हें भी मिल जाएगा और फिर इसमें इंतजार क्या करना, मंदिर में पूजा करने के लिए निमंत्रण की जरुरत नहीं होती, वैसे ही जाना चाहिए।

यूपी-बिहार के लोगों पर कही ये बात

ओम प्रकाश राजभर से जब डीएमके नेता दयानिधि मारन के यूपी बिहार को लेकर दिए गए बयान के सवाल पर उन्होंने कहा कि, उन्हें ये नहीं पता कि यूपी और बिहार को लोग ही पूरा देश चलाते हैं। और पूरे देश की

जितनी भी फैक्ट्री हैं वो भी चलाते हैं, अगर ये लोग काम करना बंद कर दें तो खाने के बिना लोग मरने लगेंगे। बोलना आसान है और करना कठिन होता है। यूपी बिहार की तुलना तमिलनाडु नहीं कर सकता है।

'इंडिया' गठबंधन पर साधा निशाना

राजभर ने इस दौरान 'इंडिया' गठबंधन को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि ये सब लोग जनता को लूटने वाले हैं। इन्हें ईडी, सीबीआई का डर है इसलिए ये एकजुट हो गए हैं। इनकी एक ही लाइन हैं विपक्ष ने ठाना है कि 24 में मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश चुनाव में जाकर 71 सीटों पर लड़ी और कहा कि कांग्रेस को वोट मत देना ये चालू पार्टी है, जब ये हमको धोखा दे सकती है तो जनता के साथ क्या करेग? तो सपा वहां क्या कर रही है थी, भाजपा को जिता रही थी। जेडीयू ने राजस्थान में क्या किया, ये सब लोग एकजुट ही नहीं है तो ये क्या लड़ाई लडेंगे?

रामलला के आंगन के लिए अब्दुल-इकरा ने दी निधि मुस्लिम समाज को भी भेजी जा रही श्रीराम की पाती

वाराणसी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राम-रहीम, कृष्ण-करीम और महादेव-मोहम्मद में एकरूपता की हामी रही काशी की धरा ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। हिंदू आस्था के प्रतीक भगवान राम के भव्य दरबार के लिए पूर्वांचल के अब्दुल और अब्दुल्ला ने भी अपनी निधि समर्पित की है। इनके जैसे हजारों मुसलमानों ने काशी की पतितपावनी गंगा को साक्षी मानकर भगवान राम के अद्भुत मंदिर के संकल्प की सिद्धी की है। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए समर्पण राशि देने वाले मुस्लिम समाज के लोगों को भगवान श्रीराम की पाती भेजी जा रही है। अयोध्या में बन रहे भव्य राममंदिर के लिए काशी प्रांत के चार हजार से ज्यादा मुसलमानों ने दान स्वरूप लाखों रुपये की धनराशि प्रदान की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के काशी प्रांत के 27 जिलों में निधि समर्पण अभियान में मुसलमानों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। यही कारण है कि काशी प्रांत से ही मुस्लिम समाज का सहयोग दो करोड़ रुपये से ज्यादा तक पहुंच गया। परंपरा और सौहार्द की सिरमौर रही काशी में रामलला के अयोध्या में विराजमान होने के निर्णय के बाद ही मुस्लिम समाज भी समर्पण निधि का हिस्सा बन गया था। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के प्रति मुस्लिम समाज के रुझान को देखते हुए आरएसएस ने प्रत्येक जिले में समर्पण निधि के कार्यक्रम आयोजित किए। 27 जिलों में 30 से ज्यादा कार्यक्रमों में चार हजार से ज्यादा मुसलमानों ने अपनी क्षमता के अनुसार मंदिर निर्माण में दान दिया।

जौनपुर के डॉ. अब्दुल कादिर ने दिए एक लाख 11 हजार

जौनपुर के मोहम्मद हसन पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ। अब्दुल कादिर ने राम मंदिर के निर्माण के लिए एक लाख 11 हजार रुपये की धनराशि दी है। डॉ। कादिर का कहना है कि यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है कि अयोध्या में श्रीराम का मंदिर का बन रहा है। मंदिर के निर्माण के लिए सहयोग राशि के जरिये यह संदेश देने की कोशिश है कि इस देश में हमें एक दूसरे की पूजा, परंपरा और तौर तरीकों का सम्मान करना चाहिए। जब हम समाज में एक दूसरे के सुख दुख में साथी हैं तो फिर मंदिर-मस्जिद में भेद नहीं कर सकते। वाराणसी की इकरा अनवर ने राम मंदिर निर्माण की शुरुआत होने से पहले महामंडलेश्वर जितेंद्रानंद सरस्वती से संपर्क किया और उन्हें मंदिर निर्माण कोष में 11 हजार रुपये की सहयोग राशि समर्पित की। इकरा अनवर ने अपने दाहिने हाथ पर जय श्रीराम भी गुदवाया है। महामंडलेश्वर जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि इकरा अनवर ने अपने समाज के कई लोगों को सहयोग के लिए प्रेरित भी किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 27 दिसंबर, 2023

सुविचार

भरोसा रखें जब हम किसी का,
अच्छा कर रहे होते हैं,
तब हमारे लिए भी कहीं कुछ,
अच्छा हो रहा होता है !

तेलंगाना में उद्योगों के विकास के लिए हर तरह का समर्थन : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दोहराया है कि राज्य सरकार तेलंगाना में उद्योगों के विकास के लिए हर तरह का समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी हितधारकों के साथ मैत्रीपूर्ण रुख अपनाया है और अपने प्रयास के तहत वह उद्योगपतियों को भी पूरा सहयोग देगी। फॉक्सकॉन के हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधि ली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को यहां डॉ. बीआर अंबेडकर राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। फॉक्सकॉन ने हैदराबाद के बाहरी इलाके कोंगरा कलां में उत्पादन संयंत्र पर काम शुरू कर दिया था और कंपनी ने अपनी सुविधा में $500 मिलियन का निवेश करने के संकल्प की घोषणा की थी। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि नवगठित राज्य सरकार की जिम्मेदारी लोगों की आकांक्षाओं की रक्षा करना है और उदारतापूर्वक अनुमति देने के अलावा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को देश में औद्योगिक विकास में अग्रणी के रूप में बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि राज्य सरकार तेलंगाना में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विकास में तेजी लाएगी। इसी तरह, यह हैदराबाद के कोंगारा कलां में फॉक्सकॉन विनिर्माण केंद्र के संचालन के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगी और फॉक्सकॉन द्वारा शुरू की जा रही आगामी परियोजनाओं के लिए सभी आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव शांति कुमारी, उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और फॉक्सकॉन के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्रियों ने की जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक

प्रजा पालन कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयास करने के निर्देश

प्रजापालन कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयास करें : मंत्री, अधिकारियों को निर्देश

खम्मम, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री, जिला प्रभारी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को प्रजा पालन कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया। मंत्रियों ने मंगलवार को यहां खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों के अधिकारियों के साथ प्रजा पालन पर तैयारी बैठक की। वेंकट रेड्डी ने कहा कि यह कार्यक्रम छह गारंटियों के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में 28 दिसंबर से 6 जनवरी तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब व्यक्ति की आशाओं को पूरा करने के लिए कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। योजनाओं को क्रियान्वित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी थी। ग्राम सभाओं का आयोजन कर समस्याओं का एक-एक कर समाधान करना चाहिए। गरीबों से प्राप्त हर आवेदन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी जाए और

सुधारात्मक कदम उठाए जाएं और यदि यह अधिकारियों के दायरे से बाहर हो तो मामला मंत्रियों के ध्यान में लाया जाए। उन्होंने कहा, चूंकि खम्मम और कोठागुडेम जिलों में बड़ी संख्या में गरीब और आदिवासी लोग हैं, इसलिए अधिकारियों को एक टीम के रूप में जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। नागेश्वर राव ने कहा कि हालांकि राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है, लेकिन दिए गए वादों को लागू किया जाएगा और अधिकारियों को प्रजा पालन पर स्पष्टता रखनी चाहिए।

मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि शासन को लोगों के करीब ले जाने के लिए राज्य सरकार प्रजा पालन लेकर आई है। ग्राम सभाओं का कार्यक्रम पहले से घोषित किया जाना चाहिए। प्रत्येक 100 लोगों पर एक काउंटर, शामियाने, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कोठागुडेम जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने बताया कि प्रजा पालन की बैठकें दो पालियों में होंगी; सुबह 8 बजे से 12 बजे तक और 12 बजे से शाम 6 बजे तक. जिले के 22 मंडलों में 481 ग्राम पंचायतें और चार नगर पालिकाओं में 114 नगरपालिका वार्ड थे। कोत्तागुडेम एसपी डॉ. विनीत जी ने कहा कि समस्याग्रस्त गांवों पर विशेष ध्यान देने के साथ प्रजा पालन बैठकों के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। बुजुर्गों और दिव्यांगों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए उपाय किए जाएंगे। खम्मम के अतिरिक्त कलेक्टर बी. सत्य प्रसाद ने कहा कि 21 मंडलों में 589 ग्राम पंचायतें और चार नगर पालिकाओं में 125 नगरपालिका वार्ड थे। जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत और वार्डों में सभी परिवारों को दिन में दो पालियों में कवर करने के लिए 59 टीमों का गठन किया जाएगा।

आवासीय कॉलोनी में जल निकासी की गंभीर समस्या

निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आवासीय कॉलोनी, सुहाग पैलेस, शंकर वैली, रॉयल बजारा, अग्रवाल निवास में जल निकासी की गंभीर समस्या से जूझ रही है, जिसके कारण कई समस्याएं पैदा हो गई हैं। इससे इसके निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय निवासर सुरेश अग्रवाल ने जीएचएमसी की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी को लिखे शिकायत पत्र में बताया कि इस कॉलोनी में जल निकासी का निरंतर अतिप्रवाह एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, जिसके परिणामस्वरूप ढेर सारी चुनौतियाँ पैदा हो गई हैं, जिनके तत्काल समाधान की आवश्यकता है। सबसे चिंताजनक परिणाम यह है कि क्षेत्र में मच्छरों की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे डेंगू जैसी मच्छर जनित बीमारियों के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अफसोस की बात है कि इस कॉलोनी में कई बच्चे और बुजुर्ग इस संभावित जीवन-घातक बीमारी का शिकार हो गए हैं, जिससे हमें अलार्म बजाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

रुके हुए और दूषित पानी से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरे कई गुना हैं। रुके हुए पानी की दुर्गंध और भद्दे रूप से निवासियों को भारी परेशानी हो

रही है।

इसके अलावा, जमा हुआ पानी रोग फैलाने वाले कीटों के लिए प्रजनन स्थल बन गया है, जिससे यह संभावित स्वास्थ्य संकटों का केंद्र बन गया है। हमारी कॉलोनी की हवा और पानी की गुणवत्ता से समझौता होने के कारण निवासियों को लगातार जलजनित बीमारियों से ग्रस्त होने का डर रहता है। जल निकासी समस्या के मूल कारण की पहचान करने की हमारी खोज में, हमने एक महत्वपूर्ण योगदान कारक की खोज की है। 6 ड्रेनेज लाइन के भीतर दो केबल डाली जाती हैं, जिससे प्रवाह बाधित होता है और बार-बार रुकावटें आती हैं। ये केबल नियमित रखरखाव कार्यों के दौरान ड्रेनेज लाइन की पूरी तरह से सफाई में बाधा डालते हैं। केबल की भीड़ और अपर्याप्त सफाई की यह दोहरी चुनौती बार-बार होने वाले ड्रेनेज ओवरफ्लो को हल करने में बाधा डालती है। उन्होंने एचएमडब्ल्यूएसएसबी को ड्रेनेज लाइन का आकार बढ़ाने, केबलों को स्थानांतरित करने के अलावा जल्द से जल्द इस समस्या को सुलझाने का आग्रह किया।

पेंडिंग चालान में रियायत की घोषणा

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वाहनों पर लंबित ट्रैफिक चालान पर भारी छूट की घोषणा की है। चूंकि राज्य भर में वाहनों पर दो करोड़ से अधिक चालान जमा हो गए हैं, इसलिए सरकार ने पुलिस की सलाह पर चालान के भुगतान पर सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह बंपर ऑफर 28 दिसंबर से जनवरी तक वैध रहेगा। पुलिस ने इन तिथियों पर सरकार द्वारा घोषित रियायत का लाभ उठाने और वाहनों पर लंबित चालान का भुगतान करने की सलाह दी है। इस बीच गाड़ियों पर पेंडिंग चालान में रियायत देने वाली सरकार ने हाल ही में इससे जुड़ा नोटिफिकेशन जारी किया है. राज्य परिवहन विभाग के सचिव ने आज इस आशय का आदेश जारी किया है। सरकार ने बाइक, स्कूटी, ऑटो के लिए 80%, चार पहिया वाहन (कार से लॉरी) 60% छूट, आरटीसी बसें, कोच पर 90% की छूट दी है।

जीरो टिकट योजना से महिला यात्रियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए जीरो टिकट योजना उपलब्ध कराने के बाद रोजाना 18 लाख महिलाएं आऱटीसी बसों में सफर तय कर रही हैं, वहीं बसों की संख्या मात्र 2850 है। पहले रोजाना 11 लाख लोग आरटीसी बस में सफर तय किया करते थे। अब वो संख्या 18 लाख तक पहुंच गई है. सुबह और शाम की सभी बसों में भीड़ रहती है। 60 फीसदी सीटें महिलाओं से भरी हैं। 43 सीटों वाली मेट्रो एक्सप्रेस और 45 सीटों वाली साधारण बसों में 100 तक लोग यात्रा कर रहे हैं। यात्रियों की संख्या बढने के बावजूद बसों की संख्या में कोई वृद्धि नही की गयी है। प्रबंधन ने अधिक सवारियां बैठाने पर ड्राइवर और कंडक्टरों को चेतावनी देने की घोषणा की है। इसीलिए आरोप लग रहे हैं कि कुछ लोग जीरो टिकट जारी कर नंबर बढ़ा रहे हैं।

ग्रेटर हैदराबाद जोन के ईडी वेंकटेश्वरलू ने कहा कि जब तक सरकार महालक्ष्मी के नाम पर एक पहचान पत्र प्रदान नहीं करती, तब तक वे आधार और मतदाता पहचान पत्र की अनुमति दे रहे हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गैर-तेलंगाना वासियों के लिए आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की अनुमति नहीं है। डिपो प्रबंधकों ने बड़े क्षेत्र में सिटी बसों के सफर पर नजर रखी है। मालूम हो कि सरकार ने इस महीने की 9 तारीख से महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी है. तब से यात्रियों में असाधारण वृद्धि हुई है। अधिकारियों का फोकस ग्रेटर जोन में इस संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी पर है। यह महसूस किया गया कि मनमर्जी से शून्य टिकट जारी करके यह दिखाना अनुचित है कि यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। वे इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि प्रबंधन पर सरकार से भारी मात्रा में सब्सिडी पाने के लिए ऐसा करने का आरोप न लगे.। निरीक्षण टीमें मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। ग्रेटरजोन के अधिकारियों ने बताया कि बिना यात्रियों के शून्य टिकट जारी करने और यात्रा दूरी से अधिक दूरी का टिकट जारी करने पर भी कार्रवाई की जाएगी।

सिंगरेणी कोलरीज यूनियन के चुनाव आज

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में ट्रेड यूनियन चुनाव बुधवार, 27 दिसंबर को होंगे। चुनाव सुबह 7 बजे शुरू होंगे और शाम 5 बजे समाप्त होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि वोटों की गिनती शाम छह बजे शुरू होगी। चुनाव मतपेटियों से होगा। चुनाव में कुल 13 ट्रेड यूनियन हिस्सा लेंगी। सिंगरेनी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया अक्टूबर में पूरी हो गई थी और मतपत्र भी छप गए थे। हालांकि, विधानसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव स्थगित कर दिया गया था। हालांकि कांग्रेस पार्टी चाहती थी कि ट्रेड यूनियन चुनाव अगले साल लोकसभा चुनाव तक टाल दिए जाएं, लेकिन तेलंगाना उच्च न्यायालय ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

सिंगरेनी ट्रेड यूनियन चुनाव आखिरी बार 2017 में हुए थे। पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता की अध्यक्षता वाली टीबीजीकेएस ने 11 कोयला खदान डिवीजनों में से नौ जीतकर चुनाव जीता था। इंटक, टीबीजीकेएस और सीपीआई से संबद्ध ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) प्रमुख दावेदार हैं। भाजपा से संबद्ध हिंदुस्तान मजदूर संघ (एचएमएस) भी मैदान में है लेकिन माना जा रहा है कि कार्यकर्ताओं के बीच उसका समर्थन सीमित है। एससीसीएल की कोयला खदानें तत्कालीन आदिलाबाद, खम्मम, वारंगल और करीमनगर जिलों के 11 विधानसभा क्षेत्रों में फैली हुई हैं।हाल के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस ने नौ सीटें जीती थीं, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी सीपीआई ने कोठागुडेम पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को केवल एक सीट (असिफाबाद) हासिल हुई।

नव वर्ष पर तेलंगाना सरकार ने की 1 जनवरी को छुट्टी की घोषणा

31 दिसंबर को रात्रि 1 बजे तक नव वर्ष उत्सव मनाने की अनुमति

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नये साल के चलते तेलंगाना सरकार ने 1 जनवरी 2024 को छुट्टी की घोषणा की। इस संदर्भ में राज्य सरकार प्रशासनिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, तेलंगाना सरकार नए वर्ष का उत्सव खुशी से मनाने की तैयारी कर रही है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि, 31 दिसंबर को रात 1 बजे तक नए वर्ष का उत्सव मनाने की अनुमति होगी। इसमें केवल पब, क्लब, बार, रेस्तरां और होटल को एक बजे तक खोलने की अनुमति होगी। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि उक्त के बारे में पूर्व अनुमति अनिवार्य है। आम जन को शांतिपूर्ण ढंग से नव वर्ष उत्सव मनाने की सलाह दी गयी है। इसी क्रम में तेलंगाना सरकार ने 1 जनवरी 2024 को अवकाश घोषित कर कहा है कि 1 जनवरी को सामान्य अवकाश घोषित किया गया है एवं इसके मामले में वैकल्पिक रूप से, फरवरी के दूसरे शनिवार की छुट्टी रद्द कर दी जाएगी। इस बीच, हैदराबाद पुलिस ने नए साल के जश्न के लिए पार्टी करने वालों, पब, क्लब और अन्य पार्टी आयोजकों को कई कडे निर्देश दिए हैं। तत्संबंधित पार्टियों में ड्रग्स के इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

नशीले पदार्थों के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़नी होगी : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने आज मांचल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत विभिन्न 15 गांवों में 136 सीसी कैमरे शुरू किए। दूर-दराज का इलाका होने के बावजूद मांचल मंडल के सभी गांवों के लोगों और बुजुर्गों ने अपनी जिम्मेदारी को याद किया और मेरी तरह ही सीसी कैमरे लगवाने के लिए आगे आए और अपनी जिम्मेदारी को याद कर पुलिस को इसे समर्पण भाव से करने के लिए प्रेरित किया। सीपी ने उन्हें प्रेरणा के लिए बधाई दी। सीपी ने इन सीसीटीवी कैमरों की स्थापना में भागीदारी के लिए युवाओं को बधाई दी। ड्रग फ्री राचकोंडा कमिश्नरेट के बारे में सीपी ने कहा कि राचकोंडा पुलिस राज्य सरकार द्वारा निर्णायक और महत्वाकांक्षी रूप से लिए गए निर्णय को सख्ती से लागू करेगी। उन्होंने बताया गया कि हम राचाकोंडा क्षेत्र में उन स्थानों की पहचान करेंगे जहां सड़क दुर्घटनाओं (ब्लॉक स्पॉट) में जान चली जाती है और उन्हें यथासंभव कम करने की योजना पर आगे बढ़ेंगे। यह सुझाव दिया गया है कि युवाओं, छात्रों और जनता को साइबर अपराधों के बारे में अच्छी समझ होनी चाहिए और साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहना चाहिए। कमिश्नर ने इस बैठक में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं लोगों को विशेष धन्यवाद दिया। बाद में मनचला और इबाहिमपट्टनम पुलिस स्टेशनों का दौरा किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-टेंडर नोटिस नं.05/डिवाय.सीएसटीइ/सी-।/एससी/2023-24,दि.23.12.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता(निर्माण-।), दक्षिण मध्य रेलवे, (दमरे)सिकंदराबाद व्दारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन सहित निम्न कार्य हेतु दि.5.2.2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदा(खुली) आमंत्रित है।

निविदा सं.-सी-एसजी-सी-36-5-199-2023, कार्य विवरणः दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन के सिरपुर कागजनगर-मंदामरी(एसकेजेडआर-एमएमजेड) सेक्शन में आटोमेटिक सिग्नल्लिंग के प्रावधान हेतु विस्तृत सिग्नल एवं दूर संचार कार्य।

अनुमानित मूल्यः रु.84,25,65,337.96 पैसे, बोली सुरक्षा राशिः रु.43,62,800/- पूरा करने की अवधिः 18 महिने

बोली दस्तावेज व अन्य जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लाग इन करें।

बोली सुरक्षा राशि का भुगतान ई-पेमेन्ट गेटवे व्दारा करना चाहिए या भारत के किसी भी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक के बैंक गारंटी बान्ड रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकर्तागण, अपने आफर्स को आनलाईन के माध्यम से

निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान अर्थात निविदा बंद करने के पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकर्ताओं व्दारा किसी भी शुद्धिपत्रों (केवल आनलाईन व्दारा जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के शुरू होने की तिथि तक अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, (निर्माण-।), सिकंदराबाद

PUB/1387

A1908

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पोन्नम ने कांग्रेस कैडर से सरकारी योजनाओं को लोगों तक ले जाने को कहा

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से लोगों को सरकारी योजनाएं प्रदान करने में सक्रिय रूप से काम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा है कि योजनाएं योग्य लोगों तक उपलब्ध हों।

पोन्नम प्रभाकर, जो हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने मंगलवार को यहां गांधी भवन में शहर के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में पूर्व सांसद वी हनुमंत राव और अंजन कुमार यादव, चुनाव लड़े उम्मीदवार और शहर के विभिन्न संबद्ध संघों के अध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 28 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस मनाएगी और कांग्रेस कैडर को उस दिन बड़ी संख्या में भाग लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार छह गारंटी के कार्यान्वयन के लिए लोगों से आवेदन प्राप्त करने के लिए 28 दिसंबर से 6 जनवरी तक प्रजा पालन कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों की सेवा के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया कि कांग्रेस नेताओं को सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना चाहिए।

तेलंगाना में 12 कोविड मामले दर्ज

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मंगलवार को सीओवीआईडी-19 के 12 नए मामले सामने आए। इसके साथ, तेलंगाना में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 55 हो गई। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने तेलंगाना में कथित कोरोना से मौत की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में कोविड से किसी की मौत नहीं हुई है। मंत्री ने कहा कि कोविड मृत्यु पंजीकरण की खबर में कोई सच्चाई नहीं है। उस्मानिया अस्पताल में एक व्यक्ति की मौत का किसी भी तरह से कोविड-19 से संबंध नहीं है। वह व्यक्ति स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था और उसकी मृत्यु हो गई।

इस बीच, अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा, विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों में हाल ही में मामलों में वृद्धि को देखते हुए और कोरोनोवायरस के नए जेएन.1 उप-संस्करण के संबंध में तेलंगाना के सभी अस्पतालों को अलर्ट भी जारी किया।

विजयशांति ने पूर्व सीएम केसीआर का उड़ाया मजाक

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेत्री से कांग्रेस नेता बनीं विजयशांति ने आज बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पर जमकर निशाना साधा। अपने आधिकारिक ट्विटर (एक्स) हैंडल पर, विजयशांति ने केसीआर की पिछली टिप्पणियों को याद किया कि पड़ोसी राज्यों के लोग बीआरएस पार्टी का नेतृत्व चाहते हैं। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि तेलंगाना में आगामी लोकसभा चुनाव बीआरएस पार्टी द्वारा तय की गई बड़ी कार्रवाई की तुलना में छोटे चुनाव थे।

विजयशांति ने यह भी मजाक उड़ाया कि अगले लोकसभा चुनाव में बीआरएस पार्टी पड़ोसी राज्यों में 50 एमपी सीटें और तेलंगाना में तीन सीटें जीत सकती है। उन्होंने आगे कहा कि केसीआर अगले लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों में 50 एमपी सीटें जीतकर केंद्र में सत्ता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने ये दावे पहले भी किये थे।

किशन रेड्डी ने अमीरपेट में गुरुद्वारे का दौरा किया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज अमीरपेट में एक गुरुद्वारे का दौरा किया और वीर बाल दिवस में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के बच्चों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को अपने धर्म की रक्षा के लिए कम उम्र में अपने जीवन का बलिदान देने के लिए याद किया। उन्होंने कहा कि गोबिंद सिंह के सबसे बड़े बेटों ने भी मुगल सेना से लड़ाई की और धर्म की खातिर अपने जीवन का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे पुत्रों को भी औरंगजेब की सेना ने पकड़ लिया और उन्हें सिख धर्म से इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया। उन्होंने दावा किया कि इस्लाम अपनाने और सिख धर्म छोड़ने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी दावा किया कि दोनों बच्चों ने यह कहकर औरंगजेब और मुगल सेना को चुनौती दी कि धर्म परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है और उन्होंने कहा कि दोनों बच्चों को बेरहमी से जिंदा दफना दिया गया और मार दिया गया।

रेड्डी ने कहा कि उनके बलिदान को याद करने के लिए 25 दिसंबर को नई दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में वीर बाल दिवस मनाने के लिए देश भर में हजारों कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई मंत्री, मुख्यमंत्री और विधायक कई स्थानों पर गुरुद्वारों में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने बहादुर बच्चों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदानों को याद किया।

बैद्यनाथ
नागपूर
असली आयुर्वेद

पाईल्स (बवासीर) के दर्द से परेशान?

सिड्पाईल्स टॅबलेट

बवासीर, फिस्टुला, कब्ज, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चूभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।

अभयामृत

पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।

+91 844 844 4935
www.baidyanath.co

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 27 दिसंबर - 2023

देर से आया सही फैसला

जिस तरह से भारतीय कुश्ती महासंघ की नवनिर्वाचित संस्था को निलंबित किया गया है, उससे साफ हो गया है कि उसके आंतरिक ढांचे में मनमानी चल रही थी, जिसका खमियाजा कुश्ती के खेल और इसके खिलाड़ियों को ही भुगतना पड रहा था। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भी महसूस किया कि भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्लूएफआइ में कहीं न कहीं बडे स्तर पर खींचतान और मनमानी चल रही थी। इससे एक तरह से अराजकता का माहौल बन गया था। हालात इतने गंभीर हो गए थे कि सरकार के रुख और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे थे। कुश्ती की माहिर खिलाडियों ने भी नए संघ पर एतराज जताते हुए अपने-अपने तरीके से विरोध जताया तो सरकार को यह कडा कदम उठाना पडा। हालांकि सरकार के ताजा फैसले का आधार तकनीकी है, लेकिन इसका संदेश यह भी गया कि महिला खिलाड़ियों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के समूचे ढांचे और कामकाज के तौर-तरीके को लेकर जो आईना दिखाया था, वह बिलकुल सत्य था। खिलाडियों द्वारा उठाए गए सवाल भी हकीकत की बुनियाद पर खरे थे। देश को ताज्जुब तो तब हुए जब भारतीय राजनीति के धुरंधर माने जाने वाले कुछ खास लोगों को अंतिम स्तर तक बचाने का प्रयास होता रहा । यहां तक कि महिला पहलवानों के आरोपों पर भी किसी ने ध्यान नहीं दिया। देखा जाए तो कुश्ती महासंघ पर जो कार्रवाई की गई है, उसकी वजह राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता को जल्द आयोजित कराने का फैसला है। सरकार के मुताबिक, हाल ही में डब्लूएफआइ के नव-निर्वाचित सदस्यों ने निर्णय लेने के क्रम में नियमों का उल्लंघन किया। चुनाव जीतने के कुछ ही देर के बाद इसके अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में 28 दिसंबर से अंडर 15 और अंडर 20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराने की घोषणा करते हुए पिछली तदर्थ समिति के सभी फैसलों को खारिज कर दिया था। इसके पीछे इस वर्ष में बहुत कम समय बचने या नए पहलवानों का भविष्य बचाने जैसी दलीलें दी जा सकती हैं, लेकिन लाख टके का सवाल है कि निर्धारित नियमों को ताक पर रख कर फैसला लेने का अधिकार किसे है। डब्लूएफआइ की नई संस्था के गठन और नए पदाधिकारियों के चयन के संबंध में जो खबरें आई हैं, उसे देखा जाए तो ऐसा लगता है कि चुनाव प्रक्रिया में भी नियमों के साथ खिलवाड किया गया। ऐसे में अगर केंद्र सरकार ने कुश्ती संघ से जुड़े कार्यों की देखरेख के लिए एक तदर्थ समिति गठित करने को कहा तो उसका तकाजा समझने में गलती नहीं की जा सकती है। बता दें कि पिछले काफी समय से कई महिला पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कई गंभीर सवाल उठाए थे और महीनों तक धरना-प्रदर्शन भी किया था। तब उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया था। यहां तक कि हाल ही में जब संघ का चुनाव हुआ तो बृजभूषण शरण सिंह के ही नजदीकी संजय सिंह को अध्यक्ष चुन लिया गया। इस चुनाव के बाद निराश पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी और कई अन्य पहलवानों ने अपने पदक लौटा दिए। देखा जाए तो किसी भी हाल में यह आदर्श स्थिति नहीं थी। महिला पहलवानों ने डब्लूएफआइ के कुछ उच्चाधिकारियों के खिलाफ शिकायत उठाई थी, उसमें एक तरह से कुश्ती संघ के भीतर नियमों को ताक पर रख कर चलाई जा रही मनमानी पर रोक लगाने की भी मांग की गई थी। डब्लूएफआइ के चुनाव के बाद जिस तरह आनन-फानन में फैसले लिए जाने लगे, उसने पहलवानों की आपत्तियों से जुड़ी कड़ियों की पुष्टि की। बहरहाल, देर से ही सही, लेकिन सरकार ने इस मसले पर स्पष्ट कार्रवाई की है, जिसे सरकार का एकदम दुरुस्त कदम माना जा सकता है।

भौतिकवाद की आधुनिकता से विखंडित होते संयुक्त परिवार

संजीव ठाकुर

समय के परिवर्तन के साथ ही भौतिकता ने अपना परचम फैलाना शुरू कर दिया है। पाश्चात्य शैली की आधुनिकता ने वैदिक और संस्कारी परिवारों में विखंडन की बड़ी विभीषिका ने आमद शुरू कर दी है। बड़े औभौतिकवाद की आधुनिकता से विखंडित होते संयुक्त परिवार। (पश्चिम दर्शन से दिग्गभ्रमित युवा वर्ग) संस्कारी परिवार गिनती के शेष रह गए हैं। परिवारों में स्नेह,प्यार और आपसी सम्मान की भावनाओं में बेहद कमी होने लगी है। भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है। बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है। महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है। बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है। करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करें इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी।

सीनियर सिटीजन को बहुत उम्मीदें हैं आगामी बजट से

अशोक भाटिया

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2024 को छठी बार बजट पेश करेंगी। निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी बजट पेश करने वाली है क्योंकि उसके बाद देशभर में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सरकार अपने वोट बैंक को भुनाने खासकर सीनियर सिटीजन को लेकर ऐलान करना चाहिए । हालांकि, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि बजट में कोई भी बड़ी घोषणाएं नहीं की जाएगी लेकिन सरकार अपने वोट बैंक के लिए कुछ खास घोषणाएं जरूर करना चाहिए । दरअसल 2024 मानव इतिहास में एक अहम पड़ाव के रूप में देखा जाएगा। हममें से कई लोगों ने इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी परेशानी, इनकम में अड़चन, आर्थिक अनिश्चितता, लोन के डिफॉल्ट की चिंता आदि का सामना किया है। इसके अलावा इस अवधि में ब्याज दरों में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार कारोबार के लिए कर्ज लेना आसान बनाना चाहती है। लेकिन, इसका नुकसान भी हुआ है। अपने निवेश से ब्याज पर निर्भर रहने वाले लोगों पर इसका असर देखने को मिला है। उन्हें लगता है कि अब वे अपने निवेश से बहुत कम कमा पा रहे हैं। दोबारा निवेश के जोखिम के खतरों की भी उन्हें समझ हो गई है। उस पर महंगाई ने स्थिति और बिगाड़ दी है। इस समय देश में सबसे बड़ा मुद्दा महंगाई का है। इससे देश की आबादी का सबसे बड़ा तबका बुजुर्गों का है, जो ज्यादा परेशान है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि सरकार इस बार के आम बजट में उनके लिए कुछ राहत भरे ऐलान कर सकती है। 1 फरवरी 2024 को सरकार अपना यूनियन बजट पेश करने वाली है उसका सारा देश, ख़ासतौर पर सीनियर सिटिज़न्स ही बड़ी बेसब्री से इस बजट घोषणा का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें पता चल सके कि उनके बटुए में और ज्यादा पैसे आएंगे या नहीं। बीते सालों में, जॉइंट इंडियन फैमिली ने न्यूक्लियर फैमिली का रास्ता खोल दिया है। इसका मतलब है कि आज अधिक से अधिक सीनियर सिटिज़न्स आत्मनिर्भर तरीके से अपनी सेविंग्स और इनकम के भरोसे अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। पिछले साल किए गए इकनॉमिक सर्वे के अनुसार, भारत में बड़े-बुजुर्गों की हिस्सेदारी यानी 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या 2011 में 8.6% से लगातार बढ़ते हुए 2041 तक 16% यानी लगभग दोगुनी हो जाएगी। ऐसी परिस्थिति में, उपयोगी बजट सम्बन्धी घोषणाओं के माध्यम से इस वर्ग के लोगों की जरूरतों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।सीनियर सिटिज़न्स के साथ बजट सम्बन्धी उम्मीदों के बारे में चर्चा करते समय, एक मुद्दा बाकी सभी मुद्दों से ज्यादा महत्वपूर्ण था और वह हैं - टैक्स ब्रेक का मुद्दा। वे सब यही चाहते हैं कि उनका टैक्स ब्रेक, नॉन-रिटायर्ड कामकाजी लोगों से अलग हो। टैक्स ब्रेक की इस बढ़ती मांग का कारण, उनके और दूसरों की इनकम में मौजूदा अंतर है। एक सीनियर सिटिज़न जिसे पेंशन नहीं मिलती है वह बैंक सेविंग्स और डेट इन्वेस्टमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट्स से होने वाले इंटरेस्ट इनकम पर निर्भर रहता है। इस मामले में उनकी चिंता का विषय, इंटरेस्ट रेट में होने वाला उतार-चढ़ाव है जिससे उनकी इनकम कम हो सकती है। दूसरी तरफ, पेंशन इनकम पर निर्भर रहने वाले सीनियर सिटिज़न्स को सेहत और सामाजिक सुरक्षा जैसी अन्य असुरक्षा की भी चिंता सताती रहती है। इनकम टैक्स क़ानून के अनुसार, सीनियर सिटिज़न्स को दो समूहों में बांटा गया है - सीनियर सिटिज़न्स और सुपर सीनियर सिटिज़न्स। इनमें से प्रत्येक समूह के लिए टैक्स सम्बन्धी क़ानून भी अलग-अलग हैं। सीनियर सिटिज़न्स यानी 60 से 80 साल की उम्र के लोगों के लिए 3 लाख रुपये की इनकम तक टैक्स माफ़ है। सुपर सीनियर सिटिज़न्स यानी 80 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए 5 लाख रुपये की इनकम तक टैक्स माफ़ है। रिटायर्ड लोग चाहते हैं कि यह अंतर ख़त्म हो जाए क्योंकि कई लोगों के पास, पेंशन और इन्वेस्टमेंट को छोड़कर इनकम का कोई अन्य साधन नहीं है। उनका मानना है कि सबके लिए 5 लाख रुपये की छूट सीमा तय की जानी चाहिए ताकि सभी सीनियर सिटिज़न्स पर टैक्स का बोझ कम हो सके।मौजूदा टैक्स स्लैब के अनुसार, सीनियर सिटिज़न्स को अलग-अलग रेट के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। सरकार को इन टैक्स स्लैब पर फिर से काम करना चाहिए ताकि सीनियर सिटिज़न्स के हाथ में ज्यादा पैसे बच सके। वर्तमान में, टैक्स पर अलग से 4% का हेल्थ और एजुकेशन सेस भी लिया जाता है। सरकार को सीनियर सिटिज़न्स के लिए इस सेस और अन्य सरचार्ज को कम या ख़त्म करने के बारे में सोचना चाहिए ताकि उनके हाथ में अपनी सेहत और अन्य जरूरतों के लिए ज्यादा पैसे बच सके। सीनियर सिटिज़न्स पर महंगाई का ज्यादा असर पड़ता है। उनके इनकम के साधन सीमित और अक्सर निश्चित होने के कारण, बढ़ती महंगाई के कारण सीधे तौर पर उनकी खरीदने की ताकत कम हो सकती है। उनके पास महंगाई से लड़ने के लिए अपने इनकम को बढ़ाने का कोई तरीका नहीं भी हो सकता है। इसलिए, सरकार उन्हें अधिक से अधिक, महंगाई को मात देने वाले सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट ऑप्शंस देने के बारे में सोच सकती है। वर्तमान में, सीनियर सिटिज़न्स सेविंग्स स्कीम में 15 लाख रुपये तक इन्वेस्ट किया जा सकता है जिस पर 8.2 % प्रति वर्ष की दर से सुनिश्चित रिटर्न मिलता है। सरकार इस सीमा को बढ़ाने, ज्यादा रेट ऑफ़ रिटर्न देने और एक कम लॉक-इन फिक्स करने के बारे में सोच सकती है। इससे सीनियर सिटिज़न्स की खरीदने की ताकत बढ़ जाएगी और उन्हें बेहतर लिक्विडिटी मिल पाएगी। इसके अलावा हर वर्ष सीनियर सिटिज़न्स को बैक में आय के प्रणामपत्र के रूप में इनकम टेक्स का 15 H. फॉर्म भरना पड़ता है व हर 2-3 साल में K.Y .C . देनी पड़ती है जिससे सिटिज़न्स को बैक आने जाने में बहुत कष्ट होता है , इन धाराओं से सीनियर सिटिज़न्स के लिए छुट देना चाहिए । कोविड से पहले तक सीनियर सिटीजन को ट्रेन टिकट पर 40 से 50 फीसदी तक की छूट दी जाती थी लेकिन ये छूट कोविड के समय खत्म कर दी गई। कोविड का डर देश और दूनिया में खत्म होने के बाद भी सरकार ने इस छूट को फिर से शुरू नहीं किया है। अब सीनियर सिटीजन बजट में ट्रेन टिकट पर 50 फीसदी तक की छूट दिये जाने की डिमांड कर रहे हैं। वह उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार उन्हें ये छूट फिर से देना शुरू करेंगे।गौरतलब है कि आईआरसीटीसी सीनियर सिटीजन के लिए स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों की सभी केटेगरी में रियायती किराए ऑफर करता था। आईआरसीटीसी साल 2019 के अंत तक 60 साल से अधिक उम्र के सीनियर सिटीजन और 58 साल या उससे अधिक उम्र की महिला बुजुर्ग यात्रियों को दुरंतो, शताब्दी, जन शताब्दी, राजधानी, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के ट्रेन टिकटों पर किराए में छूट देता था। जहां पुरुष वरिष्ठ नागरिक 40 प्रतिशत की रियायत के पात्र थे, वहीं महिला वरिष्ठ नागरिक ट्रेन टिकट पर 50 प्रतिशत की छूट का लाभ उठा सकती थी।साल 2019 के अंत तक सीनियर सिटीजन को ट्रेनों की टिकट की कीमत पर 40 से 50 फीसदी तक की छूट मिल थी। अगर राजधानी का फर्स्ट एसी का टिकट 4,000 रुपये है तो सीनियर सिटीजन को 2,000 या 2,300 रुपये में मिलता था।

सुशासन के अटल मार्ग पर अमल

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारीवाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्र ने पहली बार सुशासन को देशभर में क्रियान्वित होते देखा।अटल जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश ने पहली बार सुशासन को चरितार्थ होते देखा था. जहां एक ओर उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना जैसे विकासशील कार्य किए, वहीं दूसरी ओर पोखरण परीक्षण एवं करगिल विजय से मजबूत भारत की नींव रखी। अटल बिहारी वाजपेयी अजातशत्रु थे। इसका कारण यह था कि उन्होंने सदैव सिद्धान्तों को महत्व दिया। किसी के प्रति उनका व्यक्तिगत रागद्वेष नहीं था। विपक्ष और सत्ता धर्म दोनों का उन्होंने बखूबी निर्वाह किया। वह कांग्रेस पार्टी की जम कर आलोचना करते थे,लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो वह कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार के साथ खड़े हुए। आज के नेताओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए. अटल जी के योगदान को देश कभी नहीं भुला पाएगा। भारत को उन्होंने परमाणु शक्ति बनाया। एक नेता के रूप में,सांसद के रूप में, मंत्री के रूप में और प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी हमेशा सभी के लिए आदर्श रहे है.भारत के विकास एवं लोगों के लिए वाजपेयी का अतुलनीय योगदान हमेशा याद किया जाएगा और देश के लिए उनकी दूरदृष्टि आगामी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।विपक्ष और सत्ता धर्म दोनों का उन्होंने बखूबी निर्वाह किया। वह कांग्रेस पार्टी की जम कर आलोचना करते थे,लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो वह कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार के साथ खड़े हुए। आज के नेताओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। देश के विकास में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। वर्तमान में केंद्र और प्रदेशों की भाजपा सरकारें सुशासन के मार्ग का अनुसरण कर रहीं हैं. भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का देश बन गया है. तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है. आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रगति पर है. इस अवधि में साँस्कृतिक राष्ट्रभाव का जागरण हो रहा है. सदियों से चल रही समस्याओं का समाधान हो रहा है. दशकों से लंबित योजनाएं पूरी हुई है. सामरिक क्षेत्र में भारत अब निर्यातक बन गया है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का महत्व और प्रभाव बहुत बढ़ा है. जी ट्वेंटी की अध्यक्षता में भारत ने नया अध्याय जोड़ा है. अटल बिहारी वाजपेयी ऐसा ही शक्तिशाली भारत बनाना चाहते थे. भारत को उन्होंने परमाणु शक्ति बनाया। एक नेता के रूप में,सांसद के रूप में, मंत्री के रूप में और प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी हमेशा सभी के लिए आदर्श रहे है। वह महान वक्ता अजातशत्रु, उदार लोकतांत्रिक मूल्यों के वाहक,राष्ट्रवादी कवि, कुशल प्रशासक थे. राजनीति और राजनीति शास्त्र दोनों अलग क्षेत्र है। राजनीति में सक्रियता या आचरण का बोध होता है, राजनीति शास्त्र में ज्ञान की जिज्ञासा होती है। अटल बिहारी वाजपेयी ने इन दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आदर्श का पालन किया।राजनीति में आने से पहले वह राजनीति शास्त्र के विद्यार्थी थे। कानपुर के डीएवी कॉलेज में नई पीढ़ी भी उनकी यादों का अनुभव करती है। अटल जी उन नेताओं में शुमार थे,जिनके कारण किसी पद की गरिमा बढ़ती है।

डीएवी में जाने पर अनुभूति होती है कि यहीं कभी अटल जी विद्यार्थी के रूप में उपस्थित रहते थे। कालेज के प्रथम तल पर कमरा नम्बर इक्कीस में वह बेंच पर बैठते थे। डीएवी कानपुर में अटल जी के गुरु रहे प्रो. मदन मोहन पांडेय के निर्देशन में मुझे पीएचडी करने का सौभग्य मिला। अक्सर बातचीत में वह अटल जी की चर्चा करते थे। इससे यह पता चला कि अटल जी बहुत होनहार विद्यार्थी थे, उनमें ज्ञान के प्रति जिज्ञासा थी। प्रो.पांडेय के निर्देशन में पीएचडी करने के बाद शिक्षक के रूप में मेरी नियुक्ति इसी विभाग में हुई। यहां प्रवेश करते ही अटल जी की फोटो दिखाई देती है। नीचे पूर्व प्रधानमंत्री नहीं,बल्कि पूर्व छात्र लिखा है। यहां बैठने पर ऊपर एक सूची पट्ट दिखाई देता है। उन्नीस सौ सैंतालीस पर नजर टिक जाती है।इसमें विद्यार्थी का नाम लिखा है- अटल बिहारी वाजपेयी..डिवीजन प्रथम, पोजिशन द्वितीय। यह वह समय था जब कानपुर विश्वविद्यालय अस्तित्व में नहीं था। डीएवी आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध था। इतने बड़े विश्वविद्यालय में अटल जी ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी। अटल जी ने राजनीति शास्त्र में एमए करने के बाद यहीं अगले वर्ष एलएलबी में दाखिला लिया था। सरकारी नौकरी से अवकाश ग्रहण करने के बाद उनके पिता पंडित कृष्ण बिहारी लाल वाजपेयी ने भी विधि स्नातक करने का निर्णय किया था। डीएवी छात्रावास में पिता-पुत्र एक ही कमरे में रहते थे। कभी पिताजी को देर होती तो अटल से पूछा जाता कि आपके पिताजी कहां हैं। जब अटल जी को देर हो जाती तो पिताजी से पूछा जाता आपके साहबजादे कहां हैं। लेकिन हंसी मजाक का यह दौर ज्यादा नहीं चला। एक वर्ष बाद ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से मिले दायित्व को संभालने के लिए अटल जी लखनऊ आ गए। विधि स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं हो सकी।अटल जी राजनीति शास्त्र में डिग्री हासिल करना चाहते थे। लेकिन उनके पिता आर्थिक रूप से खर्च वहन करने में असमर्थ थे। तत्कालीन राजा जीवाजी राव सिंधिया को जानकारी हुई तो उन्होंने वाजपेयी जी को छात्रवृत्ति देने की व्यवस्था की।

हम भी तुम्हारे बाप हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

साहब टेढ़े लोगों के लिए सीधे-सादे कपड़े पहनकर जायेंगे तो वे हमारा कचूमर बना देंगे। वैसे भी हमें ऐसे कपड़ों में जाने की क्या जरूरत है? यूनिफार्म में चलते हैं। लोगों में रौब बना रहेगा। कांस्टेबल ने कहा। यही तो मुश्किल है। यह यूनिफार्म डराने के लिए इतना बदनाम हो चुका है कि भरोसे का परिंदा इसके आसपास फटकने से भी डरता है। चोर-उचक्के इतने अडवांस हो गए हैं कि उन्हीं के चलते बड़ी-बड़ी कंपनियाँ फेस डिटेक्टर, थंबप्रिंट एनेबल तकनीकों से लैस डिवाइस बनाने लगे हैं।

अब ऐसे में उन्हें पकड़ना रिश्वत खाने जितना आसान नहीं है। इसीलिए सरकार ने आदेश दिया है कि सभी चोर-उचक्कों, अपराधियों, गुंडे मवालियों के घरों की जियो टैगिंग करें। उन्हें भनक न लगे इसके सादे कपड़े में जाना होगा। सब इंस्पेक्टर ने कहा। लगता है सरकार का दिमाग खराब हो गया है। भला इन अपराधियों का कोई घर होता है, जो इन्हें जियो टैगिंग कर गूगल मैप्स की सहायता से पकड़ लेंगे? वे अपराधी हैं! अपराधी! उनके यहाँ हमारी तरह भर्ती में देरी नहीं होती। हमारे यहाँ तो चुनावों से ठीक पहले भर्ती की जाती है, जिससे बेरोजगारों में यह विश्वास बना रहे कि ऊँट के मुँह में जीरा गलत मुहावरा नहीं है। उनका नेटवर्क जेट स्पीड की तरह काम करता है। और एक हम हैं जो नेटवर्क की स्पीड तो दूर अभी भी बाबा आदम के जमाने के तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। हम जब तक सोचते हैं, वे तब तक करके दिखला देते हैं। हमारी कथनी बोलती है और उनकी करनी। विधानसभा में हमारे नाम पर लोखो-करोड़ों का बजट पारित कर दिया जाता है। जमीन तक पहुँचते-पहुँचते और नेताओं के पेट से होते हुए वही बजट शून्य बनकर हमें पराजित करने के लिए बड़ा सा ठेंगा दिखाने हमारे सामने खड़ा हो जाता है।

यहाँ तो हर भर्ती संवैधानिक नियमों का हवाला देते हुए आरक्षण के आधार पर किया जाता है। उनके यहाँ भर्ती केवल काबिलियत के आधार पर होती है। यही कारण है कि आए दिन अनगिनत चोर-उचक्के हमारी आँखों में धूल झोंककर नौ दो ग्यारह हो जाते हैं। अब आप ही बताइए कि ऐसे में जियो टैगिंग करने का क्या फायदा होगा?

पिछले कई वर्षों से प्रमोशन की आस लगाए बैठे निराशावादी कांस्टेबल ने कहा। इतना भी निराश होने की जरूरत नहीं है। हो सकता है कि जियो टैगिंग करने के बाद हालात बदल सकते हैं। पहले से ज्यादा अपराधियों को पकड़ने में सुविधा हो सकती है। इतना कहते हुए सब इंस्पेक्टर इलाके के सबसे बड़े गुंडे के घर पहुँचा। खुद को स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी बताकर घर में बैठने के बारे में सोच ही रहे थे कि गुंडे ने कहा – नमस्ते सब इंस्पेक्टर साहब! आपका नाम रामलाल, उम्र चौवालीस साल, रंग सांवला, कद 6 फुट 3 इंच, अब तक चार बार ट्रांसफर हो चुका है और यहाँ जियो टैगिंग करने के लिए आए हैं। सब इंस्पेक्टर का मुँह खुला का खुला रह गया। वह कुछ पूछता कि गुंडा बोल उठा – आपने जैसे ही घर की घंटी बजाई, वहाँ लगा फेस डिटेक्टर विथ एडवांस टेक्नॉलॉजी ने आपका सारा चिट्ठा मुझे बता दिया। जहाँ तक जियो टैगिंग का सवाल है, तो आपको बता दूँ कि टैग उन्हें किया जाता है जो एक जगह टिकते हैं। हम तो आँख़ों में खटकते हैं। इसीलिए भटकते हैं। वैसे हमने सभी पुलिस थानों, चौराहों पर लगे सिग्नलों और सीसीटीवी कैमरा लगे स्थलों की जियो टैगिंग कर ली है। हमें पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी है। वह क्या है न कि हम चोर-उचक्कों में एकता कूट-कूट कर भरी होती है। एक ईमानदार दूसरे ईमानदार को बचाए न बचाए लेकिन एक बेईमान दूसरे बेईमान को जरूर बचा लेता है।

शिक्षा से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना

प्रो. महेश चंद गुप्ता

केन्द्र सरकार वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में देखना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में एक कार्यशाला के दौरान देश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया। इसमें मोदी ने प्रत्येक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और युवाओं की ऊर्जा को 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगाने पर बल दिया है। मोदी ने विकसित भारत के सपने के साथ विश्वविद्यालयों को क्यों जोड़ा है, इस पर हमें व्यापक चिंतन करने की जरूरत है। मैं 44 साल तक दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहा हूं। एक शिक्षक के रूप में लंबे अनुभव की बदौलत मेरी दृढ़ मान्यता है कि शिक्षा और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा की सीढ़ी पर चढक़र ही विकास की प्रत्येक मंजिल पर पहुंचा जा सकता है। यदि हम आजादी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में देखना चाहते हैं तो यह सपना शिक्षा की बदौलत ही साकार रूप ले सकता है लेकिन यह इतना सरल और सहज नहीं है। इसके लिए देश के विश्वविद्यालयों के लिए जमकर काम करना होगा। मोदी चाहते हैं कि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की ऊर्जा को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में लगाया जाए। उनकी यह सोच दूरगामी है लेकिन इससे पहले विश्वविद्यालयों को ऊर्जावान बनाना होगा। अभी देश के विश्वविद्यालयों की जो हालत है, वह बेहद चिंताजनक है। हमारे देश में प्राइवेट विश्वविद्यालय निरंतर विस्तार कर रहे हैं, पैसा कमा रहे हैं लेकिन इसके विपरीत यूजीसी की फंडिंग वाले विश्वविद्यालय पिछड़ रहे हैं। हमारे ज्यादातर विश्वविद्यालयों का बुनियादी ढांचा मजबूत नहीं है। उनमें विश्व स्तरीय स्मार्ट क्लास रूम का अभाव है। अच्छे ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, एकेडमिक ब्लॉक्स और बेहतरीन लैब की कमी खलती है। जो भारत प्राचीन काल में समूचे विश्व में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था, जिस भारत में उच्च शिक्षा के दुनिया के पहले विश्वविद्यालयों में शामिल सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, उस भारत में विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति विचारणीय है। इस वजह से देश में उच्च शिक्षा गुणवत्ता के लिहाज से पिछड़ रही है। धनवान लोगों के बच्चे तो उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले जाते हैं और वहीं कॅरियर बनाकर बस भी जाते हैं। आम लोगों के बच्चे प्राइवेट विश्वविद्यालयों में शोषण झेल रहे हैं। यूजीसी फंडिंग वाले विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधारी जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। ऐसा तभी संभव है, जब हम हमारे विश्वविद्यालयों को वल्ड रैंकिंग में लाएंगे। उन्हें बड़ा ब्रांड बनाने की दिशा में काम करेंगे। आज पूरी दुनिया में ब्रांड-रैंकिंग की वेल्यू है। हार्वर्ड, केम्ब्रिज, ऑक्सफोर्ड जैसे संस्थानों में पढ़े युवाओं को बड़े-बड़े पद तुरंत मिल जाते हैं। यह सब उनकी ब्रांड-रैंकिंग वेल्यू का ही कमाल है। यह कमाल भारत के विश्वविद्यालय भी कर सकते हैं लेकिन अफसोस है देश की आजादी के बाद इस दिशा में सात दशकों तक सोचा ही नहीं गया। हमारे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय भी पिछले सात दशकों में पिछड़ते ही चले गए हैं। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की गिनती विश्व की तीसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली के रूप में होती है। हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली यूएसए व चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। हमारे यहां एक हजार से अधिक विश्वविद्यालय और विवि स्तर के संस्थान हैं, इनसे 37 हजार से ज्यादा कॉलेज सम्बद्ध हैं लेकिन इसके बावजूद स्थिति यह है कि चीन के बाद भारत ऐसा वह देश है, जहां से प्रति वर्ष सबसे अधिक बच्चे पढने के लिए विदेश जा रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने इस साल लोकसभा में बताया है कि 2017 से 2022 के दौरान 30 लाख से अधिक भारतीय उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। सवाल उठता है कि आखिर क्यों हमारे बच्चे पढने के लिए विदेश की ओर दौड़ लगा रहे हैं? क्यों हम उन्हें देश में ही विश्व स्तरीय शिक्षा मुहैया नहीं करा पा रहे हैं?

और क्यों विदेशों के बच्चे हमारे देश में आकर पढने में रुचि नहीं ले रहे हैं? इसकी प्रमुख वजह हमारा वल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में पिछडना है। एक ओर जहां विभिन्न देशों के विवि टॉप 100 में हैं, वहीं हमारी यूनिवर्सिटी की गिनती टॉप 500 में भी नहीं होती है। उदाहरण के रूप में, टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) की ओर से जारी वल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 को देखा जा सकता है। इसमें 108 देशों और रीजन की 1904 यूनिवर्सिटी शामिल हैं। दुनिया में टॉप वन यूनिवर्सिटी में पहले नंबर पर लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी है। दूसरे नंबर पर यूनाइटेड स्टेट की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और तीसरे नंबर पर यूनाइटेड किंडगम की यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज का नाम शामिल है।

पौष में सूर्य पूजा करने से उम्र बढ़ती है

27 दिसंबर से पौष महीना शुरू होने वाला है। जो 25 जनवरी तक रहेगा। ये हिंदू पंचांग का दसवां महीना है। इस महीने सूर्य देव को पूजने की परंपरा है। पौष मास में सूर्य को दिया अर्घ्य पुण्यदायी माना जाता है।

पुराणों का कहना है कि पौष में सूर्य पूजा करने से उम्र बढ़ती है। हर महीने सूर्य अलग रूप की पूजा करने का विधान है, इसलिए पौष मास में भग नाम के सूर्य की उपासना की जाती है।

वेद और उपनिषद में सूर्य

अथर्ववेद और सूर्योपनिषद के अनुसार सूर्य परब्रह्म है। ग्रंथों में बताया गया है कि पौष मास में भगवान भास्कर ग्यारह हजार किरणों के साथ तपकर सर्दी से राहत देते हैं। इनका रंग खून के जैसा लाल है।

शास्त्रों में ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्री, ज्ञान और वैराग्य को ही भग कहा गया है और इन सबके कारण इन्हें भगवान माना जाता है। ये ही वजह है कि पौष मास का भग नाम के सूर्य को साक्षात परब्रह्म का ही रूप माना गया है। पौष महीने में सूर्य को अर्घ्य देने और उनके लिए व्रत करने का भी महत्व धर्म शास्त्रों में बताया है।

ग्रंथों के मुताबिक क्या करें

आदित्य पुराण के अनुसार, पौष माह के हर रविवार को तांबे के बर्तन में शुद्ध जल, लाल चंदन और लाल रंग के फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए तथा विष्णवे नमः मंत्र का जाप करना चाहिए।

इसके साथ ही दिनभर व्रत रखना चाहिए और खाने में नमक का उपयोग नहीं करना चाहिए। संभव हो तो सिर्फ फलाहार ही करें। रविवार को व्रत रखकर सूर्य को तिल-चावल की खिचड़ी का भोग लगाने से मनुष्य तेजस्वी बनता है। पुराणों के अनुसार पौष माह में किए गए तीर्थ स्नान और दान से उम्र लंबी होती है और बीमारियां दूर हो जाती हैं।

पैर छूकर प्रणाम करने से मिलती है असीम ऊर्जा

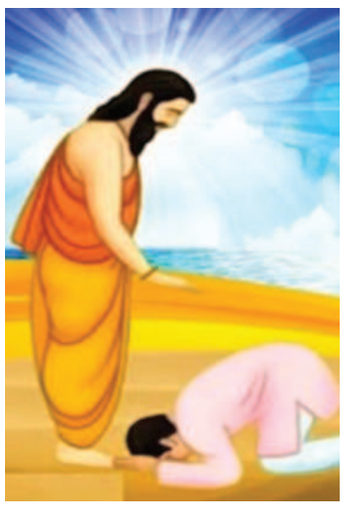

धर्म, संस्कृति, आध्यात्मिक मान्यताओं एवं परम्पराओं के पीछे वैज्ञानिक प्रमाण छुपे हैं।पुराने जमाने में लोग इन परंपराओं के वैज्ञानिक आधार को भली-भांति जानते-समझते थे, अतः इनका अनुसरण कर वेदीघ्न जीवन, समृद्धि एवं खुशहाली प्राप्त करते थे। संत-महात्मा एवं गुरुजनों के शिष्य न केवल उनके पैर छूके, दंडवत आदि करके प्रणाम करते थे बल्कि उनके पैरों को धोकरचरणामृत लेते थे। भारतीय संस्कृतिमेंसिद्ध योगियों के चरणों की रज एवं चरणामृत को महत्वपूर्ण माना है।

वर्तमान समय में लोग दूर से ही नमस्कार करते हैं, बड़े-बुजुर्गों का पैर छूकर आर्शीवाद लेने में अधिकांश व्यक्ति कतराते हैं। जब कोई व्यक्ति किसी का पैर छूता है, तो उसके शरीर से स्रावित हो रही ऊर्जा को वह ग्रहण कर लेता है जिससे पैर छूने वाले का कल्याण स्वतः हो जाता है चाहे सामने वाला व्यक्ति मन में कैसी भी भावना रखे। इसी प्रकार अगर आर्शीवाद देने वाला व्यक्ति पैर छूने वाले के सिर पर हाथ रख दे, तो ऊर्जा का प्रवाह और तीव्रता से पैर छूने वाले के शरीर में प्रवेश कर उसका कल्याण करता है।

पांव के अंगूठे से जो ऊर्जा निकलती है वह सीधे मस्तिष्क को स्पर्श करते हुए कल्याण करती है।साष्टांगदण्डवत करने से आज्ञा चक्र, मणिपुर चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र सक्रिय होते हैं। सद्विचार रखकर चरण स्पर्श करने से हमारे सद्विचार उर्जा में बदलकर अपनी हथेलियों द्वारा शरीर के सहस्त्रार चक्र तक पहुंचते हैं। यह ऊर्जा आज्ञा चक्र से होते हुए पूरे शरीर में फैल जाती है जिससे प्राण शक्ति की वृद्धि एवं चित्त एकाग्र होता है। चरण स्पर्शकरने पर मनो वैज्ञानिक रूप से हमारे अंदर के अहंकार का पतन हो जाता हैऔर जिस व्यक्ति का पैर स्पर्श करते हैं, उसी पुरुष की तपस्या का अंश हमारे अंदर आने लगता है।

पूर्ण आशीर्वाद द्वारा जीवन में सुख-शांति प्राप्त करने के लिए हृदय रूपीबर्तनकोपूरीतरह से खाली करना पड़ता है, हृदय में श्रद्धा-विश्वास की जगह बनानी पड़तीहै।आधा झुकने पर आधा ही लाभ प्राप्त होता हैअतः आशीर्वादपूर्ण रूप से ग्रहण करने के लिए साष्टांग प्रणाम अवश्य करना चाहिए। इसी प्रकार जब हम हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं, तोहमारीहथेली के नाड़ी मंडल एवं अंगुलियों के छोर पर उठने वाली तरंगें तुरन्त दिमाग परअसर करती हैंऔर शरीर के अन्दर की ग्रंथियों तक पहुंचती हैं जिसके कारण मन शांत होता हैऔर सद्विचार आने लगते हैं।बड़ों का सम्मानआयु, यश, बल औरज्ञान के रूप में सुख और लाभ देता है।

चरण स्पर्श से आशीर्वाद प्राप्ति के साथ शारीरिक कसरत भी हो जाती है, भारतीय संस्कृति में मुख्यतः तीन तरह से विद्वानों के पैर छूने की परम्परा है। पहला झुककर, दूसरा घुटने के बल बैठकर तथा तीसरा साष्टांगप्रणाम। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार झुककर पैर छूने से कमर और रीढ़ की हड्डी को आराम मिलता है। घुटने के बल बैठकर किसी के पैर छूने से पैर के सारे जोड़ मुड़ जातेहैं, जिससे जोड़ो में होने वाले स्ट्रेस से राहत मिलती है। इसकेअतिरिक्त साष्टां गप्रणामक रने से सारे जोड़ थोड़ी देर के लिए तनजाते हैं, इससे भी स्ट्रेस दूर होताहै। इतना की नहीं झुकने से सिर में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जो स्वास्थ्य और आंखों के लिए लाभप्रद होता है।

धर्म की दुनिया में प्रेम अयोग्यता है

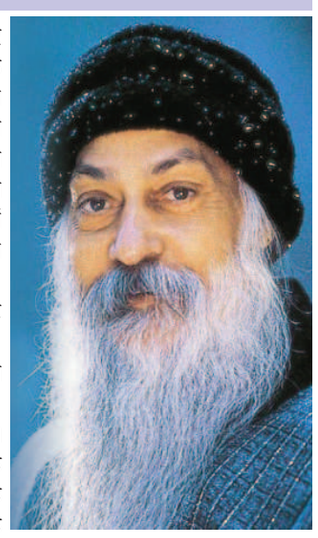

रामानुज एक गांव में ठहरे थे और एक आदमी ने आकर कहा कि मुझे परमात्मा को पाना है। तो उन्होंने कहा कि तूने कभी किसी को प्रेम किया है? उस आदमी ने कहा, इस झंझट में मैं कभी पड़ा ही नहीं। प्रेम वगैरह की झंझट में नहीं पड़ा। मुझे तो परमात्मा को खोजना है।

रामानुज ने कहा, तूने कभी झंझट ही नहीं की प्रेम की?

उसने कहा, मैं बिल्कुल सच कहता हूं आपसे।

और बेचारा ठीक ही कह रहा था। क्योंकि धर्म की दुनिया में प्रेम एक डिस-क्वालिफिकेशन है, एक अयोग्यता है। तो उसने सोचा कि अगर मैं कहूं किसी को प्रेम किया है, तो वे कहेंगे, अभी प्रेम-व्रेम छोड़, यह राग-वाग छोड़, पहले इन सबको छोड़ कर आ, तब इधर आना। तो उस बेचारे ने किया भी हो तो वह कहता गया कि मैंने नहीं किया है, नहीं किया है। ऐसा कौन आदमी होगा जिसने थोड़ा-बहुत प्रेम नहीं किया हो?

रामानुज ने तीसरी बार पूछा कि तू कुछ तो बता, थोड़ा-बहुत भी कभी भी किसी को?

उसने कहा, माफ करिए, आप क्यों बार-बार वही बात पूछे चले जा रहे हैं? मैंने प्रेम की तरफ आंख उठा कर नहीं देखा। मुझे तो परमात्मा को खोजना है।

तो रामानुज ने कहा, मुझे क्षमा कर, तू कहीं और खोज। क्योंकि मेरा अनुभव यह है कि अगर तूने किसी को प्रेम किया हो तो उस प्रेम को फिर इतना बड़ा जरूर किया जा सकता है कि वह परमात्मा तक पहुंच जाए। लेकिन अगर तूने प्रेम ही नहीं किया है तो तेरे पास कुछ है ही नहीं जिसको बड़ा किया जा सके। बीज ही नहीं है तेरे पास जो वृक्ष बन सके। तो तू जा, कहीं और पूछ।और जब पति और पत्नी में प्रेम न हो, जिस पत्नी ने अपने पति को प्रेम न किया हो और जिस पति ने अपनी पत्नी को प्रेम न किया हो, वे बेटों को, बच्चों को प्रेम कर सकते हैं, तो आप गलती में हैं। पत्नी उसी मात्रा में बेटे को प्रेम करेगी जिस मात्रा में उसने अपने पति को प्रेम किया है। क्योंकि यह बेटा पति का ही फल है; उसका ही प्रतिफलन है, उसका ही रिफ्लेक्शन है। यह इस बेटे के प्रति जो प्रेम होने वाला है, वह उतना ही होगा, जितना उसने पति को चाहा और प्रेम किया हो। यह पति की ही मूर्ति है जो फिर नई होकर वापस लौट आई है। अगर पति के प्रति प्रेम नहीं है, तो बेटे के प्रति प्रेम सच्चा कभी भी नहीं हो सकता। और अगर बेटे को प्रेम नहीं किया गया।।पालना, पोसना और बड़ा कर देना प्रेम नहीं है।।तो बेटा मां को कैसे प्रेम कर सकता है? बाप को कैसे प्रेम कर सकता है? वह जो यूनिट है जीवन का, परिवार, वह विषाक्त हो गया है।।सेक्स को दूषित कहने से, कंडेम करने से, निंदित करने से। और परिवार ही फैल कर पूरा जगत है, पूरा विश्व है। और फिर हम कहते हैं कि प्रेम! प्रेम बिल्कुल दिखाई नहीं पड़ता! प्रेम कैसे दिखाई पड़ेगा? हालांकि हर आदमी कहता है कि मैं प्रेम करता हूं। मां कहती है, पत्नी कहती है, बाप कहता है, भाई कहता है, बहन कहती है, मित्र कहते हैं कि हम प्रेम करते हैं। सारी दुनिया में हर आदमी कहता है कि हम प्रेम करते हैं। और दुनिया में इकट्ठा देखो तो प्रेम कहीं दिखाई ही नहीं पड़ता! इतने लोग अगर प्रेम करते हैं तो दुनिया में तो प्रेम की वर्षा हो जानी चाहिए थी; प्रेम के फूल ही फूल खिल जाने चाहिए थे; प्रेम के दीये ही दीये जल जाते, घर-घर प्रेम का दीया होता, तो दुनिया में इकट्ठी इतनी रोशनी होती प्रेम की। लेकिन वहां तो घृणा की रोशनी दिखाई पड़ती है, क्रोध की रोशनी दिखाई पड़ती है, युद्धों की रोशनी दिखाई पड़ती है। प्रेम का तो कोई पता नहीं चलता। झूठी है यह बात! **(क्रमशः)**

इस मंदिर में शादी का कार्ड भेजने के बाद ही शुरू होते हैं शगुन के काम

अगर आप इस टाइटल को पढ़ यह सोच रहे है कि यह मंदिर मुंबई का सिद्धिविनायक मंदिर होगा तो ऐसा नहीं है। हर शुभ काम शुरू करने से पहले भगवान गणेश को याद किया जाता है। मुंबई का सिद्धिविनायक मंदिर भगवान गणेश के मशहूर मंदिरों में से एक है, पर इसके अलावा एक मंदिर ऐसा भी है जहां कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले भगवान गणेश को चिट्ठी भेजी जाती है। कुछ लोग इस मंदिर में अपनी शादी का कार्ड भेजने के बाद ही शगुन के बाकी काम शुरू करते हैं। चलिए हम आपको बताते हैं कि कौन सा है वो मंदिर जहां भगवान गणेश को भेजे जाते हैं शादी के कार्ड और चिट्ठी।

इंडिया एक ऐसा देश है जहां जगह-जगह पर आस्था और विश्वास के उदहारण देखने को मिलते हैं। आजकल जहां लोग इंटरनेट, ई-मेल और फोन का इस्तेमाल करते हैं, वहीं दूसरी तरफ एक ऐसी भी जगह है जहां आज भी लाखों लोग चिट्ठियां और कार्ड भेजते हैं। हैरानी की बात यह है कि ये चिट्ठियां किसी इंसान को नहीं बल्कि भगवान गणेश को भेजी जाती हैं।

रणथंभौर के किले में बना हुआ है गणेश मंदिर

राजस्थान के रणथंभौर के किले में एक गणेश मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में लोग चिट्ठियां भेजकर भगवान गणेश को याद करते हैं। ऐसा नहीं है कि केवल राजस्थान के लोग ही यहां चिट्ठियां और शादी के कार्ड भिजवाते हैं बल्कि कई मीलों दूर से भी लोग गणपति को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजते हैं। इस मंदिर में गणपति को हर शुभ काम से पहले चिट्ठी भेजकर निमंत्रण दिया जाता है। यह मंदिर 10 वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। ऐसा कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा हमीर के सपने में भगवान गणेश आए थे और उन्हें आशीर्वाद दिया था जिसके बाद एक युद्ध में राजा की विजय हुई थी उसी के बाद राजा ने इस मंदिर को बनवाया था।

इस मंदिर की मूर्ति है कुछ अलग

इस मंदिर की की गणपति की मूर्तियों से अलग है। इस मंदिर की मूर्ति में भगवान गणेश की तीन आंखें हैं। भगवान गणेश अपनी पत्नी रिद्धि, सिद्धि और अपने पुत्र शुभ-लाभ के साथ विराजमान हैं। गणनायक का वाहन चूहा भी साथ में है। इस मंदिर में गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई जाती है।

इस पते पर भेजी जाती है चिट्ठियां

कई लोग अपने घर में होने वाले हर मंगल कार्य का पहला कार्ड इस मंदिर में गणपति को भेजते हैं। शादी के कार्ड और चिट्ठियों पर पता लिखा जाता है 'श्री गणेश जी, रणथंभौर का किला, जिला- सवाई माधौपुर, राजस्थान'। डाकिया भी इन चिट्ठियों को पूरी श्रद्धा से मंदिर में पहुंचा देता है और फिर इसके बाद पुजारी चिट्ठियों और शादी के काड्र्स को भगवान गणेश के सामने पढ़कर उनके चरणों में रख देते हैं। ऐसी मान्याता है कि इस मंदिर में भगवान गणेश को निमंत्रण भेजने से सारे काम सुख-शांति के साथ पूरे हो जाते हैं।

4 महीने नदी में डूबा रहता है यह मंदिर

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं जो आश्चर्य से भरे पड़े हैं। कई मंदिरों के रहस्य तो आज तक विज्ञान भी नहीं जान सका। ऐसा ही एक मंदिर जबलपुर में भी है, जो चार महीने पानी में डूबा रहता है। आश्चर्य तो ये है कि इसके बावजूद मंदिर को कोई नुकसान नहीं होता। बताया जाता है कि यह मंदिर करबी डेढ़ हजार साल पुराना है।

आपने भोलेनाथ के द्वादश ज्योतिर्लिंगों के बारे में तो सुना ही होगा, जहां पर भोलेनाथ प्रत्यक्ष तौर पर प्रकट हुए थे। आज हम आपको जबलपुर संस्कारधानी के ऐसे ही एक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो लगभग 1.5 हजार साल पुराना बताया जाता है। इसके बारे में काफी कम लोगों को जानकारी है। जबलपुर के खारी घाट में मां नर्मदा के किनारे स्थित पंचाक्षर भोलेनाथ का मंदिर अद्भुत है।

कहीं से देखो दिखेंगे भोलेनाथ!

पुजारी मनीष दुबे ने बताया की इस मंदिर की देखभाल करते हुए वह अपने परिवार की आठवीं पीढ़ी हैं और सैकड़ों वर्षों से उनका परिवार यहां की देखभाल कर रहा है। आगे बताया कि मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थर आज के जमाने में कहीं और देखने को नहीं मिलते। खास बात यह है कि इस मंदिर को चारों दिशाओं से देखने पर आपको हर दिशा से भोलेनाथ के दर्शन होते हैं। मंदिर में भोलेनाथ का प्राचीन शिवलिंग है। साथ-साथ उनका पूरा परिवार विराजित है, जिसमें कार्तिकेय जी, गणेश भगवान, मां भगवती और भोलेनाथ के वाहन नंदी स्थापित हैं। यह सभी प्रतिमाएं लगभग 1.5 हजार वर्ष पुरानी हैं।

साल में 4 महीने पानी में डूबा रहता है मंदिर

मनीष दुबे ने बताया कि साल के 4 महीने मां नर्मदा के किनारे स्थित यह मंदिर पानी के अंदर ही डूबा रहता है। बारिश के दिनों में मां नर्मदा स्वयं भोलेनाथ का यहां अभिषेक करती हैं।

साथ ही मां नर्मदा के किनारे स्थित भोलेनाथ के शिवलिंग का विशेष महत्व है। जो भक्ति पूरी श्रद्धा के साथ मां नर्मदा में स्नान करने के पश्चात नर्मदा जल से भोलेनाथ का अभिषेक करता है, उसकी समस्याएं दूर होती हैं।

जबलपुर का प्राचीन घाट

जबलपुर संस्कारधानी के इस घाट पर खारी विसर्जित की जाती है, इसलिए इसे खारी घाट बोला जाता है। यह जबलपुर के सबसे प्राचीन घाटों में से एक है। यहीं पर स्थित है भोलेनाथ का यह प्राचीन मंदिर।

अद्भुत है नटवरजी का मंदिर, सवाई जय सिंह की बहन ने बनवाया था

जयपुर की कनक घाटी में एक सुंदर मंदिर स्थित है। लोग इसे नटवरजी के मंदिर के नाम से जानते हैं। इस मंदिर का निर्माण महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय की बहन अमर कंवर ने 1707 ई। में करवाया था। इसे जयपुर का दूसरा गोविंद देव जी मंदिर भी कहा जाता हैं। मंदिर की स्थापत्य कला देखने लायक है। जयपुर के आमेर में स्थित कनक घाटी में 1707 में बना भगवान श्रीकृष्ण का नटवर लाल मंदिर है। इसका निर्माण महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय की बहन अमर कंवर ने करवाया था। यह जयपुर के प्राचीन मंदिरों में से एक है। प्राकृतिक सुंदरता की गोद में बने इस मंदिर में दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

कनक बाग के पास बने नटवर जी के मंदिर के अंदर आमेर के शीश महल की तरह अद्भुत नक्काशी है। इस मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के साथ राधा जी विराजमान हैं। नटवर जी मंदिर का गर्भगृह बेहद खूबसूरत है। पुराने समय में मंदिर के स्थान पर सिर्फ घना जंगल था लेकिन बाद में कनक बाग का निर्माण करवाया गया और साथ में मंदिर भी स्थापित किया गया।

नटवर जी के इस मंदिर में पहले जयपुर के भगवान गोविंद देव मंदिर की मूर्ति स्थापित की गयी थी। इसलिए इस मंदिर को जयपुर का दूसरा गोविंद देव मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर के चारों तरफ सुंदर पहाड़ी और जंगल हैं। इसलिए इस मंदिर की सुंदरता ओर बढ़ जाती है।

यहां आने वाले पर्यटकों और भक्तों के लिए मंदिर के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करने पर सख्त पाबंदी है। मंदिर के बाहर फोटोग्राफी कर सकते हैं। मंदिर सुबह और शाम में ही खुलता है। दिन में मंदिर को बंद रखा जाता हैं।

आमेर की कनक घाटी में नटवर जी मंदिर के अलावा राधा माधव जी का भी मंदिर भी है। इन तीनों स्थानों को कनक बाग के नाम से जाना जाता है। मंदिर में लोगों की एंट्री पर किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं है लेकिन कनक बाग के लिए 25 रुपए का टिकट है।

शिवांगी और कुशाल के शो 'बरसातें- मौसम प्यार का' पर लगेगा ताला? सोशल मीडिया पर मचा हड़कंप

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। जहां एक तरफ शिवांगी जोशी टीवी शो 'बरसातें मौसम प्यार का ' में नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ शिवांगी का नाम उनके को स्टार कुशाल टंडन के साथ जुड़ रहा है। बता दें कि टीवी शो बरसातें में शिवांगी और कुशाल दिखाई दे रहे हैं। इस बीच शिवांगी जोशी के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो उनके शो 'बरसातें- मौसम प्यार का ' पर जल्द ही ताला लग सकता है।

'बरसातें- मौसम प्यार का ' जल्द होगा ऑफ एयर

एंटरटेनमेंट जगत में धमाल मचाने वाली अदाकारा शिवांगी जोशी के फैंस को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये दावा किया गया है कि 'बरसातें- मौसम प्यार का ' जल्द ही ऑफ एयर होने वाला है। हालांकि मेकर्स ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। मालूम हो कि इसी साल 'बरसातें- मौसम प्यार का ' ने टीवी पर दस्तक दिया है। इसमें शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की जोड़ी दिखाई दे रही है। इस शो को ठीक-ठाक टीआरपी भी मिल रही है। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर हलचल बढ़ गई है। जहां कई लोग इस रिपोर्ट को फेक बता रहे हैं तो वहीं कई लोग इस न्यूज से दुखी हो गए हैं।

इस शो से मिली थी शिवांगी जोशी को पहचान

बताते चलें कि शिवांगी जोशी ने टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता' में नायरा का किरदार निभाया था। इस शो से ही शिवांगी जोशी को असल पहचान मिली थी। शिवांगी जोशी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

मिस्ट्री गर्ल संग एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए इब्राहिम अली खान, लोगों ने पूछा- 'पलक तिवारी को भूल गए क्या?'

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान फिल्म में डेब्यू करने से पहले अफेयर की खबरों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इब्राहिम अली खान का नाम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी से जोड़ा जाता रहा है। पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान अक्सर साथ में पार्टी में भी स्पॉट हुए हैं। लेकिन अब इन सब के बीच इब्राहिम अली खान का नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में इब्राहिम अली खान एक मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखाई दे रहे हैं। जिसको लेकर इब्राहिम अली खान सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गए हैं। इब्राहिम अली खान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है।

मिस्ट्री गर्ल संग दिखे इब्राहिम अली खान

इब्राहिम अली खान अपने एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। इब्राहिम अली खान का ये वीडियो उस दौरान का है, जब वो एयरपोर्ट पर एंट्री कर रहे थे। इस दौरान इब्राहिम अली खान के साथ मिस्ट्री गर्ल दिखाई दीं। इब्राहिम अली खान संग नजर आ रही है मिस्ट्री गर्ल पैप्स को देखते ही तेजी से एयरपोर्ट के अंदर जाने लगी। इस वीडियो के समने आने के बाद इब्राहिम अली खान की लव लाइफ फिर चर्चा में आ गई। आपको बता दें कि इब्राहिम अली खान का एक्ट्रेस पलक तिवारी के साथ भी जुड़ चुका है। लेकिन इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी ने इसको लेकर कभी खुलकर बात नहीं की। तो चलिए अब बिना देर किए देखते है इब्राहिम अली खान और मिस्ट्री गर्ल का ये वायरल वीडियो।

यूजर्स ने पूछा पलक को भूल गए क्या?

इब्राहिम अली खान के इस वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'पलक तिवारी का मोए मोए'। दूसरे यूजर ने मिस्ट्री गर्ल को मनारा की छोटी बहन बता डाला। इसके अलवा कई यूजर्स ने इब्राहिम अली खान से सवाल कर पूछा कि पलक तिवारी को भूल गए क्या? इब्राहिम अली खान और मिस्ट्री गर्ल के वीडियो को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

फैन को इग्नोर कर आगे बढ़े विजय वर्मा-तमन्ना भाटिया, लोगों ने कहा- 'अब इनमें भी घमंड आ गया'

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा अपने अफेयर को लेकर बी-टाउन में चर्चा में बने हुए हैं। अफेयर की खबरों के बाद से कपल को कई इवेंट में साथ देखा गया है। अभी हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की शादी को लेकर भी दावे किए जा रहे थे, लेकिन अभी तक इसको लेकर कोई खास अपडेट नहीं आया है। लेकिन इस सब के बीच तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो को लेकर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। तो चलिए जानते हैं इसके पीछे की वजह क्या है।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का अभी हाल ही में एयरपोर्ट से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा साथ में नजर आ रहे हैं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा अपने इस वायरल वीडियो को लेकर खूब ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल मामला ये है कि जब तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एयरपोर्ट से निकलते हुए नजर आ रहे थे, एक फैन उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था, लेकिन कपल ने फैन को इग्नोर कर दिया। जिसके बाद तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। तो वहीं तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के फैंस उनका सपोर्ट करते हुए दिखाई दिए।

तमन्ना भाटिया-विजय वर्मा के वीडियो पर लोगों ने किए ये कमेंट्स

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लोग उन्हें घमंडी बता रहे हैं। तो वहीं फैंस कपल का बचाव करते हुए नजर आए। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के इस वीडियो को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा संग शादी के बाद पहला न्यू ईयर सेलिब्रेट करने निकलीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड स्टार्स अपनी फिल्मों के साथ-साथ पार्टी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहते हैं। जैसे-जैसे नया साल करीब आ रहा है, बॉलीवुड स्टार्स पार्टी के लिए अलग-अलग जगह पहुंच रहे हैं। कोई लंदन जा रहा है, तो कोई अपने ही देश में इस जश्न का मनाने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का भी एयरपोर्ट से वीडियो सामने आया है। माना जा रहा है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी न्यू ईयर सिलेब्रेशन के लिए मुंबई से रवाना हो रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही छा गया है। आपको बता दें कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का शादी के बाद ये पहला न्यू ईयर होने वाला है। तो चलिए देखते है सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के वीडियो में क्या खास है।

घूमने निकले सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का अभी हाल ही में एयरपोर्ट से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी बेहद कूल अंदाज में दिखाई दिए। माना जा रहा है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी शादी के बाद अपना पहला न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए कही जा रहा हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। सिद्धार्थ मल्होत्रा इस दौरान काफी अलग अंदाज में दिखे और तो वहीं कियारा आडवाणी की ड्रेस लोगों के ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। लोगों को कियारा आडवाणी साइड पर्स भी काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो के दौरान सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी पैप्स को एयरपोर्ट पर जमकर पोज देते हुए नजर आए।

केआरके को एयरपोर्ट से मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार, कहा- 'अगर मैं मर जाऊं तो आपको पता होना चाहिए ये मर्डर है'

बॉलीवुड एक्टर और खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल राशिद खान ऊर्फ केआरके अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। केआरके आए दिन अपने ट्विटर हैंडल से विवादित ट्वीट करते रहते हैं और इसको लेकर उन्हें कई बार मुसीबत का सामना करना पड़ा है। हालांकि, केआरके के बयानों का सिलसिला नहीं रूका। अब केआरके को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। दरअसल, केआरके को मुंबई पुलिस ने एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। केआरके ने इस बात की जानकारी खुद अपने ट्विटर हैंडल पर दी है। आइए जानते हैं कि केआरके अपने ट्वीट में क्या लिखा है, मैं 1 साल से मुंबई में हूं और डेट पर रेगुलर कोर्ट जाता हूं। आज मैं नए साल के लिए दुबई जा रहा था लेकिन मुंबई पुलिस ने मुझे एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मैं 2016 के केस में वॉन्टेड हूं। सलमान खान कह रहे हैं कि फिल्म टाइगर 3 मेरी वजर से फ्लॉप हुई है। अगर किसी परिस्थिति में मैं पुलिस स्टेशन या जेल में मर जाऊं तो आपको पता होना चाहिए ये मर्डर है। सभी जानते हैं कि कौन जिम्मेदार हैं। केआरके ने अपने इस ट्वीट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और न्यूज चैनल्स को टैग किया है।

कमाल आर खान ने किया ट्वीट

कमाल राशिद खान ऊर्फ केआरके अक्सर अपने ट्वीट से अपने ट्वीट से ध्यान खींचते हैं। केआरके का लेटेस्ट ट्वीट सुर्खियों में आ गया है। केआरके ने ट्वीट

श्रुति हासन ने की सीक्रेट शादी! ओरी ने बॉयफ्रेंड को बताया श्रुति का हसबैंड

इन दिनों फिल्म सालार में नजर आ रहीं एंक्ट्रेस श्रुति हासन पिछले कई सालों से शांतनु हजारिका को डेट कर रही हैं। अब खबरें हैं कि 37 साल की श्रुति ने बॉयफ्रेंड शांतनु से सीक्रेट शादी कर ली है। शादी का हिंट पैपराजी के फेवरेट ओरी ने सोशल मीडिया के जरिए दिया है। सोशल मीडिया पर सवाल-जवाब के बीच ओरी ने

शांतनु को श्रुति का पति बताया है। हाल ही में ओरी उर्फ ओरहान अवत्रमणि ने इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनिथिंग सेशन रखा था। इस दौरान एक फैन ने उनसे पूछा, क्या कोई ऐसा सेलिब्रिटी है, जिसने आपके साथ फोटो क्लिक करवाने से मना किया हो और जबरदस्ती एटीट्यूड दिखाया हो। अगर आप नाम नहीं ले सकते तो हिंट दे दीजिए।

इसके जवाब में ओरी ने श्रुति हासन का नाम लिया। उन्होंने कहा, मैंने कभी उसके साथ फोटो क्लिक करवाने को नहीं कहा, हम एक इवेंट में मिले थे, जहां वो मेरे साथ बहुत रूड बिहेव कर रही थी। मैं उसे जानता भी नहीं हूं। मुझे बहुत बुरा लगा था। मुझे लगता है शायद कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हुई होगी क्योंकि मैं उसके हसबैंड को अच्छी तरह जानता हूं और उसे पसंद करता हूं। हमारी गलतफहमी तो तुरंत दूर हो गई थी, लेकिन फिर मुझे पता चला कि उसने मुझे प्यून या स्पॉटबॉय कहा है।

श्रुति हासन के बॉयफ्रेंड शांतनु एक आर्टिस्ट हैं। दोनों करीब 3 सालों से रिलेशनशिप में हैं। कुछ समय पहले ही श्रुति ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान बॉयफ्रेंड और शादी पर बात की थी। उन्होंने कहा था, शांतनु मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। वह बेहद प्रतिभाशाली कलाकार है। कला, संगीत और सिनेमा जैसे कई पहलुओं में हमारी सोच मेल खाती हैं। ऐसे में मुझे उसके साथ समय बिताना अच्छा लगता है। मेरे मन में भी उनके प्रति बहुत सम्मान है। हालांकि शादी को लेकर यहीं कहूंगी कि फिलहाल मेरी ऐसी कोई प्लानिंग नहीं है। श्रुति हासन इन दिनों प्रभास के साथ फिल्म सालार पार्ट-1: सीजफायर में नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस द आई और डकैत में नजर आएंगी। दोनों ही फिल्में 2024 में रिलीज होंगी।

प्रभास की वजह से नहीं हो पाई अनुष्का की शादी, आज तक बैठी हैं कुंवारी

साउथ सुपरस्टार प्रभास टॉलीवुड के सबसे चर्चित फिल्म स्टार है। सुपरस्टार प्रभास इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर है। 44 साल के हो चुके फिल्म स्टार ने आज तक शादी नहीं की है। वो अपनी ब्लॉकबस्टर मूवी 'बाहुबली 2' के बाद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज मूवी 'सालार' को लेकर चर्चाओं में है। सुपरस्टार प्रभास के इश्क के चर्चे तो कई अभिनेत्रियों से रहे मगर शादी के मंडप तक अभी तक वो नहीं पहुंच सके। इतना ही नहीं, उनकी वजह से टॉलीवुड इंडस्ट्री की एक बड़ी स्टार भी ऐसी हो अभी तक शादी नहीं कर पाई है। हम यहां बात कर रहे हैं बाहुबली स्टार अनुष्का शेट्टी की।

दरअसल, ये बात उस वक्त की है जब सुपरस्टार प्रभास और अदाकारा अनुष्का शेट्टी अपनी ब्लॉकबस्टर मूवी बाहुबली की शूटिंग में बिजी थे। अनुष्का शेट्टी की शादी करीब-करीब तय हो चुकी थी। मगर उस वक्त सुपरस्टार प्रभास ने अदाकारा अनुष्का शेट्टी को शादी का प्लान पोस्टपोन्ड कर मूवी की शूटिंग पर अपना पूरा वक्त देने के लिए सजेस्ट किया था। प्रभास के सजेशन के चलते कथित तौर पर अदाकारा अनुष्का शेट्टी ने अपनी शादी का रुख उस वक्त टाल दिया था। इसके बाद अदाकारा अपना पूरा वक्त बाहुबली की शूटिंग पर ध्यान देने लगीं। इसके बाद ये मूवी तो ब्लॉकबस्टर साबित हुई। मगर अदाकार अनुष्का शेट्टी की शादी टल गई। इसके बाद अभी तक अदाकारा की शादी नहीं हो पाई। एंटरटेनमेंट वर्ल्ड की दुनिया में अनुष्का शेट्टी और प्रभास के अफेयर को लेकर काफी बज बना था। अनुष्का शेट्टी भी 42 साल की हैं।

प्रभास-अनुष्का शेट्टी की शादी को लेकर क्रेजी हैं फैंस

दिलचस्प बात ये है कि प्रभास और अनुष्का शेट्टी एक दूसरे के बेस्ट फ्रेंड हैं। बाहुबली के बाद इन दोनों सितारे के लिंकअप की खबरें खूब सुर्खियों में रहीं। हालांकि इन दोनों सितारों ने हमेशा ही एक दूसरे को अपना बेस्ट फ्रेंड बताया था। अनुष्का शेट्टी और प्रभास के अफेयर की खबरें आज तक टॉलीवुड में होती है। मगर दोनों सितारों ने कभी इन रिपोर्ट्स को एक्सेप्ट नहीं किया है। अनुष्का शेट्टी के बाद

सिंघम अगेन के सेट पर चोटिल हुए अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन चोटिल हो गए हैं। उन्हें रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' के सेट पर आंख में चोट लगी है। सेट पर यह हादसा होते ही डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने मुंबई में चल रही फिल्म की शूटिंग कैंसिल कर दी है। साथ ही अजय को डॉक्टर से कंसल्ट भी करवाया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो अजय को चोट लगने के बाद मेकर्स ने मुंबई शेड्यूल कैंसिल कर दिया है। अब इस फिल्म की शूटिंग 2024 में हैदराबाद में शुरू की जाएगी।

रामायण की थीम पर बेस्ड होगी सिंघम 3

सिंघम 3 एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इसमें अजय के अलावा टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। सभी कलाकारों के फिल्म से फर्स्ट लुक पोस्टर्स रिलीज हो चुके हैं। कहा जा रहा है यह रामायण की थीम पर बेस्ड होगी।

समय रहते छुड़ा लें 'बुरे रिश्ते से पल्ला'

अच्छे रिश्ते जहां युवाओं को बेहतर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पाने में मदद करते हैं, वहीं खराब चल रहे रिश्तों से बाहर निकलना उनके स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। यह शोध जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी में प्रकाशित किया गया है।

शोधकर्ताओं में से एक, न्यूयार्क की यूनिवर्सिटी ऑफ बफैलो की अस्सिटेंट प्रोफैसर एश्ले बर कहती हैं, अगर आपका रिश्ता अच्छा नहीं चल रहा तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है, इसलिए इससे बेहतर अकेले रहना है।

उन्होंने कहा, किसी रिश्ते में बने रहना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक और बेहतर रिश्ते ही लाभदायक होते हैं।

आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों के मुकाबले शादी करने का ज्यादा इंतजार करती है, साथ ही वे पढ़ाई भी अब पहले की तुलना में ज्यादा उम्र तक करते हैं। इस दौरान वे कई रिश्तों में पड़ते और उनसे बाहर निकलते हैं। बर

कहती हैं, इस संबंध में किए गए ज्यादातर अध्ययन शादी के संदर्भ में स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर किए गए थे लेकिन हमारे अध्ययन में शामिल ज्यादातर युवा अविवाहित थे, फिर भी उनका संबंध उनके स्वास्थ्य पर असर डाल रहा था, या तो उन्हें बेहतर कर रहा था अथवा बदतर बना रहा था।

युवा एवं परिवार परियोजना के तहत यह अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि अध्ययन के एक तिहाई आंकड़ों में युवाओं ने 2 सालों की अवधि में अपने रिश्तों में अपेक्षाकृत बड़ा बदलाव महसूस किया था। बर ने बताया, हमने युवाओं से संतुष्टि, साथी के विद्वेष, आलोचना, समर्थन, दया, स्नेह और प्रतिबद्धता के बारे सवाल पूछे।

इस अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि जितने ज्यादा दिन तक लोग अच्छे रिश्तों में रहते हैं या जितनी जल्दी वे बुरे रिश्ते से पीछा छुड़ाते हैं, उनका स्वास्थ्य उतना ही बेहतर होता है। अच्छे रिश्तों का स्वास्थ्य लाभ पर बहुत जल्दी असर शुरू हो जाता है। वहीं, बुरे रिश्ते स्वास्थ्य पर नुकसानदेह असर डालते हैं। खासतौर पर तब और भी ज्यादा, जब ये रिश्ते ज्यादा समय तक बने रहें।

घर को रखिए 'कीटाणु मुक्त'

रोजाना हर कोई घर की साफ-सफाई तो करता ही है लेकिन हर रोज कोने-कोने को साफ करना आसान काम नहीं। खिड़कियों, दरवाजों, वाशिंग मशीन, रसोई में इस्तेमाल होने वाली मशीनों, जैसे मिक्सर, जूसर आदि जैसी जगहों में कीटाणु बहुत जल्दी पनपते हैं,

जिनकी अनदेखी करना हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। घर को कीटाणु मुक्त रखने के लिए कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाए जा सकते हैं, जो साफ-सफाई में आपके लिए बहुत मददगार होंगे।

वॉशिंग मशीन

लोग कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन बाद में इसे साफ-सुथरा और सुखा कर रखना भी बहुत जरूरी है। मशीन अगर गीली छोड़ दी जाए तो इसमें कीटाणु जल्दी पनपने लगेंगे। कपड़े धोने के बाद मशीन में पानी डालकर इसमें एक ढक्कन सफेद सिरका डाल दें और 2 मिनट के लिए ऐसे ही चलाएं। बाद में पानी निकाल दें। इससे मशीन में छुपे बैक्टीरिया और वायरस मर जाएंगे और मेहनत भी नहीं लगेगी।

तौलिए को करें कीटाणु मुक्त

नहाने के बाद इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिए गीले हो जाते हैं। इन्हें धूप में जरूर सुखाएं और इनको धोते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करें। इसके साथ 2 बूंदें डेटॉल की डाल दें।

दरवाजों के हैंडल

घर के दरवाजों के हैंडल्स को बार-बार छूने से भी कीटाणु फैलते हैं। इनको बैक्टीरिया मुक्त करना बहुत जरूरी है। हैंडल्स को साफ करने के लिए सैनेटाइजर का इस्तेमाल करें।

पोंछा और डस्टर हों साफ

पोंछा और डस्टर का साफ होना बहुत जरूरी होता है। इस्तेमाल के बाद इनको नमक वाले पानी से धोएं। सिरके के पानी में कुछ देर के लिए इन्हें डुबो कर रखें और फिर धूप में सुखाएं।

बच्चे के लिए बेहतर है 'संयुक्त परिवार'

माता-पिता के रूप में, आप हमेशा अपने बच्चे के विकास और वृद्धि के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम संसाधनों की तलाश में रहेंगे। हालांकि, कभी-कभी हम यह ध्यान देने में विफल रहते हैं कि उपलब्ध सर्वोत्तम संसाधन हमारे आसपास के ही लोग हैं।

इस संसार में परिवार से बढ़कर कोई नहीं हो सकता। यदि आप एक संयुक्त परिवार में रह रहे हैं और आपका एक बच्चा है, तो आपको अपने सितारों का शुक्रिया अदा करना चाहिए क्योंकि संयुक्त परिवार आपके बच्चे की वृद्धि और विकास के लिए सबसे अच्छे जीवित उदाहरण हैं।

सहचर्य

संयुक्त परिवारों में पले-बढ़े बच्चे अनिवार्य रूप से उन लोगों के बीच बड़े होते हैं जो अपने ही आयु वर्ग में और उसके आसपास होते हैं और यह उन्हें कभी अकेला महसूस नहीं कराता। आज के बच्चे बुरी संगत में पड़ जाते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे साथ चाहते हैं। संयुक्त परिवार सहचर्य की इस कमी को पूरा करते हैं।

दुनिया का सामना करने की तैयारी

संयुक्त परिवारों में बच्चों को अपने घर से बाहर नहीं देखना पड़ता। सहचर्य की अनुमति देते

हुए, संयुक्त परिवार समाज के लिए एक संस्कृति भी विकसित करते हैं, जो आपके बच्चे को बड़ी बुरी दुनिया का सामना करने के लिए तैयार करती है।

एक संयुक्त परिवार में रहने से आपके बच्चे को जीवन के विभिन्न गुर सीखने के अनुभव मिलेंगे। सम्मान की भावना सम्मान सबसे महत्वपूर्ण गुण है, जो संयुक्त परिवारों में स्वाभाविक रूप से विकसित होता है। आपके आस-पास रहने वाले बहुत से बुजुर्गों के साथ, अपने आस-पास के लोगों के लिए एक भावनात्मक सम्मान विकसित करना स्वाभाविक है। यह समाज में वास्तविक सराहना पाने में मदद करता है, क्योंकि सम्मान एक ऐसी चीज है जिसकी हर कोई लालसा करता है। इसलिए, आपका बच्चा किसी भी उम्र के लोगों का सम्मान करना सीखेगा।

खुशियां बांटना संयुक्त परिवार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू खुशियों को बांटना है। कहते हैं खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। अब एक अच्छी पारिवारिक छुट्टी किसे पसंद नहीं ? लेकिन क्या यह बहुत अच्छा नहीं होगा, अगर आपके पास परिवार की छुट्टियां बिताने के लिए दोस्तों का बड़ा समूह हो। संयुक्त परिवार खुशियों को कई गुना बढ़ा देते हैं और खराब समय को स्पंज की तरह अवशोषित कर लेते हैं। क्या यह बहुत अच्छा नहीं लगेगा, यदि स्कूल की एथलैटिक्स स्पर्धा में आपकी जीत का जश्न मनाने के लिए आपके पास इतने अधिक लोग हों? एक संयुक्त परिवार इस तरह का आनंद प्रदान कर सकता है।

शादी के बाद भी पूरी कर सकती हैं 'पढ़ाई'

वैशाली का सपना था कि वह एम.बी.ए. करके किसी अच्छी कम्पनी में जॉब करे लेकिन बी. कॉम. करते ही माता-पिता उस पर शादी करने के लिए दबाव बनाने लगे। माता-पिता भी गलत नहीं थे, क्योंकि उनकी तीन बेटियां थीं। माता-पिता अपनी बेटी की एम.बी.ए. करने की चाहत भी पूरी करना चाहते थे, लेकिन इसके लिए इतने समय तक इंतजार नहीं कर सकते थे। वैशाली ने इस शर्त पर शादी के लिए हां कर दी कि शादी के बाद ससुराल वाले उसे एम.बी. ए. करने देंगे और वह जॉब भी करेगी। संयोग से ऐसा घर और वर मिल भी गया। शादी के बाद उसने एम. बी. ए. की। आज वह एक प्राइवेट बैंक में मैनेजर है।

वैशाली और उसके माता-पिता तथा उसके ससुराल वाले समझदार थे, इसलिए शादी के बाद उसकी पढ़ाई पूरी हो सकी लेकिन ज्यादातर माता-पिता शादी के लिए अपनी बेटी की पढ़ाई बीच में ही छुड़वा देते हैं, जिसे ससुराल वाले पूरी नहीं करवाते । ऐसे में लड़की का पढ़ने और करियर बनाने का सपना अधूरा रह जाता है। इसका पछतावा उसे ताउम्र रहता है। माना कि शादी के बाद आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। अब आप किसी की पत्नी हैं, तो किसी की बहू। यदि शादी के प्रारंभिक वर्षों में बच्चे हो गए तो आप उनकी मां भी होंगी। ऐसे में सारे फर्ज और जिम्मेदारियों को निभाते हुए पढ़ाई करना मुश्किल भले ही हो, मगर असंभव नहीं। और फिर जहां चाह वहां राह।

यदि आप पढ़ना चाहती हैं और अच्छा रिश्ता खोना भी नहीं चाहतीं, तो बेशक शादी कर लें, लेकिन पति और ससुराल वालों को अपनी मंशा बता दें। यदि वे आपको आगे पढ़ाने देने के लिए सहमत हों तो शादी करने में कोई हर्ज नहीं। आपके लिए दोनों ही चीजें महत्वपूर्ण हैं और यदि दोनों पूरी होती हैं तो सोने पर सुहागा। कई लड़कियां हैं, जिन्होंने अपनी अधूरी पढ़ाई शादी के बाद ससुराल में ही पूरी की। एक ससुराल वालों ने अपनी बहू के पीएच.डी. करने का मार्ग प्रशस्त किया और आज उन्हें अपनी बहू पर गर्व है कि उसे डायरैक्टर को उपाधि मिली है। जाहिर है, शादी के बाद ससुराल वालों का सहयोग मिलने पर ही आप पढ़ाई कर सकती हैं लेकिन इसके लिए आपको उनका दिल जीतना होगा। पढ़ाई करने का मतलब यह नहीं कि उसके बाद अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लें। ससुराल वालों को भी चाहिए कि जब तक बहू की पढ़ाई पूर्ण नहीं हो जाती, उससे ज्यादा अपेक्षाएं न रखें। उसे पढ़ने-लिखने का समय और माकूल माहौल दें। आज बहू और बेटी में फर्क नहीं रहा। उसे बेटी समझकर उसकी ख्वाहिश पूरी करें।

'हैप्पी मैरिड लाइफ' के लिए

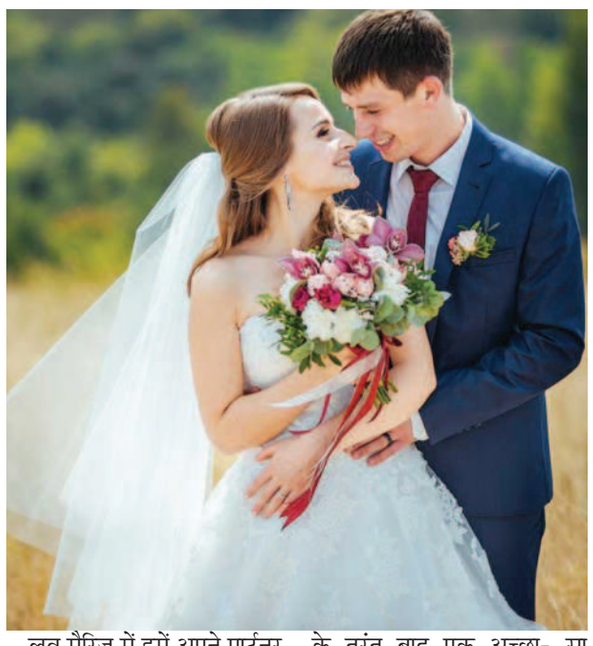

लव मैरिज में हमें अपने पार्टनर की आदतों का पता होता है और हम एक-दूसरे को बहुत अच्छे से जानते हैं, पर ऐसा अरेंज मैरिज में नहीं होता। इसमें हमें अपने पार्टनर को जानने, उनकी हर बात को समझने के लिए शादी के बाद कुछ वक्त चाहिए होता है और तभी एक अच्छा मैरिड रिलेशनशिप बन सकता है। कुछ बातें जानिए, जो बनाएंगी आपके रिलेशनशिप को हैप्पी -

सकारात्मक सोच

अपने पार्टनर के लिए अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखें। आपको किसी भी बात का बुरा लगे तो उन्हें अकेले में कहें, न कि सबके सामने ही गलती महसूस करवाने लग जाएं।

अपने पार्टनर की बातों को समझें और उन्हें भी खुद की भावनाओं से अवगत कराएं। आप दोनों मिल कर ही इस रिश्ते को एक खुशहाल रिश्ता बना सकते हैं।

साथ समय बिताएं

भले ही हनीमून को लेकर घर के बड़ों की सोच कुछ भी हो, पर हनीमून पर जाने से आपको शुरू से ही अपने पार्टनर को समझने का अनोखा मौका मिलेगा। शादी के तुरंत बाद एक अच्छा- सा हॉलीडे प्लान करें और दोनों साथ में अच्छा- सा समय बिताएं।

अच्छे शारीरिक संबंध

शारीरिक रिश्तों में मधुरता नहीं होने की वजह से भी रिश्तों में अनबन बनी रहती है। अपने पार्टनर को वे सारी खुशियां दें, जिनके वह वास्तव में हकदार हैं।

अच्छे श्रोता बनें

हर कोई अच्छा वक्ता होता है, पर किसी से अपने रिश्ते बरकरार रखने के लिए अच्छा श्रोता होना भी बहुत जरूरी है। केवल अपनी ही बातें न करते रहें, अपने पार्टनर की भी सुनें। उनसे पूछें कि उनका दिन कैसा रहा और पूरे दिन क्या-क्या किया।

सम्मान

किसी भी रिश्ते की नींव होती है, एक-दूसरे का सम्मान करना। जब तक मन में किसी के लिए सम्मान होता है, तब तक आपके मुंह से उनके लिए कुछ गलत नहीं निकलता। अपने पार्टनर के हर काम में उनका साथ दें। कभी उन्हें अकेला महसूस न होने दें। आपकी खुद की बातें ही आपको सम्मान दिलवाती हैं। वैसे भी पुरानी कहावत है - 'इज्जत करोगे तो इज्जत पाओगे।'

पोषक तत्वों से भरपूर 'खजूर'

खजूर ऊष्ण जलवायु एवं मरुस्थली प्रदेशों में बहुतायत से पैदा होता है। खजूर को पेड़ पर पकने के लिए तेज व कड़ी धूप की आवश्यकता होती है। खजूर का उत्पत्ति स्थल सुलेमान नामक देश (अरब) माना गया है जिससे इसे सुलेमानी भी कहा जाता है। इसके फल छुहारा या खजूर कहलाते हैं। पूरी तरह से पके, गीले दलदार फल को खजूर व अधपके सूखे फल को छुहारा कहते हैं।

खजूर पोटाशियम, लौह, कैल्शियम आदि खनिजों से भरपूर होता है । खजूर सभी धातुओं को पुष्ट करता है, इसलिए इसका सेवन अत्यंत लाभदायक होता है। सबसे गुणकारी बात तो यह है कि इसके खाने से डायबिटीज नहीं होती। खजूर जहां शरीर में रक्त की कमी व थकावट को दूर करती है, वहीं कफ निःसारक व क्षयरोग में भी इसका उपयोग हितकारी है।

नेत्र व्याधि व रोशनी कम होने पर खजूर के बीजों के पेस्ट का पलकों के ऊपर लेपन करने से एक माह के भीतर लाभ मिल जाता है।

स्त्रायविक क्षीणता होने पर बकरी के 200 ग्राम दूध में 30 ग्राम खजूर रात भर भिगोकर प्रातः इसी दूध में खजूरों को पीसकर मधु (शहद) तथा छोटी इलायची का चूर्ण मिलाकर सेवन करें। रक्त में वृद्धि के साथ-साथ चित्त भी

प्रसन्न रहता है। शीघ्र पतन और पतले वीर्य वालों को प्रातः 3 छुहारे नित्य खाने से शुक्राणु पुष्ट व वीर्य गाढ़ा होगा। खांसी होने पर खजूर, छोटी पीपल व शहद को बराबर लेकर महीन कर लें व प्रतिदिन सायं गाय के दूध के साथ 20 ग्राम सेवन करें। इससे साधारण खांसी, पुरानी काली खांसी, तपेदिक की खांसी तथा दमा में विशेष लाभ मिलता है। कब्ज के रोगी रात में 4 नग छुहारे भैंस के दूध में उबालकर खाएं तो कब्ज फौरन दूर हो जाती हैं।

छोटे बच्चों को बिस्तर में पेशाब करने की आम शिकायत में उन्हें नित्य रात में कुछ दिन 2 छुहारे (सूखा खजूर) खिलाएं, बड़े व्यक्ति को भी यदि बार-बार पेशाब उत्तरता है तो दिन में दो बार छुहारे खिलाएं। शरीर में मोटापा लाने के लिए 2 छुआरे का चूर्ण दूध में उबालकर उसमें 2-3 चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर पिएं, इससे मांस में वृद्धि होती है। कैल्शियम की कमी से होने वाले रोग, हड्डियों की कमजोरी व दांतों को गलने से रोकने के लिए रात्रि में दो छुहारे खाकर दूध पीने से लाभ मिलता है।

खजूर का सेवन करते समय ध्यान रखने योग्य बात यह भी है कि छुहारे व खजूर 4-5 से ज्यादा एक बार में न खाए जाएं, अन्यथा इससे शरीर में अनावश्यक गर्मी बढ़ सकती है।

शरीर के लिए फायदेमंद 'गुनगुना पानी'

'जल ही जीवन है' वाली कहावत तो आप सब ने सुनी ही होगी। पानी जीवन के लिए कितना जरूरी है, यह बात तो हम सभी जानते हैं। अगर हम कहें कि पानी के बिना जीवन संभव ही नहीं, तो

यह बात 100 प्रतिशत सच है। वहीं गर्म पानी पीने के भी लाभ हैं, जैसे गर्म पानी पीते वक्त उसकी गर्मी से जो भाप निकलती है उससे बंद नाक को आराम मिलता है। गर्म पानी गले की खराश को खत्म करता है। आज हम बात करेंगे कि गर्म या गुनगुना पानी पीने के क्या फायदे हैं। भोजन पचाने में मददः जब हम गर्म पानी पीते हैं, तो यह हमारे पेट और आंतों की मांसपेशियों को शिथिल करता है, जिससे वे अधिक सक्रिय हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, भोजन का ठीक से पाचन होता है और गैस या अन्य पाचन संबंधित समस्याएं भी दूर होती हैं।

वजन कम करने के लिए दिन में तीन बार गर्म पानी पीने की सलाह दी जाती है। आप सुबह उठने के बाद, लंच से आधा घंटे पहले और रात को सोने से 1 घंटा पहले गर्म पानी का सेवन करें, तो यह तेजी से आपके वजन को घटाने में मदद कर सकता है। गर्म पानी में अदरक या नींबू डालकर पीने से और भी लाभ मिलता है। शारीरिक स्वास्थ्य : गर्म पानी मांसपेशियों को आराम देता है, रक्त कोशिकाओं को फैलाता है और परिसंचरण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। गर्म पानी रक्त संचरण, मांसपेशियों में बेहतर रक्त प्रवाह को बढ़ावा देता है और मांसपेशियों के दर्द से राहत से लेकर हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। गर्म पानी पीने से स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है, क्योंकि यह विषैले पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में सहायता करता है।

शांति और सुकून : कई शोधों से यह पता चला है कि गर्म पानी पीने से अवसाद और चिड़चिड़ापन कम होता है। गले को आराम मिलता है और यह जुकाम आदि को दूर रखने में मदद करता है। गर्म पानी पीने से आपका मन शांत और सुकून भरा रहता है, जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

मैटाबोलिज्म करता है ठीक : गर्म पानी पीने से पाचन और अन्य शारीरिक क्रियाएं ठीक रहती हैं। यह मैटाबोलिज्म को भी सुधारता है। इसलिए, हम पूरे दिन अधिक ऊर्जावान और फ्रैश महसूस करते हैं। आप दिन में एक बार पानी को गर्म कर उसे स्टोर करने के लिए कॉपर फ्लास्क या जग का इस्तेमाल करें क्योंकि कॉपर प्राकृतिक रूप से पानी से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। आप गर्म पानी को स्टोर करने और उसे गर्म रखने के लिए वैक्यूम इंसुलेटेड थर्मस फ्लास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

'घुंघराले बालों' की देखभाल

घुंघराले बालों को अधिक नमी की आवश्यकता होती है, क्योंकि हमारे सिर की त्वचा या स्कैल्प से जो तेल निकलता है, वह बालों तक ठीक से पहुंच नहीं पाता और यही वजह है, जिसके चलते घुंघराले बाल वैसे तो दिखने में काफी अच्छे लगते हैं लेकिन इन्हें संभालना कई बार काफी मुश्किल हो जाता है।

ऐसे में इन पर खास ध्यान देने की जरूरत पड़ती है और यदि इनकी देखभाल अच्छे से की जाए, तो इनसे आपके व्यक्तित्व को एक अलग ही लुक मिलती है।

स्ट्रीक्स प्रोफैशनल की नैशनल टैक्निकल हैड एग्नेस चेन ने ऐसे ही कुछ खास टिप्स दिए हैं, जिन्हें अपना कर अपने घुंघराले बालों का बखूबी ध्यान रखा जा सकता है।

क्लीनिंग और कंडीशनिंग

अपने घुंघराले बालों के हिसाब से एक उपयुक्त शैम्पू, कंडीशनर और सीरम का चुनाव करें। अतिरिक्त पोषण और कंडीशनिंग सुनिश्चित करने के लिए ऐसे हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जिनमें थोड़ा गाढ़ापन हो।

घुंघराले बाल ज्यादा उलझे हुए और बेजान होते हैं। बालों की डीप कंडीशनिंग को अपनी आदत बना लें। घुंघराले बालों के लिए मिल्क क्रीम कंडीशनर भी काफी फायदेमंद हो सकता है।

चौड़े दांतों वाली कंघी करें इस्तेमाल

बालों की जड़ों या बीच में से कंघी कभी न करें। इससे बाल और भी ज्यादा टूटने लगते हैं और दोमुंहे बालों की भी समस्या पैदा हो जाती है। बालों को हमेशा पहले नीचे की ओर से चौड़े दांतों वाली कंघी करें और धीरे- धीरे ऐसे ही जड़ों तक जाएं। घुंघराले बालों की देखभाल ऐसे ही की जानी चाहिए।

ऑयल-बेस्ड हेयर मास्क करेंइस्तेमाल ऐसा कहा जाता है कि घुंघराले बालों में आसानी से उलझने और बेजान होने की प्रवृत्ति होती है, क्योंकि स्कैल्प से उत्पन्न नैचुरल ऑयल बालों तक पूरी तरह से पहुंच नहीं पाते, ऐसे में ऑयल-बेस्ड कंडीशनर, जैसे कि कोकोनट ऑयल, आर्गन ऑयल इत्यादि के साथ अपने बालों की गहराई से कंडीशनिंग करें।

हर नोट पर जिसका नाम, उसे कितनी मिलती है सैलरी रघुराम राजन का जवाब सुनकर भौचक्के रह जाएंगे आप

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। हर नोट पर आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि केंद्रीय बैंक के गवर्नर को कितनी सैलरी मिलती है? रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि जब उन्हें सालाना महज चार लाख रुपये की सैलरी मिला करती थी। राजन सितंबर 2013 से सितंबर 2016 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे थे।

उनका कहना है कि आरबीआई गवर्नर के तौर पर आपको भले ही कम सैलरी मिलती है लेकिन मुंबई में एक बड़ा आधिकारिक आवास मिलता है जो मुंबई में धीरूभाई अंबानी के मकान से कुछ दूरी पर है। आरबीआई का हेडक्वार्टर भी देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में है। राजन ने यूट्यूबर राज शमानी के पॉडकास्ट में कहा, 'मुझे आरबीआई गवर्नर की करेंट सैलरी का पता नहीं है लेकिन मुझे सालाना चार लाख रुपये सैलरी मिलती थी। आरबीआई गवर्नर के तौर पर आपको जो सबसे बड़ी सुविधा मिलती है वह है

आधिकारिक आवास। आपको एक बड़ा घर मिलता है जो मुंबई के मालाबार हिल में धीरूभाई अंबानी के घर से कुछ ही दूर है। एक बार मैंने इस बारे में कैलकुलेशन की थी। अगर हम उसे बेच देते तो हमें 450 करोड़ रुपये मिलते। अगर हम इस रकम को निवेश कर दें तो हम आरबीआई के टॉप अधिकारियों की सैलरी दे सकते हैं। हम एक अपार्टमेंट में जा सकते हैं। लेकिन यह शानदार घर है।'जब उनसे पूछा गया कि क्या सालाना चार लाख रुपये की सैलरी आरबीआई गवर्नर के लिए सही है, राजन ने कहा कि यह दूसरे सरकारी अधिकारियों के मुताबिक है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कैबिनेट सेक्रेटरी के बराबर है। सरकारी अधिकारियों को इतनी ही सैलरी मिलती है। आपको सरकारी अधिकारियों की तरह दूसरी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। आपको पेंशन नहीं मिलती है। लेकिन आपको मेडिकल सुविधाएं मिलती हैं। मुझे पेंशन नहीं मिलती है।'राजन ने कहा कि अधिकांश आरबीआई गवर्नर को पेंशन नहीं मिलती है क्योंकि वे सिविल सर्वेंट रहे हैं। इसलिए उन्हें पहले से ही पेंशन मिलती है। लेकिन एक व्यक्ति ऐसा था जो सिविल सर्वेंट नहीं था। उन्होंने कई साल तक आरबीआई में काम किया। मुझे लगता है कि उसे पेंशन मिलनी चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें पेंशन की जरूरत नहीं है। आरबीआई गवर्नर का पद छोड़ने के बाद रघुराम राजन ने अमेरिका में फिर से पढ़ाने का काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'मुझे पेंशन की जरूरत नहीं है। मेरे पास फुलटाइम जॉब है।'

फिर 63 हजार के पार निकला सोना:चांदी 225 रुपए सस्ती होकर 74,693 रुपए पर आई, कैरेट के हिसाब से गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।सोने के दामों में आज यानी, 26 दिसंबर को तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 187 रुपए महंगा होकर 61,031 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 47,273 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।ॉचांदी में रही गिरावट

चांदी में आज गिरावट देखने को मिली है। ये 225 रुपए सस्ती होकर 74,693 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 74,918 रुपए पर थी। इस महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

2023 में अब तक 8 हजार रुपए महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो अब 63,031 प्रति ग्राम पर है। यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 8,164 रुपए (15%) की तेजी आई है। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 74,693 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

67 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले साल यानी 2024 में भी सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके

चलते अगले एक साल में ये सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोना खरीदने से पहले 4 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।

ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है। कैरेट के हिसाब से ऐसे चैक करें कीमतः मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी एक ग्राम सोने की कीमत हुई 6000 रुपए। ऐसे में 1 कैरेट शुद्धता वाले 1 ग्राम सोने की कीमत हुई 6000/24 यानी 250 रुपए। अब मान लीजिए आपकी ज्वेलरी 18 कैरेट शुद्ध सोने से बनी है तो 18x250 यानी इसकी कीमत 4,500 रुपए प्रति ग्राम हुई। अब आपकी ज्वेलरी जितने भी ग्राम की है उसमें 4,500 रुपए का गुणा करके सोने की सही कीमत निकाली जा सकती है।

कैश पेमेंट न करें, बिल लें

सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट की जगह यूपीआई और डिजिटल बैंकिंग के जरिए पेमेंट करना अच्छा रहता है। आप चाहें तो डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी पेमेंट कर सकते हैं। इसके बाद बिल लेना न भूलें।

पीएम मोदी के नाम नया रिकॉर्ड: बने यूट्यूब पर 2 करोड़ सब्सक्राइबर वाले दुनिया के पहले नेता

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।नरेंद्र मोदी यूट्यूब चैनल व्यूज और सब्सक्राइबर्स के मामले में भारत और दुनिया के दूसरे नेताओं के यूट्यूब चैनलों को पछाड़ दिया है। पीएम मोदी हमेशा से डिजिटल के पक्षधर रहे हैं। वह भारत के उन नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने राजनीति की दुनिया को डिजिटल चश्में से दखने का सबसे पहले काम किया था। आज उनका यूट्यूब चैनल दुनिया के किसी भी दूसरे नेता के यूट्यूब चैनल से अधिक सब्सक्राइबर वाला चैनल बन गया है। पीएम मोदी के नरेंद्र मोदी चैनल पर 2 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हो गए हैं।

पीएम के चैनल की सबसे खास बात यह है कि उसपर अपलोड होने वाले वीडियो लोग काफी पसंद करते हैं। अक्सर वीडियो देखते-देखते मिलियन में व्यूज दे जाता है।पीएम मोदी के बाद दुनिया के किसी नेता के यूट्यूब चैनल पर सबसे अधिक सब्सक्राइबर हैं तो वह नाम ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सनोरा का है। उनके चैनल पर 64 लाख से अधिक सब्सक्राइबर है। जो नरेंद्र मोदी यूट्यूब चैनल के एक तिहाई से थोड़ा कम है। इसी तरह दिसंबर 2023 में 22।4 करोड़ व्यूज के साथ नरेंद्र मोदी यूट्यूब चैनल पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के यूट्यूब चैनल की तुलना में 43 गुना अधिक व्यूज हैं, जो अपने यूट्यूब चैनल पर दूसरे सबसे ज्यादा व्यूज के साथ वैश्विक नेता हैं। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पीएम मोदी के बाद जो दूसरा ग्लोबल लीडर है, उसकी क्या रैंकिंग है।राहुल गांधी के यूट्यूब चैनल ने 2023 में 22।5 लाख सब्सक्राइबर हासिल किए हैं, वहीं नरेंद्र मोदी चैनल ने 2023 में 63 लाख सब्सक्राइबर के साथ इससे लगभग तीन गुना ज्यादा सब्सक्राइबर जोड़े हैं। 2023 में भारत में सबसे अधिक नए सब्सक्राइबर जोड़ने वाले नेता और पॉलिटिकल पार्टी के यूट्यूब चैनल की बात करें तो यहां भी एक नंबर पर पीएम मोदी हैं। दूसरे नंबर पर राहुल गांधी और तीसरे नंबर कांग्रेस पार्टी के चैनल का नाम है।

अडानी समूह 9350 करोड़ रुपये अडानी ग्रीन एनर्जी में निवेश करेगी

1480.75 रु/शेयर पर जारी किया जाएगा प्रीफरेंशियल वारंट

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।अडानी समूह की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी में कंपनी के प्रमोटर्स 9350 करोड़ रुपये निवेश करेंगे. अडानी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि कंपनी की बोर्ड की हुई बैठक में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने प्रमोटर्स को 1480.75 रुपये शेयर प्राइस पर 9350 करोड़ रुपये के प्रीफरेंशियल वारंट्स जारी करने पर अपनी मंजूरी दे दी है. इस रकम के जरिए कंपनी अपने कर्ज के बोझ को कम करने के साथ पूजीगंत एक्सपेंडिचर पर खर्च करेगी. स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल रेग्यूलेटरी फाइलिंग में कंपनी ने बोर्ड बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी दी. कंपनी ने बताया कि अडानी ग्रीन एनर्जी के प्रमोटर्स को 1480.75 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 9350 करोड़ रुपये प्रीफरेंशियल वारंट जारी करने पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है. इस फंड के जरिए कर्ज चुकता करने के साथ ही 2030 तक 45

गीगावाट कैपेसिटी क्षमता बढ़ाने पर कंपनी खर्च करेगी. कंपनी ने कहा कि अडानी ग्रीन एनर्जी 2030 तक 45 गीगावाट के टारगेट को जरूर हासिल करेगी. 20.6 गीगावाट कैपेसिटी लॉक्ड किया जा चुका है., 40 गीगावाट एडिशन कैपेसिटी के लिए 2 लाख एकड़ जमीन सिक्योर किया जा चुका है जो 40 गीगावाट क्षमता के बराबर है और 9350 करोड़ रुपये अतिरिक्त निवेश के लिए इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा. अडानी ग्रीन एनर्जी के बोर्ड के इस फैसले पर अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा, भारत रिन्यूएबल एनर्जी के मामले में ग्लोबल लीडर बनने के कगार पर है और अडानी ग्रीन एनर्जी इस रिवॉल्युशन की अगुवाई कर रहा है. उन्होंने कहा अडानी फैमिली के निवेश का ये फैसला देश में स्वच्छ ईंधन के सपने को पूरा करने के प्रति हमारे प्रतिबद्धता को दर्शाता है. जहां हम पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर सकें साथ ही अपनी तेज वृद्धि और विकास योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन और अफोर्डेबल विकल्पों को अपनाएं. इस निवेश के जरिए अडानी ग्रीन एनर्जी अपने ग्रोथ टारगेट को हासिल करने में जरुर कामयाब होगा. प्रमोटर्स के निवेश की खबरों के बीच आज के कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी का स्टॉक 4.38 फीसदी के उछाल के साथ 1600 रुपये पर क्लोज हुआ है. पिछले एक महीने में स्टॉक में 70 फीसदी का उछाल आ चुका है.

आरबीआई और दूसरे बैंकों को बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल कर शक्तिकांत दास और वित्त मंत्री का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।मुंबई पुलिस ने बताया है कि आरबीआई को एक धमकी भरा ईमेल मिला। ईमेल में कहा गया था कि आरबीआई कार्यालय, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में बम लगाए जाएंगे। ईमेल में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की गई थी। पुलिस ने बताया कि मुंबई में कुल 11 जगहों पर बम की धमकी दी गई थी। यह धमकी भरा ईमेल भेजने वाले ने खुद के खिलाफत इंडिया से जुड़े होने का दावा किया है। पुलिस ने इन सभी जगहों पर जाकर जांच की लेकिन कुछ नहीं मिला। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। मुंबई पुलिस को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में मुंबई शहर में 11 जगह बम रखे होने की बात कही गई है। ईमेल में कहा गया कि यह धमाका मंगलवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे होने वाला है। इसके बाद अफरातफरी मच गई और हड़कंप के बीच पुलिस ने सभी जगह जांच की लेकिन कुछ भी संदेहास्पद नहीं मिला। इस संबंध में मुंबई की एमआरए मार्ग पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात को पहली बार रुपए में पेमेंट किया

जुलाई में किया था एग्रीमेंट, 35 देशों के साथ भारतीय करेंसी में पेमेंट सेटलमेंट की तैयारी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।भारत ने संयुक्त अरब अमीरात को क्रूड ऑयल के लिए पहली बार रुपए में पेमेंट किया है। यह पेमेंट 10 लाख बैरल क्रूड ऑयल के लिए किया गया है। सरकार ने जुलाई में संयुक्त अरब अमीरात के साथ रुपए में सेटलमेंट के लिए एग्रीमेंट साइन किया था।भारत की ओर से यह पहला पेमेंट इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने संयुक्त अरब अमीरात की ऑयल कंपनी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी को किया है। इसके अलावा कुछ रूसी इंपोर्ट के लिए भी भारत ने रुपए में पेमेंट किया है। वहीं 35 से ज्यादा देश रुपए में ट्रेड सेटलमेंट में दिलचस्पी दिखा चुके हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2022 में रुपए में ट्रेड सेटलमेंट के पहल की शुरुआत की थी। इसमें शुरुआत में रूस जैसे देशों ने भारतीय रुपए में ट्रांजैक्शन का समर्थन किया था। इस ट्रांजैक्शन के लिए व्यापार में शामिल पार्टनर को स्पेशल रुपया-वोस्ट्रो अकाउंट और देश के बैंकों स्पेशल नोस्ट्रो अकाउंट ओपन करने की जरूरत होती है।

2023 के आखिरी हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सत्र में तेजी के साथ शेयर बाजार बंद, फार्मा, बैंकिंग स्टॉक्स ने भरा जोश

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।तीन दिनों की लंबी छट्टी और साल 2023 के आखिरी हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सत्र में भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। बैंकिंग, फार्मा, एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में जारी रौनक आज भी बरकरार रही। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 230 अंकों के उछाल के साथ 71,336 अंकों पर बंद हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 105 अंकों की तेजी के साथ 21,454 अंकों पर क्लोज हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के कारोबार में आईटी सेक्टर के आईटी, मीडिया और सरकारी बैंकों के शेयरों को छोड़ ज्यादातर सेक्टर्स के इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। ऑटो, बैंकिंग, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते दोनों ही इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 शेयर तेजी के साथ और छह गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 42 स्टॉक्स तेजी के साथ और 8 गिरावट के साथ बंद हुए।

निवेशकों की बढ़ी संपत्ति

शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल आया है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 359.08 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले ट्रेडिंग सत्र में 356.53 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.55 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर

आज के कारोबार में एनटीपीसी 2.44 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.66 फीसदी, टाटा स्टील 1.31 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.30 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.29 फीसदी, विप्रो 1.28 फीसदी, भारती एयरटेल 1.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि बजाज फाइनेंस 1.73 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.30 फीसदी, इंफोसिस 1.09 फीसदी और टीसीएस 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

जनवरी में बैंक 16 दिन बंद रहेंगे:4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 10 दिन कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।साल 2023 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं और नया साल 2024 शुरू होने वाला है। साल के पहले महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। जनवरी में 4 रविवार और दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा 10 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। यहां देखें जनवरी महीने में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे...आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इस सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को बैंक लॉकर के नए समझौते पर साइन करवाने के लिए कहा है। ये काम बैंक को 31 दिसंबर 2023 तक पूरा करना है। अगर आपका भी किसी भी ब्रांच में बैंक लॉकर है तो वहां जाकर अपने नए बैंक लॉकर एग्रीमेंट पर साइन जरूर कर दें। वरना बाद में आपको परेशानी हो सकती है।

जनवरी में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं

वहीं जनवरी 2024 में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर भी बंद रहेगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	06-00 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	मकर..	08-07 बजे
मंगल	वृश्चिक	में	कुंभ...	09-57 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	11-36 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	13-11 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-56 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-56 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	19-09 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	21-20 बजे
			कन्या..	23-27 बजे
			तुला....	01-33 बजे
			वृश्चिक.	03-44 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि**-432000** सूर्योदय - 06-47 सूर्यास्त - 17-46
भोग्य कलि वर्ष**-426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्**-1955885124**
दिशाशूल -- उत्तरे - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **06 -46** - पूर्ण दिन-रात तक
मास - पौष कृष्ण पक्ष , बुधवार **27 December**
नक्षत्र - आर्द्रा - **23- 28** - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - ब्रह्म - **02 - 40**- तक उपरान्त ऐन्द्र
करण- बालव - **18 -21** - तक उप- कौलव
विशेष:- धनु मे भौम रात - **00-23** से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:17 से 13:40 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:47 - 08:08 शुभ	उत्पात	17:46 - 19:26 अशुभ
अमृत	08:08 - 09:31 शुभ	शुभ.	19:26 - 21:03 शुभ
काल	09:31 - 10:54 अशुभ	अमृत	21:03 - 22:40 शुभ
शुभ.	10:54 - 12:17 शुभ	चंचल	22:40 - 24:17 शुभ
रोग	12:17 - 13:40 अशुभ	रोग	24:17 - 01:54 अशुभ
उत्पात	13:40 - 15:03 अशुभ	काल	01:54 - 03:32 अशुभ
चंचल	15:03 - 16:26 शुभ	लाभ	03:32 - 05:09 शुभ
लाभ	16:26 - 17:46 शुभ	उत्पात	05:09 - 06:47 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घूमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें |अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । इस समय आपको अपनी मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आध्यत्मिकता का सहारा लेना चाहिये ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें । आपके आसपास कोई आज बीमार अनुभव कर रहा है ।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

लोकसभा चुनाव से पहले घर-घर राम का नाम

क्या प्लान बना रही है बीजेपी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। यह बात 1989 की है जब बीजेपी के गठन को 9 साल हो चुके थे, जगह हिमाचल प्रदेश का पालमपुर था और यहां पहली बार भाजपा ने औपचारिक रूप से वीएचपी की राम मंदिर की मांग का समर्थन किया था। यह वो वक्त था जब आडवाणी बीजेपी के अध्यक्ष हुआ करते थे। जब समर्थन का ऐलान हुआ जसवंत सिंह बैठक छोड़ कर चले गए।

आरएसएस से जुड़े साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर के पूर्व संपादक शेषाद्री चारी द इंडियन एक्सप्रेस को बताते हैं कि पालमपुर के इस सत्र में जो कुछ हुआ वो बीजेपी की सियासत में एक बड़ा मोड़ था। यहां गांधीवाद की विचारधारा से एक घुमाव हिन्दुत्व की ओर मुड़ा और दो रास्ते बनते दिखाई दिए। लगभग इसी समय आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले मुरली मनोहर जोशी बीजेपी के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण नेता के तौर पर उभरे। अब लोकसभा चुनाव नजदीक है, कांग्रेस और भाजपा दोनों ही सियासी दलों ने आम चुनाव के इस दंगल में उतरने की रूपरेखा बनाना शुरू कर दिया है। जहां कांग्रेस ने संगठन में बदलाव किए हैं वहीं बीजेपी के टॉप नेता लगातार बैठकें कर आने वाले कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने के प्रयास कर रही है।

इससे पहले पीएम मोदी अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटन भी करने वाले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी राम मंदिर से जुड़े इस कार्यक्रम को लोकसभा चुनाव में अपने प्रचार का आधार बनाने की पूरी कोशिश करेगी, बीजेपी ने गांव गांव रामोत्सव कार्यक्रम की योजना भी बनाई है और यह माहौल बनाने का इरादा किया है कि सालों पहले पार्टी ने जो वादा किया था उसे निभाया है।

क्या है बीजेपी का प्लान?

अगले महीने होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में राम मंदिर ट्रस्ट ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों, सभी राष्ट्रीय पार्टी प्रमुखों, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी, दलाई लामा और फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, मधुरी दीक्षित को आमंत्रित किया है। सियासी तौर यह माना जा रहा है कि बीजेपी को लगता है कि यह कार्यक्रम पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव की लड़ाई में एक अहम कड़ी साबित होगा, धारा 370 हटाए जाने और राम मंदिर बनाए जाने के दोनों मुद्दों को बीजेपी के बहुत पुराने वादों के तौर पर देखा जाता है, पार्टी अपने प्रचार में खासतौर पर यह कहेगी कि हमने वादे पूरे कर दिए हैं।

आरएसएस और वीएचपी भी हैं एक्टिव

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक आरएसएस ने 22 जनवरी यानी राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के दिन देशभर की अपनी 45 इकाइयों से एक हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं को घर घर पहुंच कर यह संदेश देने के लिए कहा है कि वह अपने पास के मंदिर में जाएं और अयोध्या के कार्यक्रम से जुड़ाव महसूस करें। आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद और राम मंदिर ट्रस्ट ने कई साझा बैठकें कर चुका है। इस तरह की बैठकों का आयोजन काशी, अवध, ब्रज, मेरठ और उत्तराखंड प्रंत में किया गया था। कार्यक्रम के बाद अलग-अलग प्रान्तों के आरएसएस कार्यकर्ताओं को भी मंदिर के दर्शन करने का मौका दिया जाएगा। काशी क्षेत्र के लगभग 25,000 स्वयंसेवकों को 30 जनवरी को अयोध्या का दौरा करने के लिए तैयार किया गया है।

विधायक के फॉलो वाहन पर फायरिंग और इंजीनियर के अपहरण में शामिल

पांच नक्सलियों ने किया सरेंडर

बीजापुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजापुर में वर्ष 2021 में पीएमजीएसवाय के एक इंजीनियर और वर्ष 2023 में बीजापुर विधायक के फॉलो वाहन में फायरिंग सहित 32 बड़ी वारदातों में शामिल रहे पांच नक्सलियों ने नक्सली संगठन में उपेक्षा व भेदभावपूर्ण व्यवहार से त्रस्त होकर पुलिस के आलाअफसरों के समक्ष आत्मसमर्पण किया हैं।

बीजापुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को गंगालूर व भैरमगढ़ एरिया कमेटी के तहत मिलिशिया कमांडर,डिप्टी कमांडर, मिलिशिया सदस्य और जीआरडी सदस्य ने नक्सलियों की खोखली विचारधारा, भेदभाव पूर्ण व्यवहार, उपेक्षा व प्रताड़ना से तंग आकर छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास व समर्पण नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वाले में पदेड़ा आरपीसी मिलिशिया सदस्य गुड्डू ताती पिता सोमलु ताती उम्र 23 निवासी काकेकोरमा, पायकू हेमला पिता आयतु हेमला उम्र 25 निवासी पालनार, मिलिशिया ए सेक्शन डिप्टी कमाण्डर सन्नू ताती पिता बुधराम ताती उम्र 23 निवासी बोड़लापुसनार, जीआरडी सदस्य संतु पोटाम पिता स्व. कोवा पोटाम निवासी बोड़लापुसनार व मिरतुर एलओएस अंतर्गत चेरली मिलिशिया कमांडर सोनारू कारम उर्फ रवि पिता बोडडा कारम उम्र 32 निवासी चेरली शामिल हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप पत्र दायर

झारखण्ड में अवैध रेत, शराब और भूमि बिक्री से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखण्ड में रेत, शराब और जमीन की अवैध बिक्री से जुड़ी जांच में धनशोधन रोधी कानून के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया कि वर्ष 2021-22 के बीच 14 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध की आय मिली है। अभियोजन शिकायत 16 दिसंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष दायर की गई थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि अदालत ने 23 दिसंबर को आरोप पत्र पर संज्ञान लिया। आरोप है कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला झारखण्ड पुलिस द्वारा जोगेंद्र तिवारी और अन्य के खिलाफ रेत और शराब की अवैध बिक्री के अलावा जमीन की फर्जी बिक्री, खरीद समेत कई आपराधिक गतिविधियों से संबंधित 19 एफआईआर से जुड़ा है।

हजारीबाग से चार साल के बच्चे का अपहरण

2.95 लाख में बेचा एक हफ्ते बाद बचाया गया, अब तक छह गिरफ्तार

रांची, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले से अपहरण किए गए चार साल के बच्चे को एक हफ्ते बाद बचा लिया गया है। दरअसल, बच्चे को हजारीबाग से अपहरण कर कोडरमा जिले के एक दंपति को 2.95 लाख रुपये में बेच दिया गया था। पुलिस के अनुसार इस मामले में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में शामिल सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने कहा, 'आरोपियों को हजारीबाग के ओक्नी इलाके से 18 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। बच्चे को कोडरमा से 25 दिसंबर को रेस्क्यू किया गया। इस अपराध में शामिल सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।' उन्होंने आगे बताया कि आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन और कपड़े की चादर बरामद की गई, जिसमें उन्होंने बच्चे को रखा था।

बच्चे को कोडरमा के दंपति गीता देवी और रोहित रविदास को 2.95 लाख रुपये में बेच दिया गया था। अधिकारी ने बतया कि दंपति को अपने वंश को आगे बढ़ाने के लिए एक बच्चा चाहिए था। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि ज्योति कुमार और कन्हैया कुमार को जब इसके बारे में पता चला तो उन्होंने दंपति को बताया कि वे एक एनजीओ के बारे में जानते हैं जो उन्हें बच्चा गोद लेने में सहायत कर सकती है। इसी के साथ दोनों के बीच 2.95 लाख रुपये की डील हुई।

18 दिसंबर को ज्योति और कन्हैया ने बच्चे का अपहरण कर दंपति को दे दिया। अपने बेटे की तलाश में बच्चे के घरवालों ने पुलिस स्टेशिन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज के जरिए उन्होंने करीना देवी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

'भारत में न्याय का नया अध्याय शुरू होगा'

3 नए कानून को मिली मंजूरी, सीएम साय ने पीएम और शाह से कहा-धन्यवाद

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अंग्रेजों के जमाने के बने तीन कानून अब खत्म हो चुके हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने तीनों नए क्रिमिनल लॉ बिल को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में संसद में पारित तीन आपराधिक विधेयकों जिनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य बिल को अपनी स्वीकृति दे दी है। राष्ट्रपति की सहमति के बाद संसद की ओर से पारित ये विधेयक अब कानून का रूप ले लिया है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर लिखा कि 'भारत की राष्ट्रपति महोदया द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता को मंजूरी प्रदान की गई है। इससे भारत में न्याय का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा। भारत की महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता को मंजूरी प्रदान की गई है। इससे भारत में न्याय का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा।

बता दें कि इन तीन आपराधिक विधेयकों का उद्देश्य अनिवार्य रूप से औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को पुनर्जीवित करना है, जिसमें आतंकवाद, लिंचिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अपराधों के लिए दंड बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पिछले गुरुवार को गृहमंत्री अमित शाह ने उच्च सदन में एक बहस का जवाब देते हुए कहा था कि भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को निरस्त करने और प्रतिस्थापित करने वाले विधेयक आपराधिक न्याय प्रणाली में एक नए युग की शुरुआत करेंगे।

क्या है इस नए कानून में

- मॉब लिंचिंग में फांसी की सजा का प्रावधान
- हिट एंड रन केस में 10 साल की सजा
- अस्पताल पहुंचाने पर सजा कम हो सकती है
- राजद्रोह खत्म,अब देशद्रोह कानून होगा, देशद्रोह में 7 साल से आजीवन जेल तक की सजा होगी
- ई-एफआईआर पर दो दिन के अंदर जवाब देना होगा

विभागों के बंटवारे पर बोले मंत्री श्याम बिहारी

'जो मिलेगा, उसे उपजाऊ बना दूंगा'

मनेन्द्रगढ़, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद गृह जिले मनेन्द्रगढ़ पहुंचे। मनेन्द्रगढ़ से विधायक और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे पर जवाब दिया है। मंत्रालय बंटवारे को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा है कि मैं किसान का बेटा हूं। चट्टान में हम फसल उगाते हैं। मुझे कोई भी मंत्रालय मिलेगा। उसे हम उपजाऊ बनाकर नई पहचान दिलाएंगे। बता दें कि कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज मनेन्द्रगढ़ कलेक्ट्रेट के पास कृषि उपज मंडी समिति मैदान में आयोजित किसानों को बोनस वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने उज्ज्वला योजना के तहत हितग्राहियों को गैस वितरण किया। वहीं कई सरकारी योजनाओं के प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति पत्र भी बांटे। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद श्याम बिहारी जायसवाल पहली बार किसी सरकारी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे।

तो इस दौरान जब उनसे यह सवाल पर कैबिनेट मंत्री बनने के बाद आप बतौर मुख्य अतिथि किसानों के कार्यक्रम में पहुंचे हैं। कहीं ना कहीं यह न माना जाए कि आप कृषि मंत्रालय संभालने जा रहे हैं तो उन्होंने कहा जो भी मंत्रालय मिलेगा। उसमें बेहतर करने की कोशिश करूंगा। मैं किसान का बेटा हूं। हम चट्टानों में फसल उगाते हैं जो भी मंत्रालय मिलेगा। उसे उपजाऊ बनाकर एक नई पहचान देंगे।

लोकसभा स्पीकर आज आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अपने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर बुधवार को रायगढ़ पहुंचेंगे। यहां वे मध्य भारत के सबसे बड़े सर्व सुविधायुक्त सामाजिक भवन का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा है। उनका रायपुर में कोई कार्यक्रम नहीं है। वह 27 दिसंबर की दोपहर 1.40 बजे रायपुर आकर रायगढ़ जाएंगे। फिर वहां से रात 9.15 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। कार्यक्रम का आयोजन अग्रोहा धाम चैरिटेबल ट्रस्ट रायगढ़ ने किया है।

एशिया के सबसे बड़े प्लांट में नहीं थम रही चोरियां

चोरी करते हुए चोर को दबोचा

भिलाई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे बड़े प्लांट में चोरी मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के अंदर से लोहा और कॉपर चोरी करने का है। नई तरीका अपनाते हुए चोर ने चोरी करने के लिए चार पहिया वाहन को मॉडीफाइड कर प्लांट के अंदर चोरी का सामना ले जाते हुए चोर को सीआईएसएफ के जवानों ने पकड़ लिया।

सीआईएसएफ ने चेकिंग के दौरान एक कार को पकड़ा। कार चालक ने प्लांट में चोरी करने के लिए कार में गुप्त केबिन बना रखा था। इसके अलावा प्लांट में प्रवेश करने के लिए दूसरे बीएसपी कर्मी के नाम का फर्जी गेटपास बनवा रखा था। भट्ठी पुलिस ने आरोपी के पास से कार व करीब 170 किलो कॉपर वायर को जब्त कर गिरफ्तार किया है। भिलाई भट्ठी थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि सीआईएसएफ के एसआई धमेंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। कि प्लांट के मेनगेट पर पहली पारी में आरक्षक रवि प्रकाश ड्यूटी पर तैनात था। सुबह करीब 7 बजे एक सफेद रंग की कार मेन गेट के आउट गेट से बाहर जाने के लिए पहुंची। उस दौरान आरक्षक ने कार को रोक लिया। कार की चेकिंग दौरान कार की पिछली सीट के नीचे गुप्त केबिन नजर आया। जिसे खोलकर चेक करने पर अंदर कॉपर केबल का स्क्रैप मिला। पूछताछ में कार चालक ने अपना नाम संजय कुमार राठी निवासी मिनी माता नगर एरिया नेवई का होना बताया। इसके बाद कार चालक के पास मौजूद गेट पास की जांच की गई तो उस पर फोटो चालक था लेकिन नाम शिव कुमार वर्मा दर्ज था।

मौके से जब्त कॉपर स्कैप का वजन 170 किग्रा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 8 हजार रुपए आंकी गई है। सीआईएसएफ ने आरोपी को पकड़कर भट्ठी पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी संजय राठी ने बताया कि कार जोरातराई निवासी लक्ष्मी तांडी की थी। उसके साथ ही चोरी की योजना बनाई थी। लक्ष्मी तांडी ने ही उसका फोटो लगाकर दूसरे नाम के गेटपास बनवाकर दिया था। लक्ष्मी तांडी के कहे अनुसार वह प्लांट के अंदर प्रवेश करके ब्लास्ट फर्नेस-8 के पास पहुंचा जहां से उसकी मदद से कॉपर केबल कार के केबिन में छुपा लिया था। पुलिस दूसरा आरोपी लक्ष्मी तांडी की पुलिस ने पतासाजी में जुट है पुलिस ने दोनो आरोपी के खिलाफ धारा 379, 419, 465, 468, 471, 120(बी) के तहत मामला दर्ज किया है आरोपी संजय राठी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

माओवादियों ने मजदूरों को पीटा मिक्सर मशीन को लगाई आग

दूसरे जिलों में भी तांडव

लातेहार, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। नक्सलवाद और माओवाद प्रभावित प्रदेश लातेहार में भाकपा माओवादियों ने पुल निर्माण के काम में लगी मशीन को जलाकर निर्माण ठप कर दिया। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के चुटिया गांव की इस घटना में माओवादियों ने पुल के निर्माण में लगे मजदूरों और मिस्त्री के साथ मारपीट भी की। सोमवार रात की इस घटना के बारे में मजदूरों ने बताया कि चार-पांच नक्सलियों ने मौके पर आकर उन्हें खौफज़दा करने का प्रयास किया।

मजदूरों को गोली मारने की धमकी

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से इलाके में आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। उग्रवादी और पीएलएफआई के नक्सली तांडव कर रहे हैं। बीते दिनों लोहरदगा में भी माओवादियों का तांडव देखा गया। यहां माओवादियों ने तीन नहरों की मरम्मत और पक्कीकरण में लगाए गए मशीनों को भी फूंक डाला। खबरों के अनुसार, उग्रवादियों ने साइट पर सो रहे मजदूरों को गोली मार कर मौत की नींद सुलाने की धमकी भी दी।

दूसरे जिलों में भी उग्रवादियों का तांडव

उग्रवाद प्रभावित झारखंड के एक अन्य जिले में भी नक्सलियों का तांडव दिखा था। खूंटी जिले में पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के उग्रवादियों ने लेवी (पैसों की उगाही) की मांग न पूरी करने पर दो जेनरेटरों को आग के हवाले कर दिया था। हालांकि, इस वारदात को अंजाम देने वाले लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

झारखंड में किसानों से 60 लाख क्विंटल धान खरीदेगी सरकार

कीमत पिछली बार से 250 रुपए ज्यादा

रांची, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार आगामी 28 दिसंबर से किसानों से धान की खरीद करेगी। इस बार किसानों को पिछले साल की तुलना में प्रति क्विंटल धान पर 250 रुपए ज्यादा मिलेंगे। धान की खरीदारी के लिए पूरे राज्य में 600 से ज्यादा केंद्र बनाए गए हैं। झारखंड के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने मीडिया को यह जानकारी दी।

बताया गया कि इस बार सरकारी केंद्रों पर धान बेचने वाले किसानों को कुल कीमत की 50 फीसदी राशि का भुगतान मौके पर ही कर दिया जाएगा, जबकि शेष रकम धान को मिलों में पहुंचाए जाने के बाद मिलेगी। सरकार ने पूरे राज्य में 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। धान खरीद के केंद्र राज्य के सभी 24 जिलों में बनाए गए हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले प्रत्येक किसान से अधिकतम 200 क्विंटल धान की खरीद की जाएगी। सरकार ने सामान्य किस्म के धान का मूल्य 2183 रुपये तय किया है। इसपर राज्य सरकार 117 रुपए का अतिरिक्त बोनस देगी।

यानी प्रति क्विंटल धान पर किसान को 2300 रुपए प्राप्त होंगे। पिछले साल किसानों को प्रति क्विंटल धान पर बोनस सहित 2025 रुपए का भुगतान किया गया था। किसानों को धान बेचने के साथ ही 50 फीसदी रकम का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए झारखंड राज्य खाद्य निगम एक हजार करोड़ रुपए का लोन लेगा। सरकार ने धान क्रय केंद्रों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मैजिस्ट्रेटों की भी तैनाती की है। इस बार राइस मिलरों के लिए सरकार ने प्रति क्विंटल 60 रुपए का इंसेंटिव देने का फैसला किया है। इसके लिए बजट में मंजूरी मिल चुकी है।

रूस की सबसे कठोर जेल में पुतिन विरोधी नेवलनी

आर्कटिक जेल में -28 डिग्री तक गिरेगा पारा; वकील बोले-चुनाव से दूर रखने की साजिश

आर्कटिक, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस की जेल से गायब हुए पुतिन के सबसे बड़े विरोधी एलेक्सी नेवलनी को करीब 20 दिन बाद ढूंढ लिया गया है। वो आर्कटिक सर्कल के उत्तर में एक जेल में बंद हैं। इस जेल को रूस की सबसे कठोर जेलों में से एक कहा जाता है। यहां वो कैदी रहते हैं, जो बेहद खतरनाक अपराधों में दोषी होते हैं। पोलर वुल्फ के नाम से मशहूर इस जेल में अगले हफ्ते तापमान माइनस 28 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क जाएगा। यह जेल रूस के उत्तर-पूर्वी इलाके खार्प में मौजूद है, जो मॉस्को से करीब 1900 किमी दूर है। नेवलनी की प्रवक्ता कीरा यारमिश ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि नई जेल पिछले वाली की तुलना में और भी बुरी होने वाली है। नेवलनी के लिए, जीवन जीना और मुश्किल किया जा रहा है।

20 दिन से गायब थे नेवलनी

नेवलनी के वकील इवान ज्दानोव ने बताया- नेवलनी के गायब होने के बाद हमने उनकी जानकारी के लिए अधिकारियों के पास 618 रिक्वेस्ट भेजी थी। रूसी अधिकारी नेवलनी को अगले साल मार्च में होने राष्ट्रपति चुनावों से दूर रखने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इससे पहले नेवलनी को मॉस्को से करीब 235 किमी दूर एक जेल में रखा गया था। उन्होंने कहा था- रूसी नेता मुझे खतरे के तौर पर देखते हैं। बतौर कैदी मैं चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा, इसलिए मुझे गिरफ्तार किया गया। मुझ पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। रूस का ज्यूडिशियल सिस्टम भ्रष्ट है।

प्रवक्ता यारमिश ने कहा- कुछ दिन पहले ही जेल में उनकी तबियत भी काफी बिगड़ गई थी। वो जमीन पर पड़े हुए मिले थे। उन्हें जेल में खाना नहीं दिया जाता था। उन्हें एक ऐसी सेल में रखा जाता था, जहां वेंटिलेशन नहीं था। जब उनकी तबियत बिगड़ी थी तब ऐसा लगा था कि जैसे वो भूख की वजह से बेहोश हुए थे।

रूस में 19 साल की सजा काट रहे नेवलनी

नेवलनी को इस साल अगस्त में 19 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन पर चरमपंथी समुदाय बनाने और उन्हें बढ़ावा देने के मामले में दोषी पाया गया था। इससे पहले भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों में उन्हें 12 साल की सजा दी गई थी। नेवलनी ने यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन के खिलाफ जेल से अभियान चलाया था। खबर के मुताबिक, अगस्त में सजा सुनाए जाने के बाद नेवलनी ने कहा था कि सालों की ये सजा उनके लिए मायने नहीं रखती।

नवलनी पर 2017 में जानलेवा हमला हुआ था। हमले में उनकी आंख में गंभीर चोट आई थी। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में खड़े होने की कोशिश की लेकिन धोखाधड़ी के आरोप के चलते वो ऐसा न कर सके। एलेक्सी ने इसे सरकार की साजिश बताया था। जुलाई 2019 में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करने के ऐलान के बाद नेवलनी को 1 महीने की जेल हुई थी।

2020 में जहर देने की कोशिश हुई

उस वक्त जेल में तबियत बिगड़ने के बाद कहा गया कि नेवलनी को जहर देने की कोशिश हुई है। इसके बाद साल 2020 में भी उन्हें जहर देने की कोशिश की गई। वह फ्लाइट में बेहोशी की हालत में पाए गए थे, जिसके बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ठीक होने के बाद गिरफ्तारी की खतरे के बीच नेवलनी 2021 में रूस लौटे। रूस में कदम रखते ही सेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, 14 से ज्यादा क्रिमिनल केस चल रहे हैं, जिनमें उसे 35 साल तक जेल की सजा हो सकती है।

सोवियत काल में बनी पोलर वुल्फ जेल

आर्कटिक सर्कल से करीब 60 किमी उत्तर में मौजूद पोलर वुल्फ जेल को 1960 के दशक में बनाया गया था। ये सोवियत संघ के गुलाग सिस्टम का हिस्सा थी, जिसके तहत राजनीतिक और खतरनाक अपराधियों के इस जेल में रखा जाता था। यहां कई महीनों तक तेज ठंड का दौर रहता है। वहीं गर्मियों में मच्छरों से इलाका घिरा रहता है। स्टालिन के राज में जेल में मौजूद कैदियों को रूसी आर्कटिक में रेलवे लाइन बनाने का काम सौंपा गया था। हालांकि, ये कभी पूरी नहीं हो सका। यहां से भागना या किसी कैदी को संपर्क करना बेहद मुश्किल होता है।

पाकिस्तान में पहली बार कोई हिंदू महिला लड़ेगी चुनाव, फाइल किया नॉमिनेशन

खैबर पख्तूनख्वा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अगले साल 2024 में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में पहली बार खैबर पख्तूनख्वा के बुनेर जिले में एक हिंदू महिला ने सामान्य सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सवेरा प्रकाश नाम की हिंदू महिला ने बुनेर जिले में पीके-25 की सामान्य सीट के लिए आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। हिंदू समुदाय की सदस्य सवेरा प्रकाश अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। सवेरा प्रकाश के पिता का नाम ओमप्रकाश है, जो एक रिटायर डॉक्टर है। वो पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सदस्य भी रह चुके है।

सवेरा प्रकाश मेडिकल की स्टूडेंट

रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार (25 दिसंबर) को खैबर पख्तूनख्वा के एक स्थानीय नेता सलीम खान, जो कौमी वतन पार्टी से जुड़े हैं, उन्होंने कहा कि सवेरा प्रकाश बुनेर से सामान्य सीट पर आगामी चुनाव के लिए नामांकन पत्र जमा करने वाली पहली महिला है। सवेरा प्रकाश ने एबटाबाद इंटरनेशनल मेडिकल कॉलेज से 2022 में ग्रेजुएशन किया है। वो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी महिला विंग के महासचिव के रूप में कार्यरत है। सवेरा प्रकाश ने महिला विंग के महासचिव के रूप में काम करते हुए समुदाय के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने महिलाओं की बेहतरी के लिए काम किया है। इसके अलावा वातावरण को साफ रखने के लिए भी काम किया है। उन्होंने विकास क्षेत्र में महिलाओं की ऐतिहासिक उपेक्षा और दमन पर भी जोर दिया और निर्वाचित होने पर उनका लक्ष्य इन मुद्दों को संबोधित करना है।

पाकिस्तान में सामान्य सीटों पर महिला उम्मीदवार

डॉन को दिए एक इंटरव्यू में सवेरा प्रकाश ने कहा कि वो अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए क्षेत्र के वंचितों के लिए काम करेंगी। उन्होंने 23 दिसंबर को अपना नामांकन पत्र जमा किया और उम्मीद जताई कि पीपीपी का वरिष्ठ नेतृत्व उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेगा। मेडिकल फैमिली से ताल्लुक रखने वाली सवेरा प्रकाश ने कहा कि मानवता की सेवा करना मेरे खून में है। अपने मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही उनका सपना विधायक बनने का था। वो चाहती हैं कि सरकारी अस्पतालों में खराब प्रबंधन और लाचारी को वो दूर कर सकें। पाकिस्तान चुनाव आयोग के हालिया संशोधनों में सामान्य सीटों पर पांच फीसदी महिला उम्मीदवारों को शामिल करना अनिवार्य है।

पुतिन ने मित्र देशों के लिए टैरिफ वरीयता के कानून पर किए हस्ताक्षर

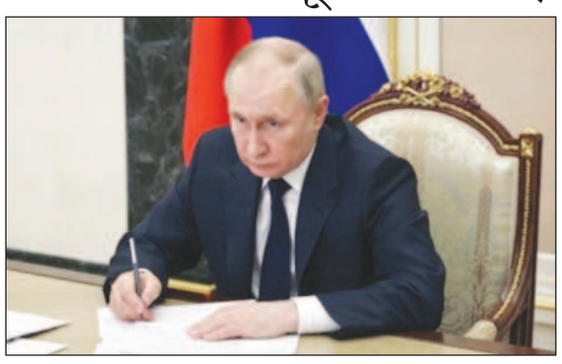

मॉस्को, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं जो सरकार को 'मित्र देशों' को कुछ वस्तुओं के निर्यात शुल्क को अस्थायी रूप से कम करने या पूरी तरह से समाप्त करने का अधिकार देता है।

हस्ताक्षरित कानून रूसी सरकार को छह महीने तक की अवधि के लिए मित्र देशों को शिपमेंट पर निर्यात शुल्क कम करने का अधिकार देगा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार उत्पादों की एक निश्चित मात्रा के लिए निर्यात शुल्क को एक वर्ष से अधिक के लिए अस्थायी रूप से कम या रद्द कर सकती है। जब यह उपाय पहली बार अगस्त में पेश किया गया था, तो रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने कहा था कि इसका उद्देश्य मित्र देशों में रूसी निर्यात बढ़ाना है। सरकार ने मिशुस्टिन के हवाले से कहा, सरकार अनाज, उर्वरक और कच्चे माल की आपूर्ति में वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार टैरिफ प्राथमिकताओं के लिए एक विशेष लचीला उपकरण पेश करने का सुझाव देती है। इस उपाय से बाहरी प्रतिबंधों का सामना करने वाले रूसी व्यवसायों का समर्थन करना संभव हो जाएगा, उन्होंने कहा, ऐसे क्षेत्र जहां रसद मार्गों में बदलाव के कारण परिवहन लागत में वृद्धि हुई है और परिणामस्वरूप, निर्यात की कीमत में वृद्धि हुई है।

इजराइल-हमास जंग से जीसस के जन्मस्थान पर क्रिसमस सेलिब्रेशन नहीं

फिलिस्तीनी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच क्रिसमस सेलिब्रेशन फीका पड़ गया है। इजराइली कंट्रोल वाला फिलिस्तीनी शहर बेथलहम प्रभु यीशु का जन्मस्थल है। यहां सड़कों पर रौनक नहीं है। अंधेरा और सन्नाटा पसरा हुआ है। ईसा मसीह के जन्मदिन यानी क्रिसमस की खुशी यहां देखने को नहीं मिली।

बेथलहम के किसी भी चर्च में क्रिसमस ट्री नहीं सजा। वहीं, इवेंजेलिकल लूथरन चर्च में एक झांकी बनाई गई है। इसमें पत्थरों के बीच नवजात प्रभु यीशु दिख रहे हैं। चर्च के पादरी फादर डॉ. मुंथर इशाक ने बताया कि यह झांकी फिलिस्तिनियों की स्थिति दिखाती है।

हमास-इस्लामिक जिहाद ने ठुकराया इजिप्ट का प्रस्ताव

गाजा की हुकूमत छोड़ने को तैयार नहीं; नेतन्याहू बोले-आतंकियों के खात्मे तक जंग नहीं रुकेगी

तेल अवीव, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास की जंग थमने की एक और उम्मीद को बड़ा झटका लगा है। रविवार इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकी संगठनों ने इजिप्ट के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें कहा गया था कि अगर ये दोनों संगठन गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत को सौंप देते हैं तो इजराइल परमानेंट सीजफायर कर देगा। दूसरी तरफ, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा का दौरा किया। बाद में कहा- हम फिर साफ कर देना चाहते हैं कि इजराइली सेना इस जंग को तब तक बंद नहीं करेगी, जब तक वो यहां से हर आतंकी संगठन का कब्जा खत्म नहीं कर देती।

सीजफायर की गुंजाइश फिलहाल खत्म

इजिप्ट में कई दिनों से हमास, इस्लामिक जिहाद और कुछ इजराइली अफसरों के बीच बातचीत चल रही थी। इसका मकसद गाजा में परमानेंट सीजफायर कराना था। इजिप्ट ने हमास और इस्लामिक जिहाद के सामने प्रस्ताव रखा था कि अगर वो परमानेंट सीजफायर चाहते हैं तो दो शर्तें माननी होंगी। पहली- तमाम बंधकों को फौरन रिहा करना होगा। दूसरी- गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत या संगठन को सौंपनी होगी। दोनों ही संगठनों ने यह मांग खारिज कर दी।

एजेंसी 'रॉयटर्स' से बातचीत में हमास के एक नेता ने कहा- इजिप्ट वाले हमारे भाई हैं, लेकिन उनकी दोनों बातें नहीं मानी जा सकतीं। सबसे पहले तो इजराइली हमले बंद होने चाहिए। इसके बाद कोई बातचीत हो सकेगी। इसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल होगी। इस बातचीत में कतर भी शामिल था।

गाजा के स्कूल से हथियार बरामद

इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने गाजा सिटी के दाराज और तुफा इलाकों में रेड की। इस दौरान एक स्कूल से घातक हथियार और फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली जैकेट्स बरामद की गईं। एक इजराइली अफसर ने कहा- हमास के एक आतंकी ने पूछताछ में हमें इस स्कूल के बारे में बताया था। हालांकि, जब हमारी टीम ने वहां छापा मारा तो न सिर्फ हथियार और सुसाइड जैकेट्स मिले, बल्कि कई आतंकी भी गिरफ्तार किए गए। ये सभी लोग स्कूल और बाजू के एक कॉम्प्लेक्स में छिपे थे। इजराइली सेना का मानना है कि नॉर्थ गाजा के दाराज-तुफा में हमास की जो बटालियन मौजूद है, वो इस इलाके में मौजूद आतंकी संगठन का आखिरी दस्ता है। रेड में सैकड़ों बंदूक, हैंड ग्रेनेड और 15 फिदायीन जैकेट्स बरामद हुईं। इजराइली सेन ने इसका वीडियो और फोटो भी जारी किए हैं। कुछ दिन पहले इजराइली सेना पर इसी स्कूल से मिसाइल दागी गई थी। इसमें दो इजराइली सैनिक मारे गए थे।

जंग जल्द खत्म नहीं हो सकती

नेतन्याहू ने सोमवार को गाजा का दौरा किया। यहां वो मोर्चे पर तैनात सैनिकों से मिले। तेल अवीव लौटने के बाद उन्होंने पार्टी सांसदों से बातचीत की। कहा- जंग हम रुकने वाले नहीं हैं। इजराइल इस बार जंग को अंजाम तक पहुंचाकर ही दम लेगा। आने वाले दिनों में यह जंग और तेज होगी।

ईरान ने हिंद महासागर में टैंकर पर हमला करने के अमेरिकी आरोप को किया खारिज

तेहरान, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने सोमवार को अमेरिका के इस आरोप को खारिज कर दिया कि एक ईरानी ड्रोन ने हिंद महासागर में रसायनिक टैंकर पर हमला किया था।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी रक्षा विभाग के शनिवार के बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए तेहरान में एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। इसके पहले अमेरिका ने दावा किया था कि मोटर जहाज सीएचईएम प्लूटो पर ईरान से हमेशा दागे गए ड्रोन से हमला किया गया था। कनानी ने कहा, अमेरिकी आरोप अंतहीन हैं, उन्होंने उन्हें 'बेकार' कहकर खारिज कर दिया और कहा कि उनका उद्देश्य 'वैश्विक जनमत को भटकाना और गाजा में इजरायली हमलों के लिए अमेरिकी सरकार के पूर्ण समर्थन को छिपाना है।' कनानी ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय जल के माध्यम से समुद्री परिवहन और व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा रहा है और उस उद्देश्य के लिए जिम्मेदारी से काम किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के बयान के अनुसार, रासायनिक टैंकर पर शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे भारत के तट से 200 समुद्री मील दूर हिंद महासागर में हमला किया गया। बयान में कहा गया, हमले में कोई हताहत नहीं हुआ और टैंकर में लगी आग बुझा दी गई है। पिछले हफ्तों में, कथित तौर पर यमन स्थित हौथी समूह द्वारा लाल सागर में कई वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया गया था, जिसने कहा कि उसके मिसाइल और ड्रोन हमले फिलिस्तीनी लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में शुरू किए गए हैं। अमेरिकी और ब्रिटिश अधिकारियों ने ईरान पर हमलों के पीछे होने का आरोप लगाया है, जिसे ईरान ने 'निराधार' कहकर दृढ़ता से खारिज कर दिया है।

ब्रिगेडियर जनरल मौसवी की हत्या के लिए इजराइल को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत : ईरानी राष्ट्रपति

तेल अवीव, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने कहा है कि सीरिया में हवाई हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ब्रिगेडियर जनरल रजी मौसवी को मारने के लिए इजरायल को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरानी राष्ट्रपति ने एक प्रेस बयान में कहा, बिना किसी संदेह के, यह कार्रवाई क्षेत्र में कब्जा करने वाले जायोनी शासन की हताशा, असहायता और अक्षमता का एक और संकेत है। ब्रिगेडियर जनरल मौसवी सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास सईदा ज़ैनब इलाके में एक हवाई हमले में मारे गए।

आईआरजीसी में एक उच्च पदस्थ अधिकारी मौसवी सीरिया में ईरान के सैन्य अभियानों का समन्वय कर रहे थे। इजरायल ने आरोप लगाया है कि ब्रिगेडियर जनरल मौसवी हिज्बुल्लाह को हथियारों और सामग्रियों की आपूर्ति के समन्वय के लिए जिम्मेदार थे। हालांकि, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने मौसवी की हत्या पर कोई टिप्पणी नहीं की।

इजरायलियों का आरोप है कि ईरान और उसकी आईआरजीसी हमास और हिजबुल्लाह का समर्थन कर रहे हैं, जो इजरायल पर हमले के लिए समन्वय में काम करते हैं। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, तेल अवीव एक कठिन उलटी गिनती का सामना कर रहा है।

आठ साल की बच्ची के सामने पत्नी को गोली मारकर हत्या, बाद में खुद को भी ली जान

वॉशिंगटन, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के हवाई से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक 33 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की उसके पति ने गोली मारकर हत्या कर दी। जिस वक्त घटना हुई उस वक्त उनकी आठ साल की बच्ची मौके पर ही मौजूद थी। बताया जा रहा है कि शख्स ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। रिपोर्ट के अनुसार, दिल दहलाने वाली यह घटना सुबह पर्लरिज सेंटर की पार्किंग में हुई। पुलिस अधिकारी इस घटना की हत्या और आत्महत्या के रूप में जांच रहे हैं। वाइपाहू में हाउस ऑफ ग्लैम हवाई एलएलसी की मालिक और तीन बच्चों की मां थेरेसा कैपुएला की उनके 44 वर्षीय पति जेसन कैपुएला ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी।

नॉर्थ कोरिया में क्रिसमस पर बैन

अमेरिका से लोगों के लिए समुद्र में फेंके तोहफे बोतल में बंद कर बाइबल के पन्ने भी डाले

उत्तर कोरिया, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में क्रिसमस की धूम है। इस बीच एक देश ऐसा भी है, जहां क्रिसमस पर बैन लगा है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया में कई तरह के प्रतिबंधों के बीच ईसाई धर्म पर भी बैन है। इस वजह से लोग क्रिसमस सेलिब्रेट नहीं करते। इसके बावजूद अमेरिका से कुछ एक्टिविस्ट समुद्र के रास्ते से लोगों के बीच खुशियां भेजने की कोशिश कर रहे हैं। एक्टिविस्ट्स ने यलो सी में कुछ गिफ्ट फेंके हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये तोहफे जल्द नॉर्थ कोरिया के तटीय शहरों तक पहुंचेंगे।

इसके लिए एक ऑपरेशन भी चलाया गया है। न्यूज के मुताबिक, ऑपरेशन ट्रुथ के तहत नॉर्थ कोरियाई लोगों के लिए बोतल में बंद करके बाइबिल के पन्ने भी फेंके गए हैं। इसके अलावा इसमें लोगों के खाने के लिए चावल और एक अमेरिकी डॉलर भी रखा गया है।

1948 के बाद नॉर्थ कोरिया में क्रिसमस सेलिब्रेशन रुका

उत्तर कोरिया के शासन का विरोध करने वाले कांग जिमिन ने 2017 में 'द इंडिपेंडेंट' को बताया था- 1907 तक प्योंगयांग को होली सिटी कहा जाता था। लोग जीसस को मानते थे। 1948 में किम इल सुंग सत्ता पर काबिज हुए। वे चाहते थे कि नॉर्थ कोरिया के लोग उन्हें भगवान मानें। कई ईसाई इसके खिलाफ थे, इसलिए किम इल सुंग ने ईसाइयों को मारना शुरू कर दिया। कई क्रिश्चियन लोगों को जेल भेज दिया। वे ईसा मसीह में भरोसा रखने वाले लोगों को खत्म करना चाहता था। उस समय के बाद से देश में क्रिसमस एक तरह से बैन हो गया और लोगों ने इसे सेलिब्रेट करना बंद कर दिया।

ब्रिटेन की रॉयल फैमिली ने भी मनाया क्रिसमस

क्रिसमस के मौके पर दुनियाभर में चर्च सजे हुए हैं। चीन में लाइट शो आयोजित किया गया है। यहां क्रिसमस ट्री के साथ लोग फोटो खींचते नजर आए। वहीं, ब्रिटेन में रॉयल फैमिली ने भी साथ में ही ईसा मसीह का जन्मदिन सेलिब्रेट किया। किंग चार्ल्स, प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन पूरे परिवार के साथ इंग्लैंड के नॉरफॉक में सैंड्रिंघम शहर के सेंट मैरी मैग्डलीन चर्च पहुंचे। यहां सभी ने लोगों से मुलाकात की और क्रिसमस की बधाई दी।

हमास के तीन वरिष्ठ सदस्यों पर प्रतिबंध लगाएगा जापान

टोक्यो, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जापान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि वह हमास के तीन वरिष्ठ सदस्यों की आतंकवाद को वित्तपोषित करने की क्षमता को सीमित करने के लिए उन पर प्रतिबंध लगाएगी। मीडिया रिपोर्टों में एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई है।

रॉयटर्स के अनुसार, टोक्यो के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि तीनों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। इजराइल के मुताबिक जापान का मानना है कि हमास के इन तीन वरिष्ठ सदस्यों का फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के 7 अक्टूबर के नरसंहार में भूमिका थी, और वर्तमान में वे ऐसी आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए धन का उपयोग करने की स्थिति में हैं।

ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में भयानक तूफान

1 की मौत, 1,20,000 से ज्यादा घरों में बिजली गुल

सिडनी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में क्रिसमस की रात राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में आए भीषण तूफान के कारण एक महिला की मौत हो गई और 1,20,000 से ज्यादा घरों में बिजली गुल हो गई। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

लोकल न्यूज पेपर द कूरियर-मेल के अनुसार, गोल्ड कोस्ट शहर के एक उपनगर हेलेंसवेल में 50 वर्षीय महिला की सड़क पर चलते समय एक पेड़ के गिरने से मौत हो गई। न्यूजपेपर ने कहा कि गोल्ड कोस्ट, सीनिक रिम और लोगान में तूफान के चरम के दौरान लगभग 1,27,000 घरों में बिजली नहीं थी। क्रिसमस की रात दक्षिण पूर्व क्वींसलैंड में आए खतरनाक तूफान के चलते कई घर और पेड़ गिर गए। स्थानीय बिजली कंपनी एनर्जेक्स के कर्मचारी 875 गिरी हुई बिजली लाइनों की मरम्मत करने के लिए मौके पर पहुंचे। बिजली कई दिनों तक गुल रह सकती है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार दोपहर को गंभीर तूफान की चेतावनी जारी की गई। ऑस्ट्रेलियाई एबीसी न्यूज ब्रॉडकास्टर ने शनिवार को बताया कि असामान्य मौसम पैटर्न के कारण इस साल क्रिसमस की अवधि के दौरान पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में भीषण तूफान आने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भीषण तूफान का दौर आएगा क्योंकि अंटार्कटिका से निकलने वाली ध्रुवीय हवा क्रिसमस की पूर्व संध्या से 'बॉक्सिंग डे' तक या रविवार से मंगलवार तक सीधे दक्षिणपूर्वी राज्यों में चलने की उम्मीद है।

भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार आज

पिछड़े वर्ग को मिलेगा ज्यादा प्रतिनिधित्व

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में मंत्रिमंडल के गठन के बाद अब राजस्थान की बारी है। यहां की नई भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बुधवार को शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। मंत्रिमंडल नए-पुरानों का गुडमिक्स होगा, जैसे की छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में देखने को मिला है।

प्रदेश की नई भजनलाल शर्मा सरकार का नया मंत्रिमंडल बुधवार को शपथ ले सकता है। हालांकि सरकार की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है लेकिन सूत्रों के मुताबिक 27 दिसंबर को शपथ ग्रहण हो सकता है। करीब 22 से 25 मंत्री इस समारोह में शपथ ले सकते हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर भजनलाल हैं। शपथ ग्रहण में 22 से 25 मंत्री शपथ ले सकते हैं और इनमें 8 से 10 मंत्री ओबीसी से होने की संभावना है।

22 से 25 नाम हो सकते हैं शामिल

अब तक मंत्रिमंडल के शपथ समारोह की तारीख का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है लेकिन सूत्रों के मुताबिक 27 दिसंबर को शपथ ग्रहण हो सकता है। करीब 22 से 25 मंत्री इस समारोह में शपथ ले सकते हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर भजनलाल

सरकार का ये मंत्रिमंडल नए और पुरानों का गुडमिक्स होगा। राजस्थान के मंत्रीमंडल में भी करीब 10 से 12 चेहरों को पहली बार मंत्री के रूप में सामने लाया जा सकता है।

पिछड़े वर्ग को मिल सकता है प्रतिनिधित्व

नए मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा पिछड़े वर्ग को प्रतिनिधित्व मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक नए मंत्रिमंडल में 8 से 10 मंत्री पिछड़े वर्ग से हो सकते हैं। शेखावाटी, मेवाड़, वागड़, मारवाड़ और पूर्वी राजस्थान को नए मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाना है। मंत्रिमंडल नए और पुरानों का मिक्स होगा। इसमें कुछ पहली बार मंत्री बन सकते हैं और कुछ ऐसे चेहरे भी होंगे जिनके पास पुराना अनुभव होगा।

सरकार के मंत्रिमंडल मंत्रीमंडल में शामिल होने वाले चेहरों में सबसे मजबूत दावेदार डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, अनिता भदेल, ओटाराम देवासी, गुरवीर सिंह, जगत सिंह, जवाहरसिंह बेडम, बाबा बालकनाथ, जसवंत सिंह, जोगाराम पटेल, अविनाश गहलोत, छोटू सिंह, किशन कुमार बिश्नोई, केसाराम चौधरी, गजेंद्रसिंह खींवसर, झाबरसिंह खर्रा, प्रताप भील, फूलसिंह मीणा, बाबू सिंह राठौड़, भागचंद टेकड़ा, मदन दिलावर, शंकर डेचा, हरलाल सहारण, विश्वनाथ मेघवाल के नाम प्रमुख हैं। इनमें किरोड़ीलाल मीणा, अनिता भदेल, गोवर्धन बाबू सिंह राठौड़, मदन दिलावर, ओटाराम देवासी, जसवंत सिंह पहले मंत्री रह चुके हैं।

'डोनेट फॉर देश' लिस्ट में राजस्थान को टॉप पर देखकर इतने खुश क्यों हो रहे अशोक गहलोत?

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने साझा किया लेटेस्ट अपडेट, राजस्थान पहले, महाराष्ट्र दूसरे, यूपी तीसरे नंबर पर, कांग्रेस का 'डोनेट फॉर देश' अभियान, क्राउडफंडिंग में टॉप पर राजस्थान कांग्रेस, डोनेशन का सबसे ज़्यादा हिस्सा 15.90% प्रदेश का, डोनेशन राशि मामले में दूसरे नंबर पर राजस्थान

कांग्रेस पार्टी के क्राउडफंडिंग अभियान 'डोनेट फॉर देश' में अब तक जमा हुई डोनेशन राशि की हिस्सेदारी मामले में राजस्थान ने देश भर के अन्य राज्यों से बाज़ी मार ली है। पांच राज्यों के चुनाव के बाद और लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हुए इस राष्ट्रव्यापी अभियान में 15.90 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी के साथ राजस्थान टॉप पर पहुंच गया है।

टॉप -10 में हरियाणा सबसे 'फिसड्डी'

क्राउडफंडिंग अभियान में डोनेशन की हिस्सेदारी मामले में भाजपा शासित हरियाणा 4.20 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ टॉप-10 राज्यों में सबसे निचले पायदान, यानी दसवें नंबर पर है। इसी सूची में महाराष्ट्र 13.14 प्रतिशत के साथ दूसरे जबकि 11.89 प्रतिशत के साथ उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है।

डोनेशन कलेक्शन में दूसरे नंबर पर प्रदेश

डोनेशन हिस्सेदारी में अव्वल राजस्थान डोनेशन राशि के माले में दूसरे नंबर पर है। इस 'रेस' में महाराष्ट्र ने बाज़ी मारे है। राजस्थान से जहां 26 दिसंबर तक 58 लाख 10 हज़ार 786 रुपए जमा हुए हैं, वहीं टॉप पर बने हुए महाराष्ट्र से सबसे ज़्यादा 84 लाख 29 हज़ार 253 रुपए की राशि जमा हुई है। सभी राज्यों से जमा हुई डोनेशन राशि अब तक 5 करोड़ के भी पार पहुंच गई है।

भजनलाल सरकार का एक्शन, कांग्रेस की इस योजना को किया बंद

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की नई भजनलाल शर्मा सरकार ने पिछली गहलोत सरकार में शुरू की गई राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्न प्रोग्राम को 31 दिसंबर से समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। हालांकि, इस कार्यक्रम की अवधि 31 दिसंबर तक ही थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत असल में बीजेपी की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समय की गई थी, जिसे युवा विकास प्रेरक नाम दिया गया था।

इसके बाद सत्ता में आई तत्कालीन गहलोत सरकार ने नए नाम राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत की। हालांकि, पुरानी योजना भी जारी रही, जिसमें करीब 150 वैकेंसी थी। वहीं, राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्न कार्यक्रम को गहलोत सरकार ने आगे बढ़ाते हुए करीब 2,500 की वैकेंसी निकाली। इसमें 2,000 यंग इंटर्न लिए गए। बाद में इनमें से 300 को निकाल दिया गया। चुनावी साल के बजट में गहलोत सरकार ने यंग इंटर्न की वैकेंसी को 2,500 और बढ़ाने का एलान किया। लेकिन ये भर्तियां हुई नहीं। सरकार में यंग इंटर्न को पहले छह-छह महीने का एक्सटेंशन दिया गया, फिर बाद में इसे तीन-तीन महीने कर दिया गया।

सरकार का कंटेंट सोशल मीडिया पर चलाने का था काम

यंग इंटर्न कार्यक्रम में शामिल होने वाले युवाओं को सरकारी योजनाओं का सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी दी जाती थी। इसके अलावा इन्हें घर-घर जाकर लोगों का सर्वे करना, योजनाओं में नाम जुड़वाना, कार्ड बनवाने जैसे काम भी दिए जाते थे।

गोविंद सिंह डोटासरा का बयान

राजस्थान की भाजपा सरकार ने नए साल से पहले हजारों राजीव गांधी युवा मित्रों का इंटर्नशिप कार्यक्रम समाप्त कर उन्हें बेरोजगारी का गिफ्ट दिया है। अगर भाजपा की राजनीतिक दुर्भावना सिर्फ नाम से थी, तो वो नाम बदल देते लेकिन युवाओं को बेरोजगार क्यों किया? जबकि पिछली भाजपा सरकार में पंचायत सहायकों की नियुक्ति हुई थी। हमारी सरकार आने पर उनका मानदेय बढ़ाकर उन्हें स्थाई करने के प्रावधान का प्रयास किया गया। भाजपा और कांग्रेस की नीति में यही फर्क है।

बीकानेर के नाल और सालासर क्षेत्र में मिले तेल व गैस के भंडार

बीकानेर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश को समृद्धि की ओर ले जाने वाले भूगर्भ के एक और खजाने का पता चला है। बीकानेर से दस किलोमीटर दूर नाल बड़ी और सालासर गांव के पास व्हाइट क्ले की पट्टी के नीचे क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस के भंडार मिले हैं।

बीकानेर-नागौर बेसिन में 2118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के स्केनर मशीनों से सर्वे और 2 डी व 3 डी भूकम्प सर्वे के बाद यह तीन स्थान ड्रिल के लिए तय किए गए हैं। अब वेल ड्रिल (कुआं खोदकर) से गैस और तेल के भंडार की गहराई और क्वालिटी का पता चलेगा।

केन्द्र सरकार ने ड्रिलिंग कर तेल और गैस की क्वालिटी, भूगर्भ में भंडार और नमूने लेने के लिए ओएनजीसी को 60 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट सौंपा है। ओएनजीसी की ड्रिलिंग मशीनें और अन्य सामान बीकानेर के पास नाल क्षेत्र में पहुंच चुका है। यह क्षेत्र तेल और प्राकृतिक गैस के बीकानेर-नागौर

बेसिन का हिस्सा है। साल 2020 से अब तक बीकानेर जिले के लूणकरनसर, खाजूवाला, कोलायत आदि क्षेत्र में भूगर्भ सर्वे कर तेल और गैस का पता लगाया गया। केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की मौजूदगी में ड्रिलिंग कार्य की शुरुआत मंगलवार को नाल में की गई। इसके बाद सालासर में भी ड्रिलिंग होगी। सर्वे में नाल व सालासर के इस क्षेत्र को तेल व गैस निकालने के लिए फिजिबल माना गया है। बीकानेर में 25 मिलियन हैवी क्रूड आयल होने का अनुमान है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 13 जुलाई 2020 को तीन साल के लिए सर्वे का काम एक कंपनी को सौंपा था। कोविड के चलते कार्य अवधि को 20 फरवरी 2024 तक बढ़ाया गया।

इस ब्लॉक में बीकानेर-नागौर बेसिन का 2118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र रखा। भूकम्प सर्वे 2 डी में 291 किलोमीटर और 3 डी में 208 वर्ग किलोमीटर को लिया गया। सर्वे के आधार पर अब तीन स्थान कुआं खोदने (वेल ड्रिल) के लिए तय कर ओएनजीसी को सौंपे गए हैं।

तीन स्थान जहां करेंगे वेल ड्रिल

1. नेशलन हाइवे 11 बीकानेर-जैसलमेर से करीब तीन किलोमीटर दूर कोलायत तहसील के सालासर गांव की रोही में 1522 मीटर गहराई तक ड्रिल कर क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस के नमूने लिए जाएंगे।

2. नेशनल हाइवे 11 बीकानेर-जैसलमेर से 640 मीटर दूर नाल बड़ी गांव के क्षेत्र में 1527 मीटर गहराई तक ड्रिल की जाएगी।

3. नेशनल हाइवे 11 बीकानेर-जैसलमेर से 1.2 किलोमीटर दूर नाल बड़ी की रोही में एक और जगह 1509 मीटर गहराई तक ड्रिल की जाएगी।

बदल जाएगी तस्वीर

भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बीकानेर के नजदीक ही भूगर्भ में क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस के भंडार का पता लगाया है। वेल ड्रिलिंग का कार्य ओएनजीसी कर रही है। इसमें अच्छी गुणवत्ता का क्रूड ऑयल और गैस निकलने पर इस इलाके की तस्वीर बदल जाएगी।

अंग्रेजी शराब के 80 कॉर्टून जब्त

फर्जी नंबर प्लेट सहित मोबाइल और दस्तावेज पुलिस ने पकड़ा

सिरोही, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सिरोही की अनादरा पुलिस द्वारा दो कारों में ले जाए जा रहे अंग्रेजी शराब के 88 कॉर्टून जब्त किए गए हैं। पुलिसकर्मियों को पीछा करते देख आरोपी कार को छोड़कर फरार हो गए थे। तलाशी के दौरान कार्रवाई में सफलता मिली।

पुलिस के अनुसार, जिले में अवैध शराब व मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए डीएसटी प्रभारी शिवपाल सिंह की अगुवाई में टीम द्वारा वाहनों का पीछा किया गया। इस पर वाहन चालक वाहनों को सिरोड़ी कस्बे के श्मशान परिसर में छोड़कर फरार हो गए।

इस पर पुलिसकर्मियों द्वारा गुजरात पासिंग ईटिंगा तथा कड़ी वीडीआई की तलाशी ली गई। इस दौरान कारों में 88 कॉर्टून शराब व बीयर तथा वाहन से फर्जी नम्बर प्लेट, मोबाइल फोन तथा दस्तावेज जब्त किए गए। मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

घने कोहरे की चपेट में राजस्थान

बसों और ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में सर्दी बढ़ने के साथ ही कोहरे का असर भी बढ़ता जा रहा है। कोहरे के चलते सड़कों पर विजिबिलिटी बहुत कम रह गई है। बस, ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। घने कोहरे के कारण कई ट्रेनें अपने तय समय से कई घंटे लेट चल रही हैं।

अलवर, भरतपुर, धौलपुर के साथ ही प्रदेश के विभिन्न भागों में कोहरे का असर देखने को मिला। मौसम विभाग ने आज भी घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सीकर जिले के फतेहपुर में रात का सबसे कम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 4 दिन बाद आज फिर माउंट आबू का न्यूनतम तापमान 0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। प्रदेश के अन्य शहरों अनूपगढ़ और श्रीगंगानर में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि धौलपुर में 9 डिग्री, सिरोही 7.1 डिग्री और चूरू में 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा जानकारी के मुताबिक आज पूर्वी राजस्थान के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

पेट्रोल पंप पर फायरिंग के मामले में फरार आरोपियों पर इनाम घोषित

पुलिस का धरपकड़ अभियान जारी

धौलपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। धौलपुर के सैंपऊ थाना इलाके में एक पेट्रोल पंप पर फायरिंग के मामले में फरार चल रहे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पांच हार्डकोर बदमाशों पर इनाम घोषित किया है। पुलिस द्वारा लगातार उनके ठिकानों पर छानबीन की जा रही है।

पेट्रोल पंप पर फायरिंग के मामले में फरार चल रहे 5 आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उन पर इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शातिर बदमाश अजीत

ठाकुर निवासी रतनपुर, विष्णु ठाकुर निवासी खूबचंद का पुरा, लालू ठाकुर निवासी बीलौनी, कल्याण सिंह ठाकुर निवासी मुरावली, कल्ला उर्फ करुआ जाटव निवासी बीलौनी की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

हाल ही में करीमपुर गांव स्थित एक पेट्रोल पंप पर फायरिंग करने वाले इन आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पांचों हार्डकोर अपराधी डकैत मुकेश ठाकुर की गैंग के सक्रिय सदस्य रह चुके हैं। इनके खिलाफ लूट, नकबजनी, रंगदारी और डकैती जैसे संगीन आपराधिक अभियोग पंजीबद्ध हैं। करीमपुर पेट्रोल पंप पर हुई घटना के बाद पांचों आरोपी फरार चल रहे हैं। धौलपुर ग्रामीण सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया पुलिस टीम लगातार छानबीन कर रही है और बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौके पर हुई मौत

मौके पर ट्रक छोड़कर चालक फरार

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के सवाई माधोपुर के आलनपुर में दुर्गा पैलेस के पास हुई दुर्घटना में एक ट्रक ने सड़क से जा रहे युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आलनपुर में दुर्गा पैलेस के पास सड़क पर जा रहे एक युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान नाले में फंसने के कारण ट्रक में भरे सीमेंट के पाइप सड़क पर गिर गए। ट्रक चालक मौके पर ही ट्रक छोड़कर फरार हो गया। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

खेल-खेल में हौद में जा गिरीं मासूम

एक ही परिवार की 3 बच्चियों की मौत

लोहावट, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के फलोदी जिले के एक गांव में उस वक्त मातम पसर गया जब तीन बच्चियां खेलते हुए अचानक दूसरे खेत में चली गई और वहां जाकर एक हौद में गिर गई. हौद में गिरने से तीनों बच्चियों की मौत हो गई है. तीनों बच्चियां सगी बहनें बताई जा रही हैं.

राजस्थान के फलोदी जिले के लोहावट के शैतान सिंह नगर में तीन छोटी बच्चियों की खेलते वक्त पानी की हौद में गिरने से मौत हो गई है. तीनों बच्चियां एक ही परिवार की बताई जा रही हैं. जैसे ही इस बात की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली तो वह बच्चियों को बचाने के लिए दौड़े लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. तीनों बच्चियों को पानी से निकालकर आनन-फानन में हॉस्पिटल पहुंचाया. हालांकि हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने तीनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया.

लोहावट थाना अधिकारी बद्री प्रसाद पुलिस को फोन पर इस घटना की सूचना दी गई थी. फोन पर जानकारी मिली कि शैतान सिंह नगर के पास स्थित बगरा गांव में महेंद्र सिंह का खेत है, वहां पर पानी का हौद बना हुआ है. यहां पर कुंभाराम मेघवाल जो पाली जिले के निवासी है उनका परिवार रहता है. उनका परिवार कृषि कार्य करता है.

महेंद्र सिंह के खेत पर ही कुंभाराम की बहन और तीन बेटियां खेत में खेलने के लिए घर से बाहर निकलती है. तीनों लड़कियां जिनके नाम संध्या उम्र 10 साल, दीपिका उम्र 8 साल और बबलू उम्र 7 साल है, पड़ोस के भगवान राम मेघवाल के यहां खेलते-खेलते पहुंच गईं. इनमें से एक बच्ची खेलते वक्त पानी के हौद तक पहुंच गई, उसका पैर फिसला और वह सीधे हौद में गिर गई. एक बहन का पैर जैसे ही हौद में फिसला बाकी दो घबरा गईं.

अपनी बहन को डूबता हुआ देख दोनों बहनों ने बचाने की कोशिश की लेकिन और इसी कोशिश में बाकी दोनों बहने भी हौद में गिर गईं. जब तक स्थानीय लोगों को इस बात का पता चला तब तक तीनों बच्चियों की मौत हो चुकी है. वहीं बच्चियों की मौत की खबर सुनकर पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है. इतना ही नहीं एक साथ तीन बच्चियों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है.

नए साल के जश्न का कारोबार 100 करोड़ पार, उदयपुर के बड़े होटलों में 1 रात का खर्चा 50 हजार से 1 लाख

उदयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में इन दिनों पर्यटकों की रौनक है। खासकर पर्यटन स्थलों पर नजारा ही कुछ खुशनुमा दिखाई दे रहा है। न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शहर की होटल्स और रिसोर्ट पूरी तरह पर्यटकों से पैक हो चुके हैं। सुबह से देर रात तक पर्यटन स्थलों पर देशी-विदेशी पर्यटक लेकसिटी की सुंदरता का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। इस समय उदयपुर के अलावा कुंभलगढ़ व आसपास जगहों के रिजॉर्टस से लेकर होटलें फुल हैं। एक अनुमान के मुताबिक नए साल का जश्न 100 करोड़ से पार जाएगा। इनमें होटलों में स्टे से लेकर घूमना-फिरना, फ्लाइट-ट्रेन, टैक्सी किराया, खाना-पीना आदि शामिल हैं।

इंडियन से लेकर हर जगह का फूडः

न्यू ईयर को देखते हुए पर्यटन व्यवसायियों व होटल्स ने तैयारी कर ली है। इस दिन जहां खूब नाच-गाना होगा तो खाना कहां छूटने वाला है। थर्टी फर्स्ट के लिए होटलों में विशेष मेन्यू तैयार किए जा रहे हैं। इनमें इंडियन फूड में राजस्थानी से पंजाबी, साउथ इंडियन तक का तडक़ा मिलेगा तो चाइनीज, इटेलियन, कॉन्टिनेंटल आदि खाना मुंह में पानी ले आएगा। डेजर्ट्स में आइसक्रीम, केक, ब्राउनीज, हलवा आदि बहुत कुछ उपलब्ध रहेगा।

थीम बेस्ड होंगी पार्टीज, लाइव आर्टिस्ट परफॉरमेंस, डीजे का धमाल

न्यू ईयर सेलिब्रेशन में बहुत से होटल्स व रेस्टोरेंट्स में थीम बेस्ड पार्टी ऑर्गेनाइज की जाएगी। कहीं ट्रेडिशनल थीम तो कहीं बॉलीवुड थीम, कहीं ड्रेस कोड रखा गया है तो कहीं रेट्रो थीम रखी गई है। डेकोरेशन भी थीम बेस ही किया जा रहा है। पार्टी में भाग लेने वाले

कपल्स व लोगों के लिए कई तरह के मजेदार गेम रखे गए हैं। कई में बेस्ट डांस, बेस्ट ड्रेस्ड, बेस्ट कपल आदि के प्राइजेज भी होंगे। पार्टी में डांस की धूम रहेगी। कई होटल्स ने बाहर से स्पेशल डीजेज को बुलाया है, जो उनकी पार्टी में जान डाल देगा। वहीं, कई होटल्स में स्पेशल आर्टिस्ट, स्टेंडअप कॉमेडियंस, डांसर्स व परफॉरमर्स को बुलाया गया है, जो गेस्ट का भरपूर एंटरटेनमेंट करेंगे।

70 से 80 प्रतिशत होटल्स हुए पैक

सीजन की उम्मीद में होटल इंडस्ट्री और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों में उत्साह नजर आ रहा है। होटल व्यवसायी पुनीत गलुंडिया ने बताया कि उदयपुर आने वाले पर्यटक फतहसागर और पिछोला में बोटिंग का आनंद जरूर ले रहे हैं। सहेलियों की बाड़ी, सुखाड़िया सर्कल, सिटी पैलेस, सज्जनगढ़, गुलाबबाग, बायोलॉजिकल पार्क के अलावा यहां आसपास के कई धार्मिक व अन्य पर्यटन स्थलों पर भी पर्यटक घूमने जा रहे हैं। एडवेंचर टूरिज्म की तरफ भी पर्यटकों का रुझान बढ़ रहा है। सबसे ज्यादा पर्यटकों की भीड़ न्यू ईयर इव पर देखने को मिलेगी। वहीं, होटल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने बताया कि पर्यटन की दृष्टि से ये साल बहुत अच्छा साबित हुआ है। अभी 70 से 80 प्रतिशत होटल्स बुक हैं।

यूं समझें जश्न पर खर्च का गणित

हर दिन करीब 10 से 12 हजार पर्यटक आ रहे शहर में। ट्रिप पर 1 परिवार का न्यूनतम खर्च - 50 से 60 हजार रुपए। शहर व आसपास के 200 से 250 रिजॉर्टस व फार्म हाउस ऑनलाइन बुक । शहर के छोटे-बड़े होटल्स 80 प्रतिशत बुक, बड़ी होटल्स में 1 रात का लाखों में आता है खर्च। 25 से 31 दिसंबर तक लिकर पर ही लगभग 100 करोड़ रुपए होंगे खर्च ॉ होटल्स में होने वाले आयोजन के टिकट्स भी न्यूनतम 1500 से 2000 रुपए और अधिकतम 7-8 हजार रुपए पर कपल

लोक शासन से हर गरीब को होगा लाभ : मंत्री

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों के प्रभारी मंत्री, बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, आईटी, उद्योग और संसदीय मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि सार्वजनिक शासन के तहत, हर गरीब व्यक्ति को लाभ होगा। मंगलवार को बंजारा हिल्स के बंजारा भवन में जीएचएमसी के तहत 150 वार्डों के लिए नियुक्त टीम लीडरों ने सर्कल के विशेष अधिकारियों, जोनल और डिप्टी कमिश्नरों के साथ सार्वजनिक प्रशासन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक मे महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी, कमिश्नर रोनाल्ड रोज़, हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी और अन्य ने भाग लिया। इससे पहले समीक्षा के बाद मंत्रियों द्वारा आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस में मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि लोग स्वतंत्र रूप से आएंगे और अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखेंगे।श्रउन्होंने कहा कि छह गारंटी को जनता तक पहुंचाया जा रहा है। अधिकारी जीएचएमसी के तहत छह जोन और तीस सर्कल में लोगों के पास जाएंगे और डेटा एकत्र करेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि बड़ी संख्या में लोग आएंगे, इसलिए प्रत्येक मंडल में चार क्षेत्रों में टीम लीडर उपलब्ध कराए गए हैं और टीम लीडर के साथ सात सदस्य होंगे।उन्होंने कहा कि महिलाओं और दिव्यांगों के लिए विशेष लाइन होगी. उन्होंने कहा कि हर वार्ड को एक टाइम टेबल दिया गया है और टाइम टेबल 28 दिसंबर से 6 जनवरी तक रहेगा। उन्होंने कहा कि उन वार्डों में जन प्रतिनिधि जानकारी देंगे और हर लाभुक को मौका दिया जायेगा।श्रउन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं और छह गारंटी को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। हमारी सरकार आते ही हमने 48 घंटे के अंदर दो गारंटी लागू की। उन्होंने कहा कि प्रजा भवन में लोग अपनी समस्याएं सुन रहे हैं और हम जनता के सेवक हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार को विशेष पदाधिकारियों, पार्षदों, विधायकों व विधान पार्षदों के साथ बैठक आयोजित की जायेगी। उन्होंने कहा कि एक वार्ड में चार स्थानों पर काउंटर बनाये जायेंगे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जनता जिसे चाहती थी वह सरकार आ गई है और हम अपने वादे पूरे करेंगे। लोगों को सलाह दी जाती है कि यदि योजना आप पर लागू होती है तो आवेदन करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रत्येक आवेदन के लिए एक रसीद देंगे। उन्होंने याद दिलाया कि अब तक चार करोड़ महिलाएं मुफ्त बस से यात्रा कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को परेशानी न हो इसके लिए और नई बसें खरीदने के उपाय किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाकी गारंटी इन आवेदनों के आधार पर लागू की जाएंगी। उन्होंने सभी से विकास में भागीदारी निभाने को कहा और कहा कि राजनीति सिर्फ चुनाव तक है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि डेटा कलेक्शन के बाद ही गाइडलाइंस बनाई जाएंगी. यह स्पष्ट किया गया है कि जो लोग वर्तमान में पेंशन प्राप्त कर रहे हैं उन्हें आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है और जिन्हें नहीं मिल रहा है वे आवेदन करें। उन्होंने कहा कि प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी में अब तक 22 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की 27 दिसंबर को मुख्यमंत्री लोक प्रशासन से संबंधित आवेदन पत्र का अनावरण करेंगे और सभी शंकाओं और शंकाओं को दूर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की ब्रांड इमेज बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि इन योजनाओं को क्रियान्वित करना है तो अधिकारियों की भागीदारी और जनता का सहयोग बहुत जरूरी है और जन प्रतिनिधियों को भी इस संबंध में सहयोग करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि हमें सबके प्रोत्साहन से आगे बढ़ना चाहि। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने नवगठित सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम लोगों के कल्याण और विकास के लिए पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने जनता से प्राप्त प्रत्येक आवेदन को स्वीकार करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस योजना में 100 प्रतिशत सहयोग दिया जायेगा तथा पूर्व में भी जीएचएमसी ने कई कल्याणकारी योजनाओं को कर्मचारियों द्वारा पारदर्शी ढंग से प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया है। चूँकि लोगों को लाभ पहुँचाने वाली छह गारंटी योजनाएँ एक अच्छा कार्यक्रम हैं, इसलिए उनसे अनुरोध है कि उनके कार्यान्वयन को पारदर्शी बनाया जाए।

प्रजाशांति पार्टी अध्यक्ष केए पॉल ने की सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात

30 जनवरी को आयोजित होने वाले विश्व शांति सम्मेलन में शामिल होने की अपील

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजाशांति पार्टी के अध्यक्ष केए पॉल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस बारे में, संबधित अधिकारियों ने बताया कि, प्रजाशांति पार्टी अध्यक्ष केए पॉल ने सीएम कार्यालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को 30 जनवरी को हैदराबाद में आयोजित होने वाले विश्व शांति सम्मेलन में शामिल होने की अपील की। साथ ही उन्होंने उकत्त सम्मेलन के लिए आवश्यक अनुमतियां देने की भी अपील की। तदुपरांत. सीएम से मुलाकात के बाद केए पॉल ने कहा कि सम्मेलन की अनुमति के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर कहा कि, यह सचमुच मे ही खुशी की बात है। केए पाल ने आगे कहा कि, उक्त सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्रियों को भी आमंत्रित किया गया है.

जन प्रशासन का कार्यक्रम सफल हो : जिला अतिरिक्त कलक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिकाओं में जन शासन कार्यक्रम को सफल बनायें। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु, आरडीओ कदम सुरेश और कसाबोयना सुरेश के साथ जिला अधिकारियों, तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मंडल पंचायत अधिकारियों और नायब तहसीलदारों ने मंगलवार को जिला केंद्र में कलक्ट्रेट भवन सभा कक्ष में एक समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि इस माह की 28 तारीख से 6 जनवरी 2024 तक जिले के गांवों एवं नगर पालिकाओं में आयोजित होने वाले लोक प्रशासन कार्यक्रम को समन्वित एवं सफल बनायें। कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए, अधिकारियों को महालक्ष्मी योजना, रायथु भरोसा, गृह ज्योति, इंदिरम्मा इंदलु और चेयुथा योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त करने और ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं में आवेदन प्राप्त करने के लिए काउंटर स्थापित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मण्डल में 2 टीमों का गठन किया जाये तथा ग्राम सभाओं का आयोजन 2 पालियों में किया जाये, प्रत्येक टीम में 10 पदाधिकारी होंगे, आवेदन प्राप्त होने के एक दिन पूर्व ग्रामों में टॉम टॉम के माध्यम से सभी लोगों को सूचित किया जाये तथा सभी अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें।इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम 1 को

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बन्डलागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्लॉट पर रामजी राम ग्रूप तेलंगाना समाज बन्धुओं के तत्वावधान में एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण का आयोजन सोमवार 1 जनवरी 2024 रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें मरुधरा से पधारे रामनिवास देवासी जोधपुर राजस्थानी अंदाज में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक रामस्वरूप, रामु देवासी ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल को विशेष फूलों से सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज के तस्वीर पर श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर, माल्यार्पण व पुजा-अर्चना के पश्चात् पधारे भक्तों के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जायेगी। पधारे भक्तों की सेवार्थ रामजीराम ग्रूप के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। रामदयाल, संग्राम देवासी ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन, भजनों व प्रसादी का लाभ लें।

कांग्रेस पार्टी धोखाधड़ी, साजिश से जुड़ी पार्टी : कविता

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी धोखाधड़ी, साजिश से जुड़ी पार्टी है। इस पर भरोसा करना सियार पर भरोसा करने जैसा है। इस संदर्भ में एमएलसी के. कविता ने अपने आवास पर आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस में मीडिया को बताया कि कांग्रेस पार्टी धोखाधड़ी और साजिश से जुड़ी पार्टी है। उन्होंने आगे कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि इस पार्टी के डीएनए में हिंदू विरोधी प्रवृत्ति है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि जब डीएमके नेता ने हिंदी भाषी राज्यों को गोमूत्र राज्य कहकर खिल्ली उडाई तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोई उत्तर नहीं दिया। साथ ही एमएलसी के. कविता ने मांग की कि राहुल गांधी, कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद पर कांग्रेस पार्टी का रुख बताएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी चुनाव से पहले कुछ वादे करती है, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें नजरअंदाज कर देती है।

चिकित्सा के दौरान युवक की मृत्यु

निर्मल/भैंसा, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को भैंसा मंडल के समीप बुलेट वाहन से गिर कर युवक बुरी तरह जख्मी हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार भैंसा शहर निवासी चकरी पोका वेंकट (चक्रधर) घर से निर्मल के लिए रवाना हुआ रास्ते में वानलपाड गांव करीब गिरा और बुरी तरह जख्मी हुआ पास से गुजर रहे लोगो ने एंबुलेंस से भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल लेजाया गया जहा डाक्टरों की सलाह पर उसे निजामाबाद अस्पताल भर्ती किया गया और मंगलवार को चिकित्सा के दौरान उसने धम तोड़ दिया। ग्रामीण पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी।

जनसेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में संचालन समिति के सदस्यों की संयोजक श्रीकांत पांडेय के नेतृत्व में महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में वर्तमान महासचिव सुधीर जायसवाल ने जनसेवा संघ की वर्ष भर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा कोषाध्यक्ष एके मिश्रा ने आय व्यय की विवरणी प्रस्तुत की। बैठक में वर्तमान केंद्रीय समिति के कार्यकाल की समाप्ति को देखते हुए, सर्वसम्मति से नई केंद्रीय समिति का गठन किया गया, जिसके अनुसार श्री आर पी सिंह अध्यक्ष चुने गए। गोविंद तिवारी उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किये गये, महासचिव के पद पर राजीव रंजन चौबे का चयन हुआ। हरेन्दर चौबे संयुक्त सचिव बनाये गये, कोषाध्यक्ष के रुप में बिनीत सिंह को चुना गया। इसके साथ ही एसपी सिंह एवं बसंत सिंह सोलंकी कार्यकारी सदस्य बनाये गये। बैठक में श्रीकांत पांडेय, एलएम चौधरी, सुधीर जायसवाल, एके मिश्रा, आरपी सिंह, गोविंद तिवारी, बिनीत सिंह, हरेन्दर चौबे, एस पी सिंह, डीडी तिवारी, वीडी चौबे, एसए खान, संजय कुमार भगत, केएल श्रीनिवास राव, अशोक कुमार, जितेंदर चौबे, राजेश झा, सौरभ तिवारी आदि उपस्थित हुए।

आयोध्या तीर्थ से आए अभिमंत्रित अक्षत कलश का भव्य स्वागत

निर्मल, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा नगर में श्री राम मंदिर उद्घघाटन के लिए श्री राम जन्म भूमि अयोध्या से आए अभिमंत्रित अक्षत कलश का पूजन अर्चन कर भव्य स्वागत किया गया। अक्षत कलश को भैंसा के शिवाजी चौक से भगवानराम नाम स्मरण करते मुख्य मार्ग से होते हुए सराफा बाजार श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर तक भव्य पैदल यात्रा निकाली जिसमे शहर के आर.एस.एस, विश्व हिन्दू परिषत, बजरंग दल, हिन्दू वाहिनी, गौ सेवा समिति के कार्यकर्ता सहित सभी हिन्दू समाज के महिला पुरुषों ने बड़े उत्साह से भारी संख्या में भाग लिया। जगह-जगह अक्षत कलश का स्वागत कर लोग सम्मिलित हुए ओरअक्षत कलश पालकी सेवा की। सराफा बाजार स्थिति लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में राम भक्तोने पहले अक्षत कलश को लेकर प्रदक्षिणा की तद उपरांत मंदिर के माहराज मंत्री साईनाथ ध्वारावैदिक मंत्रोसे पूजा कीगईसभी ने जय श्री राम नाम का उच्चारण किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया उसके बाद पूजित12 अक्षत कलश को शहर के 12 क्षेत्र में संघ के लोगो को सौंपा गया।

दिवाली मिलन का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संघी समिति एवं रेजड़ी केजड़ी सेवा समिति का श्री शीतला माता की खिचड़ी एवं दिवाली मिलन का आयोजन महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी हनुमान मंदिर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 350 बंसल कुलदेवी रेजड़ी केजड़ी माता के समस्त भक्तजनों ने उपस्थित होकर श्री शीतला माताजी के प्रसाद का आनंद लाभ उठाया। इस समय श्री माताजी के आवतरण दिवस 20 व 21 अप्रैल 2024 को राजस्थान के काजड़ा ग्राम में मनाने का निर्णय लिया गया. अवसर पर कोलकाता में आयोजित रेजडी केजड़ी माता ट्रस्ट की मीटिंग एवं भजन संध्या के भव्य कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी विशाल एलईडी स्क्रीन पर दर्शाई गई। इस अवसर पर सुबोध संघी, प्रताप नारायण संघी, अशोक बंसल, पंकज संघी, निर्मला संघी, डॉ. दिलीप पंसारी, अभिषेक संघी, गोपी संघी, गौरव सघी, ललित सघी, महेश संघी, शशि नारायण संघी, संजय संघी, राजेंद्र संघी, प्रभात संघी, अनिल संघी, प्रतीक संघी, सुनील बंसल, शीतल संघी, आनंद संघी, जितेंद्र संघी, डॉक्टर सुधा संघी, रजनी बंसल आदि उपस्थित थे।

भवानी कॉलोनी प्रेमवतीपेट स्थित श्री साई बाबा मंदिर में दत्त जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित किए गए पूजा में भाग लेते हुए मंदिर के पं. गणेश जोशी, सत्यनारायण रेड्डी, अंजनेयुलूजी व अन्य भक्त।

मुधोल विधायक रामाराव पटेल ने भैंसा मंडल वानलपॉड ग्राम पंचायत के नए भवन के उद्घाटन में भाग लिया। उनके साथ भैंसा एएमसी के अध्यक्ष राजेश बाबू, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गंगाधर, सरपंच राजन्ना, एमपीपी कविता, गांव के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

मर्गी माता मंदिर, जियागुडा में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेई की जयंती में भाग लेते हुए भाजपा नेता सुभाष वाघमारे, समाजसेवी धर्माराम ढाका, अतिथि पधारे रामदेव मंदिर चेरमैन श्याम सुंदर गिलडा, धर्मचंद भंसाली, ठाकुर अमरसिंह, गोरधन, दिग्विजय सिंह, सत्यनारायण, दरपली नरसिम्हलु, लक्ष्मीनारायण, शिवा, तुलसीराम, रमेश चोगले, सोवनलाल कुमावत, सुरेश व अन्य।

राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न, कविवर अटल बिहारी वाजपेयी के 99वें जन्म-दिवस पर जी.राजेंद्र कुमार द्वारा स्थापित 44वें राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन का आयोजन नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के संयुक्त तत्वावधान में गोशामहल स्थित हज़ारी भवन, हैदराबाद में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। गीत चाँदनी की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने प्रथम सत्र और अध्यक्ष वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने द्वितीय सत्र कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने संचालन का भार सँभाला और गीत चाँदनी तथा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की विशेषताओं के बारे में सभी को अवगत किया। मुख्य वक्ता श्रीमती रेखा देवी वर्मा ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की देश के लिए की गयी सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि अटल जी की जीवनी से हमें बहुत कुछ सीखना है। उनकी कविताएँ राजनीति से ऊपर और देश-भक्ति तथा देश के उद्धार पर निर्भर होती थीं। वह वास्तव में एक महान् मानव थे, जिनकी कविताओं में राष्ट्रीय एकता और विश्व बंधुत्व की भावना दिखाई देती है। वह देश के लोकप्रिय कवि थे। कवि अनिल कुमार गुप्ता और गीतकार चंपालाल बैद ने अटल बिहारी वाजपेयी के गीतों को अपनी मधुर वाणी में प्रस्तुत कर श्रोताओं से ख़ूब प्रशंसा अर्जित की। अध्यक्षीय वक्तव्य में गीत चाँदनी की संयोजिका व कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि हम अटल जी की जीवनी से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ते जाएँ, क्योंकि वास्तव में अटल बिहारी वाजपेयी मानवता के बड़े पुजारी थे और उनकी कविताओं में अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का आह्वान और विश्व में शांति की भावना का संदेश मिलता है। इस अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन में कवियों ने देश की वर्तमान परिस्थितियों तथा अनेक समस्याओं पर अपनी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नशे की हालत में चालक ने टोल प्लाजा काउंटर में वाहन घुसाया

निज़ामाबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को इंदलवाई में एक लॉरी चालक ने कथित तौर पर शराब के नशे में एक टोल प्लाजा काउंटर में अपना वाहन घुसा दिया, जिससे दो यात्री और दो कर्मचारी घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉरी ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर टोल प्लाजा काउंटर से जा टकराई। टोल प्लाजा कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और पीड़ितों को निज़ामाबाद सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लॉरी चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव वालों का भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बशीरबाग में नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव परिवार द्वारा भजन संध्या तथा प्रसाद का आयोजन किया गया। परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भजन संध्या सायं 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक बाबा श्याम एवं अन्य देवताओं के साथ पितृ देवता के भजन गाए गए। कार्यक्रम परिवार के पितृ देवता सोनासर के बाबाजी भगवान की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसका परिवार के सदस्यों द्वारा आनंद लिया गया। परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, श्रीमती माया अग्रवाल द्वारा भी भजन प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में ईश्वर लाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विष्णु गोपाल अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, कमल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, ओम अग्रवाल, मधु अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, शिव शंकर अग्रवाल, शिव चरण चिंडालिया, राजीव गुप्ता, अरुण गुप्ता, तिलक गुप्ता, हरीश अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भरत अग्रवाल, रमेश पित्ती, विजय अग्रवाल, श्रीमती उषा अग्रवाल, कांता अग्रवाल एवं परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

वारंगल कमिश्नरी सीमा में अपराध दर में 2023 में 7.71 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई

वारंगल, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा कि वर्ष 2023 में रिपोर्ट किए गए अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, पिछले वर्ष की तुलना में रिपोर्ट की गई घटनाओं में 7.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि इस वर्ष की तारीख तक कुल 14,530 मामले दर्ज किए गए थे, पिछले वर्ष दर्ज किए गए मामलों की संख्या वारंगल पुलिस आयुक्तालय सीमा के तहत 13,489 थी जिसमें हनमकोंडा, वारंगल और जनगांव जिले शामिल हैं।

मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, सीपी ने कहा कि 2023 में 44 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जो 2022 में दर्ज किए गए 41 मामलों से 2.5 प्रतिशत की वृद्धि है। मूल कारणों की जांच से पता चलता है कि इन मामलों का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 33 प्रतिशत, पारिवारिक विवादों से उत्पन्न हुए, जबकि संपत्ति और भूमि से संबंधित संघर्षों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष के दौरान बलात्कार के 184 मामले दर्ज किए गए।

एक विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि रिपोर्ट किए गए बलात्कारों में से 31 प्रतिशत अपहरण की घटनाओं से उत्पन्न हुए जो बलात्कार या पोस्को अपराधों में बदल गए। इसके अतिरिक्त, चिंताजनक 32 प्रतिशत मामले शादी के झूठे वादों के कारण सामने आए। कई मामलों में, हमले पीड़ितों के परिचित व्यक्तियों द्वारा किए गए, जिनमें परिवार के सदस्य, दोस्त या परिचित शामिल थे।

इस बीच, साइबर अपराध बढ़ रहे थे और 2023 में आईटी अधिनियम के तहत 1,095 मामले दर्ज किए गए थे और इनमें से 69 प्रतिशत मामले ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार थे। दूसरी ओर, 2023 में संपत्ति से संबंधित अपराधों में भी वृद्धि देखी गई, जिसमें 911 मामले दर्ज किए गए। पिछले वर्ष की तुलना में डकैतियों में 28 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि देखी गई, इसके बाद रात में सेंधमारी और ऑटोमोबाइल चोरी में भी वृद्धि हुई। सड़क सुरक्षा से संबंधित आँकड़े परेशान करने वाले हैं, 1,526 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना है। दुखद बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 487 लोगों की मौत हो गई और 1,361 लोग घायल हो गए। 450 मामलों में घातक दुर्घटनाएँ हुईं, जबकि 838 गैर-घातक घटनाएँ थीं।

शाहइनायतगंज में गीता बाल संस्कार शिविर के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेते हुए कैलाशनारायण भांगडिया, वंन्दना भाठी, राजेश तोषनीवाल, दीपक गिलडा, लीला बजाज, नरेन्दर, अरचना लोया, शालीनी बाहेती, मंगला व्यास व अन्य।

नगर के वाइब्रेंट वॉयस डिजिटल स्टूडियो में आयोजित सरगम स्वर संगम कार्यक्रम में कई प्रमुख गायकों जगदीश, इलियास, कमलाकांत (पूर्व चार्मन, टीएएमए) के साथ उपस्थित समाजसेवी गोपाल बलदेव, एम. सुरेश, ओम प्रकाश, कृष्णा प्रसाद, हरनाथ और शिव कुमार।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया का शेड्यूल 2024: क्रिकेट ही क्रिकेट

16 टेस्ट और सिर्फ 3 वनडे खेलेगा भारत

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने साल 2023 में कमाल का प्रदर्शन किया। तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया ने चमक बिखेरी है। हालांकि, दो आईसीसी के फाइनल में भारत को हार झेलनी पड़ी। लेकिन फिर भी ओवरऑल इस साल टीम इंडिया के लिए जीत के आंकड़े शानदार रहे। अब बारी है साल 2024 की जहां भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना है। उसके अलावा 2025 WTC फाइनल से पहले टेस्ट क्रिकेट में भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। पूरे साल भारत को जहां 16 टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं वनडे मुकाबले सिर्फ 3 खेलने हैं।

साल 2024 में रेड बॉल क्रिकेट की रहेगी धूम

इस साल टीम इंडिया टेस्ट क्रिकेट काफी खेलेगी। जनवरी से ही इसकी शुरुआत हो जाएगी जहां इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। इसके अलावा मौजूदा साउथ अफ्रीका दौरे का दूसरा टेस्ट मैच भी नए साल में ही 3 जनवरी से खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम इन दो सीरीज के अलावा इसी साल बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज खेलेगी। फिर साल 2024 के अंत में ऑस्ट्रेलिया जाकर टीम इंडिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। कुल मिलाकर 16 टेस्ट भारत अगले साल खेलेगा।

साल 2024 में क्या रहेगा टीम इंडिया का शेड्यूल

जनवरी- 1 टेस्ट साउथ अफ्रीका (बाहर), तीन टी20 इंटरनेशनल अफगानिस्तान के खिलाफ (घर में)

जनवरी से मार्च- इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज (घर में)

मार्च से मई- आईपीएल 2024 का आयोजन

जून- टी20 वर्ल्ड कप 2024 (यूएसए और वेस्टइंडीज)

जुलाई- 3 टी20, 3 वनडे श्रीलंका के खिलाफ (बाहर)

सितंबर- दो टेस्ट, तीन टी20 बांग्लादेश के खिलाफ (घर में)

अक्टूबर- 3 टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ (घर में)

नवंबर-दिसंबर- 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (बाहर)

अब अगर तीनों फॉर्मेट डिवाइड करें तो अगले साल टी20 वर्ल्ड कप के अलावा टीम इंडिया का पूरा फोकस टेस्ट क्रिकेट पर होने वाला है। 2021 और 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हार के बाद टीम इंडिया की नजरें होंगी कि तीसरी बार पिछली दोनों हार को भुलाया जाए। कुल मिलाकर भारतीय टीम 16 टेस्ट, 3 वनडे और कम से कम 13 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले जरूर खेलेगी।

'मैं खेलों में गलत समय पर थी...'

अंजू बॉबी जॉर्ज का कांग्रेस पर कटाक्ष पीएम मोदी के लिए कही यह बात

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ईसाई समुदाय के साथ मेरा बहुत पुराना और आत्मीय नाता रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए मैं ईसाई समुदाय और उनके लीडर्स से अक्सर मिलता रहता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में क्रिसमस के अवसर पर ईसाई समुदाय के लोगों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री के आवास पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने खास प्रस्तुति दी। भारत की दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज भी वहां मौजूद थीं। उन्होंने एक छोटा सा भाषण दिया और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। वहीं, कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष भी किया।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा, "एक खिलाड़ी के तौर पर 25 सालों से सबकुछ देख रही हूं। पहले की तुलना अब काफी बदलाव देख रही हूं। जब 20 साल पहले मैंने भारत के लिए विश्व स्तर पर पहला पदक जीता था तब मेरा विभाग मुझे पदोन्नति नहीं दे रहा था। वहां सब कह रहे थे कि हमारे यहां ऐसा नहीं होता है। उसके बाद जब नीरज चोपड़ा ने पदक जीता तो मैंने काफी बदलाव देखें।

हमने, आपने और पूरे भारत ने जिस तरह जश्न मनाया, उससे मुझे काफी जलन हुई। मुझे लगता है कि मैं खेलों में गलत समय पर थी।"

'ओलंपिक के लिए हमने तैयारियां शुरू कर दी हैं'

अंजू बॉबी जॉर्ज ने इसके बाद प्रधानमंत्री की तारीफ में कहा, "खेलों इंडिया, फिट इंडिया के जरिए खेलों की बात अब सब जगह हो रही है। भारत अब फिटनेस को अपना रहा है और खेलों में आगे बढ़ रहा है। हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

हमारे समय एक या दो एथलीट होते थे। अब काफी खिलाड़ी हैं। यह आपके नेतृत्व के कारण हुआ है। महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ शब्द नहीं है।

भारत की लड़कियां सपना देख रही हैं। उन्हें पता है कि उनका सपना पूरा होगा। इस बात से काफी खुशी है कि हम 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार हैं। ओलंपिक के लिए हमने तैयारियां शुरू कर दी हैं और उसके लिए बैठके हो रही हैं।"

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी टीम इंडिया?

यूएई शिफ्ट हो सकते हैं भारत के मुकाबले!

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी का आखिरी बार 2017 में आयोजन हुआ था। आठ साल बाद एक बार फिर 2025 में इस टूर्नामेंट का आयोजन होना तय हुआ है। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। हाल ही में एशिया कप 2023 के दौरान भी ऐसे ही मुद्दे पर खासा बवाल मचा था। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध अच्छे नहीं होने के कारण दोनों टीमें द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेलती हैं। मुंबई के 26/11 हमले और पाकिस्तान में श्रीलंकाई टीम पर अटैक के बाद भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। इसलिए एक बार फिर ऐसा ही सवाल खड़ा होने लगा है।

पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया!

काफी हद तक यह तय माना जा रहा है कि जैसे-जैसे चैंपियंस ट्रॉफी का वक्त नजदीक आएगा, वैसे-वैसे इस मुद्दे पर विवाद खड़ा होगा। भारतीय टीम ने हाल ही में एशिया कप के लिए भी पाकिस्तान का दौरा नहीं किया था और टीम इंडिया के मुकाबले श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। अब ऐसा ही कुछ चैंपियंस ट्रॉफी में भी होने के आसार बताए जा रहे हैं। हालांकि, हाल ही में आईसीसी के साथ पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के होस्टिंग राइट्स का करार साइन किया था। पर टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर दूसरे देश में शिफ्ट होने की खबरें कई मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आ रही हैं।

किस देश में शिफ्ट होंगे भारत के मैच?

भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में शिफ्ट करने की चर्चा जोरों-शोरों से हो रही है। यह चर्चा तब शुरू हुई जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन जका अशरफ और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी के बीच बैठक हुई। वहीं इसको लेकर क्रिकेट पाकिस्तान डॉट कॉम के सूत्रों की तरफ से भी एक जानकारी सामने आई। उसके मुताबिक अगर टीम इंडिया पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो टीम इंडिया के मुकाबलों का पूरा खर्चा आईसीसी द्वारा ही उठाया जा सकता है।

जबकि इन सभी खबरों के बीच पीसीबी लगातार चैंपियंस ट्रॉफी का सफलतापूर्वक आयोजन करने की बात कह रहा है। वहीं उसका यह भी कहना है कि अगर किसी देश ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान आने से मना किया तो आईसीसी को इस पर बिना किसी पक्षपात को फैसला लेना होगा। उसका साफतौर पर कहना है कि आईसीसी को एकतरफा फैसले से बचना होगा। कुछ हालिया रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया कि आईसीसी ने पीसीबी की इस मांग को स्वीकार भी कर लिया है।

डेविड वॉर्नर ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

सौरव गांगुली के रिकॉर्ड पर खतरा

पर्थ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर एक के बाद एक कई रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया। एमसीजी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव वॉ का रिकॉर्ड तोड़ डाला। इसी के साथ वह ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए।

सिर्फ रिकी पोंटिंग से पीछे

डेविड वॉर्नर के नाम अब सबसे 460 ईनिंग्स में 18,502 रन हो गए हैं। जबकि स्टीव वॉ के नाम 548 ईनिंग्स में 18, 496 रन हैं। डेविड वॉर्नर अब ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सिर्फ रिकी पोंटिंग से ही पीछे हैं। पोंटिंग के नाम 667 ईनिंग में 27,368 रन दर्ज हैं। उनका औसत 45.84 है। वे इस मामले में भी नंबर-1 हैं। जबकि डेविड वॉर्नर औसत के मामले में भी नंबर-2 पर हैं। उनका औसत 42.63 का है।

सौरव गांगुली के करीब पहुंचे

वॉर्नर अब तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय दिग्गज सौरव गांगुली के करीब पहुंच गए हैं। गांगुली ने 424 मैचों की 488 ईनिंग्स में 18575 रन बनाए। वॉर्नर के नाम 18,502 रन दर्ज हो गए हैं। ऐसे में अब वॉर्नर को गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 74 रन और बनाने हैं। गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ते ही वॉर्नर तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के 16वें बल्लेबाज बन जाएंगे।

38 रन बनाकर आउट हुए डेविड वॉर्नर

दूसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में डेविड वॉर्नर 38 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें 28वें ओवर की पहली गेंद पर सलमान अली आगा ने बाबर आजम के हाथों स्लिप में कैच करवाकर शिकार बनाया। इससे पहले वॉर्नर को दो रन पर जीवनदान मिल गया था। स्लिप में उनका कैच ड्रॉप कर दिया गया। हालांकि बाद में कप्तान बाबर आजम ने खुद वॉर्नर को कैच कर पवेलियन लौटा दिया।

मेंस क्रिकेट में पहली बार इलेक्ट्रा स्टंप्स का इस्तेमाल

बिगबैश लीग में नई टेक्नोलॉजी; मैच मोमेंट्स भांपकर चेंज करता है कलर

सिडनी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। मेंस क्रिकेट में पहली बार इलेक्ट्रा स्टंप्स का इस्तेमाल किया गया। बिग बैश लीग से इसकी शुरुआत की गई। इलेक्ट्रा स्टंप्स एक नई टेक्नोलॉजी है जिसमें मैच इवेंट्स के मुताबिक स्टंप का कलर चेंज होगा।

25 साल की सोफी बैश लीग की टॉप विकेट टेकर

कैनबरा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया में कई खिलाड़ियों को खेल के लिए कई बार अपने शौक को छोड़ना पड़ता है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की सोफी डे की कहानी कुछ अलग है। वो पेंटर होने के साथ प्रोफेशनल क्रिकेटर भी हैं। स्पिनर सोफी की कलाई में गेंद को घुमाने के साथ पेंट ब्रश को घुमाने की काबिलियत है, जिस वजह से वे इस साल वीमेंस बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा 27 विकेट लेने वाली खिलाड़ी बनी।

25 वर्षीय सोफी कहती हैं, 'मेरे लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मैं पेंटर के रूप में भी काम कर पा रही हूं और एक प्रोफेशनल क्रिकेटर भी हूं।'

सोफी को क्रिकेट करियर में पहला मौका बहुत देर से मिला था। ऑस्ट्रेलिया से होने के बावजूद वो वहां की घरेलू टीम में स्थान बनने में असफल हो रही थीं, जिसके बाद

उन्हें इंग्लैंड की काउंटी टीम में जगह बनाने की कोशिश की। अंत में वो सफल रहीं। उन्हें पहला ब्रेक 2019 में वर्कशायर से मिला। वे इस क्लब में 2017 में वर्ल्ड कप विजेता रही कप्तान हीथर नाइट, आन्या श्रबसोल के साथ खेल रही थीं। सोफी ने वर्कशायर की ओर से 50+ मैच खेले। कुछ महीनों बाद ही सोफी को 2020 महिला टी-20 वर्ल्ड कप में नेट बॉलर के रूप में चुना गया। जहां उन्होंने न्यूजीलैंड, भारत और ऑस्ट्रेलिया के स्टार्स को गेंदबाजी की। आगे चलकर बीबीएल में उन्होंने होम टीम मेलबर्न स्टार्स और विक्टोरिया के लिए भी खेला।

राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने पत्रकार खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया

आनंद चंदोला खेल महोत्सव का चैंपियन बना पराड़कर एकादश

वाराणसी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। आनंद चंदोला खेल महोत्सव का पराड़कर एकादश चैंपनियन बन गया है। फाइनल में पराड़कर एकादश ने मीडिया जगत के हरफनमौला क्रिकेटर प्रशांत मोहन की धुंआधार बल्लेबाजी व बालिंग की बदौलत ईश्वरदेव मिश्र एकादश को आठ विकेट से मात देकर खिताब जीत लिया। पराड़कर एकादश ने ईश्वरदेव मिश्र एकादश के 119 रनों के लक्ष्य को दो विकेट के नुकसान पर 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। प्रशांत मोहन जीत के हीरों रहे। पराड़कर एकादश की ओर से श्रीप्रकाश ने तीन, दीनबन्धु राय, अनिल कुशवाहा व प्रशांत मोहन ने एक-एक विकेट चटकाया।

सोमवार को आनंद चंदोला खेल महोत्सव के अन्तर्गत जयनारायण इंटर कालेज के मैदान आयोजित 36वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले

बल्लेबाजी करते हुए ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 119 रन बनाए। अमित कुमार मिश्र ने 39, सोनू ने नाबाद 32 व संदीप गुप्ता ने 11 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी पराड़कर एकादश ने 17.5 ओवर में दो विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। राजेन्द्र यादव ने 31, प्रशांत मोहन ने 21, अनिल कुशवाहा ने नाबाद 33 व संतोष यादव ने नाबाद 16 रन बनाए। ईश्वरदेव मिश्र एकादश की ओर से शंकर चतुर्वेदी व नितिन टंडन ने एक-एक विकेट लिया। अनिल कुशवाहा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। प्रशांत मोहन को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया गया। अनिल कुशवाहा को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व श्री प्रकाश को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। आरपी गुप्ता व राज बहादुर अंपायर व अजीत कश्यय स्कोरर थे।

अंत में खेल महोत्सव में विजेता और उपविजेता टीम को स्टांप एवं न्यायालय शुल्क विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं मुख्य अतिथि रवीन्द्र जायसवाल ने ट्राफी देकर पुरस्कृत किया।

वाराणसी। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर स्टांप एवं न्यायालय शुल्क विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं मुख्य अतिथि रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि देश के विकास में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आजादी के समय से लेकर आज तक विकसित भारत में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पत्रकारपुरम आवास के सामने हिंदी पत्रकारिता के हस्ताक्षर कहे जाने वाले पराड़कर जी के नाम पर एक भव्य द्वार बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि यह द्वार विधायक निधि से बनेगा। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ मिलकर मीडिया के साथ एक क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करने का भी सुझाव देते हुए कहा कि इससे समाज में एक अच्छा संदेश जाएंगा।

टेम्बा बावुमा बोले- इंडिया का बॉलिंग अटैक स्ट्रॉन्ग

सेंचुरियन, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि टीम इंडिया का बॉलिंग अटैक स्ट्रॉन्ग है। उनके सामने टीम का होम एडवांटेज भी काम नहीं आएगा। दरअसल, साउथ अफ्रीका में तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है और फिलहाल टीम इंडिया के पेसर्स साउथ अफ्रीका के मुकाबले ज्यादा अनुभवी हैं। बावुमा ने सेंचुरियन टेस्ट से पहले कहा, 'घरेलू मैदान के अनुभव के कारण हम कंडीशन को भारत से बेहतर समझते हैं। लेकिन टीम इंडिया का बॉलिंग अटैक स्ट्रॉन्ग है, जिसके चलते हमें होम एडवांटेज का फायदा भी नहीं मिलेगा। बॉलिंग अटैक ने ही पिछले कुछ सालों में भारत को विदेश के टेस्ट में सफलता दिलाई है। हमारे तेज गेंदबाज भी अच्छे हैं, ऐसे में टेस्ट सीरीज में दोनों टीमों के बैटर्स की परीक्षा होगी। जो टीम बेहतर बैटिंग करेगी, उनके जीतने के चांस ज्यादा रहेंगे।'

मुजीब, नवीन,फजल के नेशनल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज का अनुरोध नामंजूर

दो सालों के लिए एनओसी भी नहीं; आईपीएल खेलने पर भी संशय

काबुल, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीन खिलाड़ियों मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल फारूकी को नेशनल क्रॉन्ट्रैक्ट से रिलीज करने के अनुरोध को नामंजूर कर दिया है। साथ ही बोर्ड ने इन तीनों खिलाड़ियों पर अनुशासनात्मक करवाई करते हुए इन तीनों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को भी रोक दिया है। इसके साथ ही इन खिलाड़ियों को अगले दो सालों के लिए एनओसी न देने का भी फैसला किया है। जिसमें वर्तमान में मौजूद किसी भी एनओसी को कैंसिल करना भी शामिल है।

दरअसल मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल फारूकी ने दुनिया भर के क्रिकेट लीग में खेलने के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से नेशनल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट रिलीज करने का अनुरोध किया था। तीन खिलाड़ियों ने बोर्ड को अपने फैसले के बारे में बताया था, जिसमें खुद को 1 जनवरी, 2024 से शुरू होने वाले सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज करने की इच्छा जाहिर की थी और नेशनल आयोजनों में उनकी भागीदारी के लिए उनकी सहमति पर विचार करने का अनुरोध किया था। बोर्ड ने इन तीनों खिलाड़ियों को नेशनल टीम को तव्वजो देने की जगह लीग टूर्नामेंट में खेलने की प्राथमिकता देने से नाराज है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आधिकारिक तौर पर बयान जारी कर तीनों खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रोके जाने की बात कही गई है। बोर्ड से जारी बयान में कहा गया है कि ये तीनों खिलाड़ी अफगानिस्तान के लिए खेलने से ज्यादा कॉमर्शियल लीग और अपने

निजी रुचि की ओर ध्यान दे रहे हैं। वे नेशनल ड्यूटी को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं।

बोर्ड ने इस मुद्दे के लिए एक कमेटी की भी गठन किया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से दिए गए वर्तमान आदेश से भविष्य में मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक और फजल फारूकी के IPL खेलने पर भी प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, एसीबी ने भी वर्तमान एनओसी को कैंसिल नहीं किया है, लेकिन एसीबी ने अपने आदेश में इन तीनों खिलाड़ियों को 2 साल का एनओसी न देने का फैसला किया है। जिसमें वर्तमान में मौजूद किसी भी एनओसी को कैंसिल करना भी शामिल है। मुजीब उर रहमान आईपीएल के कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में शामिल हैं। जबकि नवीन उल लखनऊ सुपर जायंट्स और फजल फारूकी सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हैं।

24 साल के फास्ट बॉलर ने भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था। नवीन ने अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप के दौरान 7 नवंबर को लीग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान टीम ने उम्मीद से अच्छा प्रदर्शन किया था. टीम ने 9 में से 4 मैचों में जीत दर्ज की थी। अफगान टीम ने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड्स को शिकस्त दी थी। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 8 विकेट से, श्रीलंका को 7 विकेट से और इंग्लैंड को 69 रन से हराया था।

BIG SAVINGS

ALTO K10 ₹64 000*
CELERIO ₹64 000*
S-PRESSO ₹59 000*
SWIFT ₹54 000*
WAGONR ₹64 000*

SCAN TO CHAT WITH US

ALTO K10 S-PRESSO SWIFT WAGONR CELERIO

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

MARUTI SUZUKI AUTHORISED DEALERS: HYDERABAD: RKS: (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488, (NARSINGI) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 8100823456. (UPPAL) CALL: 9281105815. **PAVAN:** (SERILINGAMPALLY) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31ST December 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.